Teachers' Manual

कक्षा 1 से 5 तक

हिन्दी

(पाठ्यपुस्तक)

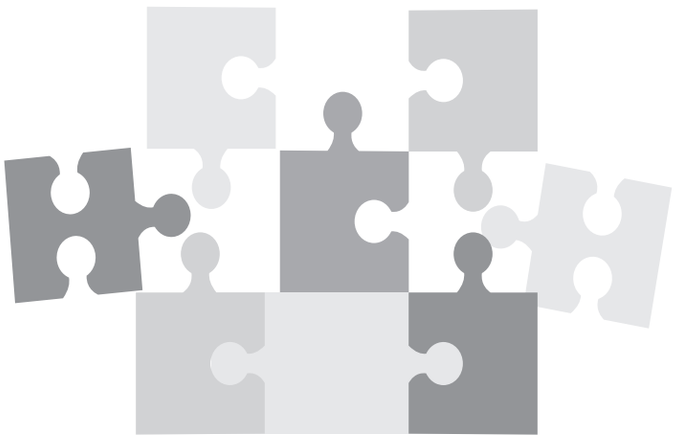

हिन्दी - 1

पाठ—1

वर्णमाला

1. स्वर वर्ण पूरे कीजिए

आ इ उ ऊ ए ऐ

2. खाली स्थानों में सही व्यंजन वर्ण लिखिए—

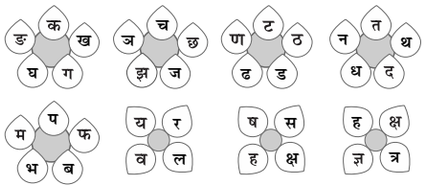

पाठ—2

बिना मात्रा वाले शब्द

शब्दों का खेल

1. चित्र देखकर नाम लिखिए—

कमल	बरगद
फल	सड़क

2. रिक्त स्थान भरकर शब्द पूरे कीजिए—

द**ल**	ज**ग**	क**र**	य**ज्ञ**
र**थ**	नहर	कलश	कलम
अ**क**बर	महल	दशरथ	नय**न**
तर**क**श	हसरत	अदर**क**	झट**प**ट

पाठ—3

शब्दों का खेल

1. चित्र देखकर नाम सही कीजिए—

सीटी	ताला	फूल	कृषक
ढाल	आँच	घंटा	दर्पण

2. चित्रों एवं शब्दों का सही मिलान कीजिए—

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

पाठ—4

मैं भी भीगूँ

बातचीत के लिए

1. चारों ओर जल ही जल दिखाई दे रहा है।

2. हवा पुरवाई चल रही है।

3. भीगने का मन बालक का हो रहा है।

लिखकर बताइए

1. बालक अपनी माँ को आसमन में छा रहे बादल दिखा रहा है।

2. पुरवाई हवा बह रही है।

3. धरती पर हरियाली फैली है।

4. बादल बरसने से खेत, बाग, वन, घर और आँगन भीग रहे हैं।

शब्दों का खेल

1. अमर, अदरक, अशोक, आँख, आँचल।

2. अ + म् + म् + आ (चार), द् + आ + द् + ई (चार), म् + आ + म् + आ (चार)
क् + आ + क् + आ (चार), प् + आ + प् + आ (चार), न् + आ + न् + आ (चार)

3. कविता में कोई शब्द ऐसा नहीं है जिसके पीछे 'के' अक्षर आया हो।

4. गोल दिए गए अक्षर को जोड़कर नए शब्द बनाकर लिखिए—

बादल	नाली
काजल	काली
पायल	हरियाली
पागल	गाली

करके देखिए

शीत/शिशिर (सर्दी) वर्षा (बरसात)
ग्रीष्म (गर्मी)

खोजें - जानें

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

हमें बरसात में भीगना अच्छा लगता है। परन्तु जब मैं नहाने के लिए अपनी माँ से पूछता/ पूछती हूँ तो वह यह कह कर मना कर देती हैं "सर्दी हो जायेगी और बुखार आ जायेगा अथवा बीमार हो जायेगा/ जायेगी।"

पाठ—5

अनोखा परिवार

बातचीत के लिए

1. इसका उत्तर छात्र/छात्रा अपने-अपने परिवार के अनुसार देंगे, जैसे—पिताजी-माताजी के अलावा

मेरे परिवार में-मेरे दादा जी, दादी जी, चाचा जी, चाची जी, भइया, भाभी, छोटा भाई, छोटी बहन आदि रहते हैं।

2. इसका उत्तर छात्र/छात्रा स्वयं देंगे, जैसे—क्रिकेट, कबड्डी, कैरम, पकड़म-पकड़ाई, गुड़िया-गुड्डा आदि खेल खेलते हैं।

लिखकर बताइए

1. काकी, खाखी, गागी, घाघी, चाची, छाछी, जाजी, झाझी, टाटी, ठाठी, डाडी, ढाढी, ताती, थाथी, दादी, धाधी, नानी, पापी, फाफी, बाबी, भाभी, मामी।

इसमें 6 नाम प्रचलित रिश्तों के आए हैं— काकी, चाची, दादी, नानी, भाभी, मामी। कुल 22 शब्द बनते हैं।

2. पाठ में दादी की उम्र अस्सी वर्ष की बताई गई है।

3. कुर्सी गमला गिलास

शब्दों का खेल

1. दवाई दवात दर्पण दर्शन

2. दादी-तीन बार

चाची- एक बार भी नहीं

आओ कुछ बनाएँ

छात्र स्वयं करें।

यह भी समझें

अपने से बड़ों को, जैसे-दादाजी, दादीजी, पिताजी, माताजी, चाचाजी, चाचीजी, भाई-भाभी, दीदी आदि को नमस्ते करते हैं।

पाठ—6

पूजा की स्कूल बस

बातचीत के लिए

1. पीला।

2. बस रुकने के बाद लाइन लगाकर एक-एक करके चढ़ते हैं।

3. बस में बैठकर बस से बाहर हाथ और सिर को नहीं निकालना चाहिए।

लिखकर बताइए

1. स्कूल बस बच्चों को अपने पास हॉर्न बजाकर बुलाती है।

2. स्कूल बस में लाइन लगाकर एक-एक करके चढ़ना चाहिए।

3. चलती बस में इसलिए नहीं चढ़ना चाहिए क्योंकि गिरने और चोट लगने की संभावना रहती है।

शब्दों का खेल

1. शब्द	**पहलीध्वनि**	**दूसरी ध्वनि**
नाना	न्	आ
नानी	न्	आ
काका	क्	आ
काकी	क्	आ
मामा	म्	आ
मामी	म्	आ
माँ	म्	आँ
पूजा	प्	ऊ
बाल	ब्	आ
बस्ता	ब्	अ

2. ब- ब् + अ क- क् + अ ल- ल् + अ
र- र् + अ म- म् + अ श- श् + अ

3. छात्र/छात्रा स्वयं करें।

4. 'आ' की ध्वनि सुनाइ दे रही है।

छात्र 'आ' लिखने का अभ्यास स्वयं करे।

5. पीले रंग की बस है आती,
जो स्कूल बस है कहलाती।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

खोजें-जानें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

स्कूल बस में चढ़ते समय और उतरते समय रखी जाने वाली सावधानियाँ—

1. बस स्टैण्ड पर लाइन लगाकर खड़े होंगे।

2. लाइन में लगकर अपनी बारी आने पर ही बस में चढ़ेंगे।

3. धक्का-मुक्की नहीं करेंगे।

4. चलती बस से न तो उतरेंगे और न ही चढ़ेंगे।

5. बस रुकने पर ही अपनी सीट से उठेंगे।

6. लाइन में लगकर अपनी बारी आने पर ही बस से उतरेंगे।

पाठ—7

अनन्या का दिन

बातचीत के लिए

1. अनन्या सुबह अपनी सहेली से मिलने पर सुप्रभात कहती हैं।
2. अनन्या की दादी रात को सोने से पहले उससे शुभरात्रि कहती हैं।
3. हम बड़ों का अभिवादन नमस्कार, प्रणाम, आदाब आदि कहकर करते हैं।

लिखकर बताइए

1. अनन्या अपने दाँत ब्रश से साफ करती है।
2. अनन्या की सहेली का नाम रिया है।
3. स्कूल में अनन्या मन लगाकर पढ़ाई करती है।
4. स्कूल की बातें घर पर अनन्या अपनी दादी माँ को सुनाती है।

शब्दों का खेल

(क) रिश्ते-नाते — माँ, पिता, दादी, दादा

(ख) स्थान— रसोई, कमरा, बरामदा, आँगन, छज्जा, छत

(ग) अन्य शब्द— कहानी, खीर, दूध

खोजें-जानें

नमस्ते, प्रणाम, वेलकम, आइए स्वागत है आदि कहकर अभिवादन करते हैं।

खेल-खेल में

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

सोचिए और बताइए

खाना खाना (✓)	सफाई करना (✓)
ब्रश करना (✓)	बालों में कंघी करना (✓)

सबके घर

उल्लू	—	पेड़ का कोटर
चिड़ियाँ	—	घोंसला
खरगोश	—	बिल
गिलहरी	—	पेड़
मछली	—	पानी
गाय	—	छप्पर के नीचे
तितली	—	फूल

यह भी समझें

1. नमस्ते, प्रणाम, आदाब, नमस्कार आदि कहकर हम उनका स्वागत करते हैं।
2. बड़ों को नमस्ते, प्रणाम, आदाब, नमस्कार आदि तथा छोटों और बराबर के परिचित को हेलो, हाय कहकर अभिवादन करते हैं।

पाठ—8

उगो चुकंदर

बातचीत के लिए

1. चुकंदर इतना बड़ा दादा जी के यह बोलने से हुआ कि "उगो-उगो चुकंदर। मजबूत बनो और लम्बे हो।"
2. दादा जी ने इतने बड़े चुकंदर को कई दिन तक खाया होगा और अपने पास-पड़ोस में बाँटा होगा।
3. चुकंदर से सब्जी, हलवा, जूस, चटनी, सूप, सलाद आदि बनता है।

लिखकर बताइए

1. सबसे पहले चुकंदर निकालने की कोशिश दादा जी ने की।
2. दादी के बाद चुकंदर खींचने नातिन आयी।
3. कुल चारों ने मिलकर चुकंदर खींचा।

शब्दों का खेल

'थामा' शब्द का अर्थ 'पकड़ना' हो सकता है।

इस शब्द से बने कुछ वाक्य

1. विराट ने बैट थामा और मैदान में उतर गया।
2. पार्क में जाने के लिए बच्चे ने माँ का हाथ थामा।
3. देश की आजादी के लिए चन्द्रशेखर आजाद ने बन्दूक थाम ली।
4. पिता ने घर की जिम्मेदारी बेटे को थमा दी।
5. राम जी ने सीता जी का हाथ थाम लिया।

सोचिए और बताइए

1. दोनों मिलकर बर्तन साफ करेंगे। रसोई में पोंछा लगायेंगे।

   बचा हुआ खाना सुरक्षित स्थान पर रखेंगे।

2. **चुकंदर के गरमागरम पराँठे बनाने के लिए—** गैस का सिलेण्डर-चूल्हा, कढ़ाई, तवा, चकला-बेलन, परात, चाकू, चिमटा, आटा, चुकंदर, देशी घी, रिफाइण्ड तेल, नमक, मिर्च, अजवाइन, कद्दू कस, हरा धनिया, हरी मिर्च, चिमटा आदि।

ठंडी-ठंडी लस्सी बनाने के लिए—दही, चीनी, बर्फ, दूध, पानी, मथनी या हैण्ड मिक्सर, भगोना आदि।

यह भी समझें

अकेले हमसे कोई काम नहीं हो पाता है तो हम किसी की मदद ले लेते हैं।

पाठ—9

मेरा घोड़ा

बातचीत के लिए

1. घोड़ा सरपट दौड़ लगाता है।

2. कविता में घोड़े को टट्टू जैसा अड़ियल बताया गया है।

लिखकर बताइए

1. घोड़ा टट्टू की तरह अड़ जाता है।

2. घोड़ा ताल-तलैया, घाटी पर्वत सबकी सैर कराता है।

3. जहाँ मोटरगाड़ी नहीं पहुँचती हो वहाँ घोड़े पर सवार होकर मैं पहुँच जाता हूँ।

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों की ध्वनि ध्वनि - 'आ' है। तीन शब्द, जिनकी ध्वनि इन शब्दों जैसी है—

खाता खिलाता बुलवाता

2. 'त' ध्वनि वाले शब्द - ताला, तोता

'घ' ध्वनि वाले शब्द - घोड़ा, घर

'ड़' ध्वनि वाले शब्द - घोड़ा, पेड़, सड़क

आओ करके देखें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

- घोड़ा और टट्टू में मुख्य अन्तर ऊँचाई है। घोड़ा कम-से-कम 14.2 हाथ या लगभग 4 फीट 10 इंच लम्बा तथा टट्टू 13.2 हाथ से छोटा होता है।
- मेरे विचार से हर बात पर अड़ जाना सही नहीं है।

पाठ—10

खरगोश के लंबे कान

बातचीत के लिए

1. उल्लू के कहने पर वन में सभा हुई।

2. सभा में शशक नहीं आया था।

3. उल्लू ने शशक को तीन बार पुकारा था।

लिखकर बताइए

1. (क) शशक एक छायादार झाड़ी के नीचे बैठकर झपकी ले रहा था।

(ख) उल्लू ने शशक का नाम तीन बार पुकारने के लिए कहा।

(ग) सभा में पहुँचते-पहुँचते शशक के कान गधे के कानों जैसे हो गए।

2. (क) उल्लू को **(ख)** शशक

(ग) कान **(घ)** गधे जैसे

शब्दों का खेल

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

आलस करना बुरी बात है। हमें आलस नहीं करना चाहिए। हमें आलसी व्यक्ति पसंद नहीं है। हम परिश्रमी व्यक्ति को पसंद करते हैं।

पाठ—11

जगत सुहाना लगता है

बातचीत के लिए

1. हवा क्योंकि हवा हमें जीवन देती है, बिना हवा के हम साँस भी नहीं ले पायेंगे।

बारिश क्योंकि ये गर्मी के बाद शीतलता प्रदान करती है और पेड़-पौधे व फसल के लिए उपयोगी है।

फल क्योंकि इनसे हमको विटामिन व ऊर्जा मिलती है।

फूल क्योंकि ये आकर्षक होते हैं और वातावरण को सुगंधित करते हैं।

खिलौने क्योंकि ये हमारा मनोरंजन करते हैं।

धरती क्योंकि ये हमारा पोषण व संरक्षण करती है।

2. मुझे अच्छे लगते हैं—चाँद, तारे, पेड़, पौधे, नदी आदि।

- छात्र-छात्रा अपने मित्रों से पूछकर लिखें कि उन्हें क्या अच्छा लगता है।

लिखकर बताइए

1. हवा के साथ बादल और बारिश भी सुहाने लगते हैं।

2. पुस्तकों के साथ कपड़े और खिलौने भी सुहाने लगते हैं।

3. फूलों के साथ फल और सब्जियाँ भी सुहाने लगते हैं।

शब्दों का खेल

1. कहानी में 'सुहानी' शब्द तीन बार आया है।

2. पहली ध्वनि— ध्, फ्, ख्, फ्, ख्

अन्य शब्द— खाना, रखना, पंखा, फसल, सफल, साफ, धनुष, प्रधान, राधा

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

1. किसी से झगड़ा नहीं करेंगे, सबसे प्रेम से बोलेंगे।

2. जरूरत पड़ने पर सबकी मदद करेंगे।

3. किसी की झूठी शिकायत नहीं करेंगे, हमेशा सत्य बोलेंगे।

4. हमेशा स्वच्छ और साफ-सुथरे रहेंगे।

5. ध्यानपूर्वक पढ़ाई करेंगे और समय पर गृह कार्य करेंगे।

पाठ—12

दो दोस्त

बातचीत के लिए

1. नदी के पार तरबूज का खेत था।

2. ऊँट ने पीठ पर गीदड़ को बैठाया।

3. ऊँट ने नदी में डुबकी लगाने का यह कारण बताया कि ऊँट को कुछ भी खाने के बाद उसे हजम करने के लिए नदी में डुबकी लगानी पड़ती है।

लिखकर बताइए

1. (क) यह कहानी दो पक्के मित्र ऊँट और गीदड़ की है।

(ख) किसान ने ऊँट को डंडे लगाए।

(ग) ऊँट ने नदी में गीदड़ को डुबोया।

2. (क) गीदड़ **(ख)** तरबूज

(ग) किसान।

शब्दों का खेल

1. तितली गिलहरी दिन

2. 'नदी'—इसमें न् + अ + द् + ई ध्वनियाँ हैं।

'गीदड़'—इसमें ग् + ई + द् + अ + ड़ + अ ध्वनियाँ हैं।

'ऊँट'—इसमें ऊ + ँ + ट् + अ ध्वनियाँ हैं।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा अंकों को क्रम से स्वयं जोड़कर चित्र बनायें और मनपसंद रंग भरें।

क्या होता अगर

1. तो किसान नहीं आता और ऊँट की पिटाई नहीं होती।

2. तो गीदड़ फिर कभी ऊँट को ऐसे ही दिखा देता या किसी संकट में डाल देता।

खोजें-जानें

चित्र में नौ ऊँट हैं—खिड़की, थैला, गमला, तकिया, टेबल, पेनबॉक्स तथा गोलों में सारे ऊँट छुपे हुए हैं।

यह भी समझें

1. हमें अपने मित्र के साथ गीदड़ जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए क्योंकि गलत काम का परिणाम हमेशा गलत होता है।

पाठ—13

संगति का फल

बातचीत के लिए

1. बालक ने एक ढेला देखा।

2. ढेले में खुशबू गुलाब के फूल से आई थी।

लिखकर बताइए

1. गुलाब के पौधे पर तीन फूल खिले थे।

2. लड़के ने ढेला सूँघा।

3. ढेले की खुशबू ताजा फूल जैसी थी।

शब्दों का खेल

(क) पौधा (ख) फूल

(ग) सुंदर (घ) खुशबू

बूझो पहेली

(क) गुलाब (ख) गेंदा

(ग) जूही (घ) कमल

खोजें-जानें

छात्र-छात्रा स्वयं करें, जैसे—

1. फूल-गुलाब, गेंदा, गुड़हल आदि।

2. फल-केला, आम, अमरूद, बेर आदि।

यह भी समझें

जड़—इसे मूल भी कहते हैं। यह पौधे को वह भाग होता है जो जमीन के अन्दर से विकसित होता है।

तना—जमीन से ऊपर का पौधे का मोटा हिस्सा तना कहलाता है। इसमें से डालियाँ निकलती हैं।

पत्तियाँ—यह डालियों पर लगी रहती है। यह पौधों का बहुत ही महत्त्वपूर्ण अंग है, क्योंकि ये भोजन का निर्माण करती हैं।

कलियाँ—बिना खिला फूल अर्थात् फूल का आरंभिक स्वरूप जिसमें पंखुड़ियाँ अभी पूरी तरह खिली न हों।

फल—वनस्पति में होने वाला बीज अथवा पोषक द्रव्य या गूदे से परिपूर्ण बीजकोश जो किसी विशेष मौसम में फूलों के आने के बाद उत्पन्न होता है।

भूल-भूलैया

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पाठ—14
ले लो भैया दही-बड़े

बातचीत के लिए

1. कविता में दही-बड़े खाने की बात कही गई है।

2. दही-बड़े वाले ने उन्हें बड़े यत्न से बनाया है।

3. बड़े दही में रचाए गए हैं।

लिखकर बताइए

1. बड़े दही में डालकर बनाए जाते हैं।

2. बड़ों को तेल में पकाया (तला) जाता है।

3. दही-बड़ों को मनभावन ठेले वाला (दुकानदार) कह रहा है।

4. दही-बड़ों का स्वाद खट्टा-मीठा होता है।

शब्दों का खेल

1. इन शब्दों की अंतिम ध्वनि 'आ' है।
खड़ा, पड़ा, लड़ा

2. भूनकर खाने वाली— मूँगफली, भुट्टा
तलकर खाने वाली— पूड़ी, समोसा
उबालकर खाले वाली— दाल, चावल
कच्ची खाने वाली— अमरूद, सेब

3.

गेहूँ	भालू	कुल्फी
दूध	आलू	भुट्टा

यह भी समझें

खीर, पनीर, छेना, खोआ, चॉकलेट, मिल्क केक, कुल्फी आदि।

पाठ—15
लोमड़ी की सूझ

बातचीत के लिए

1. लोमड़ी ने बन्दर के बोरे में से गिरते हुए चुकंदरों के सहारे पता लगाया होगा कि बंदर कहाँ जा रहा है।

2. बंदर ने लोमड़ी को कोई उत्तर इसलिए नहीं दिया होगा क्योंकि उसे डर था कि लोमड़ी उससे चुकन्दर न माँग ले।

3. यदि रास्ते में पानी होता, तब धप्प की जगह छप्प की आवाज आती।

4. अगर बोरे में छेद नहीं होता तो उसमें से चुकंदर नहीं गिरते और लोमड़ी यह पता नहीं लगा पाती कि बंदर कहाँ जा रहा है। इसके लिए लोमड़ी को बंदर के साथ चलना पड़ता। लोमड़ी को साथ चलता देख बन्दर अपना रास्ता बदल लेता और लोमड़ी को गलत जगह ले जाता। इस प्रकार लोमड़ी को पता नहीं चलता कि बंदर कहाँ जा रहा है।

लिखकर बताइए

1. (क) लोमड़ी ने बंदर से पूछा कि "कहाँ जा रहे हो भैया?
(ख) रास्ते में चुकंदर पड़े हुए थे।
(ग) बंदर ने बोरा पीठ पर रखा था।

2. (क) पेड़ के (ख) नानी के घर
(ग) चुकंदर

शब्दों का खेल

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।

2. नाम—खरगोश, कुर्त्ता, लोमड़ी, ऊन, गुलाब, सूरज
पहली ध्वनि में अन्तर— इन नामों की पहली ध्वनि में बहुत अंतर है—खरगोश की पहली ध्वनि 'ख' है। कुर्त्ता/झबला की पहली ध्वनि 'क/झ' है। लोमड़ी की पहली ध्वनि 'ल' तथा ऊन की पहली ध्वनि 'ऊ' है। गुलाब की पहली ध्वनि 'ग' तथा सूरज की पहली ध्वनि 'स' है।

आवाजें तरह-तरह की

1. बोरी से चीनी गिरना — सर-सर
2. सूखे पत्तों पर चलना — खड़-खड़

3. गुब्बारा फूटना – फटाक्
4. बर्तनों का गिरना – खन्-खन्
5. बारिश की बूँदों का गिरना– टप-टप-टप
6. आग का जलना – चड़-चड़-चड़-चड़

खोजें-जानें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन के साथ फल और सलाद भी खाने चाहिए।

पाठ—16

कॉफी तथा चाय

बातचीत के लिए

1. इस कहानी में मित्र जॉन तथा गौतम हैं।

2. यह कहानी जनवरी महीने की है।

3. बहस चाय और कॉफी में होने लगी।

4. अचानक दुकान के अंदर एक सिपाही आ गया।

लिखकर बताइए

1. (क) जनवरी का महीना सर्दी के मौसम में आता है।

(ख) दोनों मित्र दुकान पर कोई गरम पेय पीने के लिए गए।

(ग) चाय तथा कॉफी के झगड़े के समय जॉन, गौतम, दुकान का मालिक और उसका नौकर थे।

2. (क) कोलाहल (ख) गरम (ग) थाने

शब्दों का खेल

1. दाय, माय, हाय, खाय

2. शरबत शीतल पेय/ठण्डा पेय है।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

चाय और कॉफी का झगड़ा बिल्कुल अनुचित था क्योंकि सबका अपनी-अपनी जगह पर अपना-अपना महत्त्व होता है। किसी का महत्त्व किसी से कम नहीं होता।

पाठ—17

मेरे गाँव लगा था मेला

बातचीत के लिए

1. हम भी इस मेले में होते तो खूब मस्ती करते, चाट खाते, झूला झूलते और खिलौने खरीदते।

2. मेले में छोटू ने गुड़िया और गुनगुन का हाथ पकड़ा।

3. छात्र-छात्रा अपने क्षेत्र में लगने वाले मेले के विषय में स्वयं लिखें, जैसे—मेरे गाँव या कॉलोनी में 14 नवम्बर को बाल दिवस का मेला लगता है। मेले में चाट-पकौड़ी के ठेले, झूलने के लिए बड़ा झूला, खेल-खिलौने तथा अन्य खाने-पीने की दुकानें लगती हैं। मैं अपने माता-पिता और अपने भाई/बहन के साथ मेला देखने जाता हूँ।

लिखकर बताइए—

1. मेला मेरे गाँव में लगा था।

2. बच्चों ने मेले में चाट तथा केला खाया।

3. बच्चों ने मेले में चार खिलौने, केला और चाट खरीदी।

शब्दों का खेल

1. रेला-पेला चेला-वेला धेला-ढेला

2. ठेला-दो बार ठाट-दो बार

3. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पहेली

केला	पैसे
मेरा	तेरा
सेब	मेला
मेरे	घेरा

चित्रकारी

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें। जैसे— मेरे गाँव में वसन्त पंचमी पर हर वर्ष एक मेला लगता है। मैं इस वर्ष अपने माता-पिता के साथ इस मेले में गया था। वहाँ मैंने चाट-पकौड़ी खाई, झूले पर झूला और कुछ खिलौने खरीदे। वहाँ मैंने बन्दर व भालू का नाच भी देखा। मेले में मुझे बहुत मजा आया। हमने वहाँ खूब मस्ती की।

पाठ—18

राखी का त्योहार

बातचीत के लिए

1. इस पाठ में रक्षाबंधन के त्योहार का वर्णन किया गया है।

2. छात्र स्वयं उत्तर दें, जैसे-छोटी बहन/दीदी राखी के त्योहार पर मुझे राखी बाँधती है।

छात्रा यह लिख सकती हैं कि मुझे कोई राखी नहीं बाँधता बल्कि मैं अपने भाइयों को राखी बाँधती हूँ।

लिखकर बताइए

1. (क) शुभम राखी इसलिए नहीं बँधवा रहा था क्योंकि उसे केवल डोरेमोन वाली राखी ही बँधवानी थी।

(ख) विभु ने शुभम को राखी न बँधवाने का यह कारण बताया कि उसके कोई बहन नहीं है।

(ग) अंत में शुभी ने शुभम और विभु को राखी बाँधी।

शब्दों का खेल

1. दादा - दादी ताऊ - ताई
चाचा - चाची बुआ - फूफा
नाना - नानी मामा - मामी

2. लड़की - लड़कियाँ थाली - थालियाँ
राखी - राखियाँ मक्खी - मक्खियाँ
खुशी - खुशियाँ बत्ती - बत्तियाँ

3. (क) पापा (ख) शुभी (ग) दोनों

चित्रकारी

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं अपने-अपने परिवार में पता करके लिखें।

जैसे—श्रीकृष्ण जन्माष्टमी — भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन
होने के कारण

दीपावली — भगवान राम के वनवास से वापस आने के कारण

भाई दूज — यमुना जी द्वारा यमराज को तिलक करने के कारण

होली — होलिका दहन के कारण।

जाँच प्रश्न- पत्र - 1

बातचीत के लिए

1. नमस्ते, प्रणाम, आदाब, नमस्कार आदि कहकर हम उनका स्वागत करते हैं।

2. लोमड़ी ने बन्दर के बोरे में से गिरते हुए चुकंदरों के सहारे पता लगाया होगा कि बंदर कहाँ जा रहा है।

3. दही-बड़े दही में रचाए गए हैं।

शब्दों का खेल

1. दादी दादा मामी मामा नानी नाना

2. माँ, पापा।

3. जो स्कूल बस है कहलाती।

जाँच प्रश्न- पत्र - 2

बातचीत के लिए

1. कॉफी और चाय की कहानी जनवरी महीने की है।

2. चाट के अतिरिक्त ठेले पर खिलौने, फल, सब्जी, मिठाई, मूँगफली, कपड़े आदि बेचे जाते हैं।

3. हरा-भरा संसार बसाने के लिए पेड़-पौधे लगाने चाहिए, साफ-सफाई रखनी चाहिए तथा पौष्टिक आहार लेना चाहिए।

शब्दों का खेल

1. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

2. तितली गिलहरी मिठाई
आलू भालू गेहूँ

बूझो पहेली

गुलाब
गेंदा
जूही
कमल

हिन्दी - 2

पाठ—1
मेरे दादा जी

बातचीत के लिए

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

लिखकर बताइए

1. (क) लड़की अपने दादाजी को 'बाबा' तथा 'बब्बा' कहकर पुकारती है।

(ख) बच्ची के हॉर्न बजाने पर रास्ते में से सब बकरियाँ और गायें दूर हट जाती हैं।

(ग) बरसात होने पर दादा जी बाहर चलने का इशारा करते हैं।

2. (क) बब्बा (ख) समुद्र (ग) सिर

3. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही

शब्दों का खेल

1. (क) ऊँची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ़ उठती-गिरती हैं।

(ख) "बब्बा क्यों न हम चाँद पर चलें?"

(ग) उनके साथ मैं कूदती-फाँदती घर आ जाती हूँ।

2. (क) मैं उन्हें बब्बा बुलाती हूँ।

(ख) हवाएँ सीटी बजाती हैं।

(ग) हम समुद्र तट पर जाते हैं।

3. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

करके देखिए

शीत/शिशिर (सर्दी), वर्षा (बरसात), ग्रीष्म (गर्मी)

यह भी समझें

मैं सुबह उठकर शौच के लिए जाता हूँ, दातुन करता हूँ फिर पास के पार्क में खेलने जाता हूँ,सुबह बच्ची का टहलने जाना अच्छा है क्योंकि सुबह की शुद्ध हवा में टहलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

पाठ—2
अपना घर

बातचीत के लिए

1. हमको अपने घर में सबसे अधिक अच्छा आँगन लगता है क्योंकि वहाँ खेलते-कूदते हैं।

2. हमको अपने घर की याद तब-तब आती है जब हम घर से दूर कहीं बाहर जाते हैं।

3. छात्र-छात्रा स्वयं सुनायें, जैसे—इस साल मेरे छोटे भाई के जन्म दिन पर पूरे परिवार ने मिलकर तैयारी की थी। हम बच्चों ने सजावट का काम किया था। मम्मी तथा चाची जी ने सबके लिए नाश्ते व खाने का सामान बनाया था। पापा और चाचाजी ने बाजार से सारा सामान लाकर दिया था। इस प्रकार पूरे परिवार ने मिलकर छोटू के जन्म दिन पर कोई-न-कोई काम किया था।

लिखकर बताइए

1. (क) घर को माँ की गोदी-सा इसलिए कहा गया है क्योंकि घर में अपनापन और ममता मिलती है।

(ख) खेलने के बाद बच्चा अपने घर आता है।

(ग) सुख की नींद अपना सुखद सलोना घर सुलाता है।

2. (क) गोदी-सा (ख) ममतावाला

3. (क) (✓) (ख) (✗)

शब्दों का खेल

छात्र-छात्रा स्वयं पढ़कर सुनायें। अन्य कविता इस प्रकार हो सकती है—

1. ये है मेरा सुन्दर परिवार।
इसमें रहते हैं सदस्य चार,
जो आपस में करते हैं प्यार।
ये है मेरा सुन्दर परिवार
गाँव से जब आते दादा-दादी,
हमको मिल जाती आजादी।
खूब खेलते करते धमाल,
हो जाते हम मालामाल।
ये है मेरा सुन्दर परिवार,
जब हम नानी के घर जाते,
मामा-मामी का प्यार हम पाते।
नाना करते हमसे दुलार
ये है मेरा सुन्दर परिवार।

2. माँ की बहन – मासी जी/ मौसी जी
माँ के भाई – मामा जी
पिताजी की बहन – बुआ जी
पिताजी के भाई – चाचा जी/ताऊ जी

खेल खेल में

मधुमक्खी **छत्ते** में।

साँप **बिल** में।

मगर **नदी** में।

तोता **पेड़ के कोटर** में

चिड़िया **घोंसले** में

ध्यान दें—कोटर पेड़ के खोखले भाग को कहते हैं।

यह भी समझें

हमको अपना घर इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि यहाँ हमें माँ की ममता तथा पिता का संरक्षण मिलता है। हम अपने घर में आजादी से कहीं भी उठ-बैठ सकते हैं, खेल-कूद सकते हैं तथा पढ़-लिख सकते हैं। यहाँ हम बड़े चैन की नींद सोते हैं और हम अपने-आप को सुरक्षित महसूस करते हैं।

पाठ—3

काव्या की पायल

बातचीत के लिए

1. काव्या सभी को इसलिए डराती होगी क्योंकि वह शरारती थी।

2. काव्या से सभी इसलिए डर जाते होंगे क्योंकि वह अचानक पीछे से आकार आवाज करती थी।

लिखकर बताइए

1. (क) पायल उतारने के अतिरिक्त काव्या दबे पैर पंजे के बल पर जाकर डरा सकती थी।

(ख) माँ ने काव्या को पायल इसलिए दी होगी जिससे उसके आने का पता लग जाये और वह किसी को डरा न सके।

2. काव्या की माँ ने उसे चाँदी की पायल दीं।

3. (ख) पायलों से सभी को काव्या के आने का पता चल जाता था।

4. काव्या बिल्ली को, अपने छोटे भाई को, अपनी नानी को तथा डाकिए को डरा रही थी।

शब्दों का खेल

1. घंटी की ध्वनि – टन___ टन___ टन

पायल की ध्वनि – छम् ___छम् ___छम्

शंख की ध्वनि – पू..... पू .....

डमरू की ध्वनि – ढम् ___ ढम् ___ ढम्

2. क्या काव्या को नई पायल मिली?

काव्या पायल पहनकर पूरे घर में घूमने लगी।

आओ करके देखें

का → व्या → की → चाँ → दी → की → पा → य → ल

यह भी समझें

नहीं, मैं किसी को नहीं डराता/डराती क्योंकि डरने के बाद जब मुझे बुरा लगता है तो और सबको भी बुरा लगता होगा।

नोट—यह उत्तर एक आदर्श उदारहण है, वैसे छात्र-छात्रा इसका उत्तर अपने-अपने अनुभव से लिखें तो अधिक अच्छा रहेगा।

पाठ—4

नन्ही चींटी

बातचीत के लिए

1. बारिश आने पर चींटा-चींटी घर में घुस जाएँगे और नाच-गाकर मौज करेंगे।

2. खीर बनाने के लिए चींटा दूध लेकर आया।

3. आटा चींटी लेकर आयी।

लिखकर बताइए

1. (क) मिल-बाँटकर पूड़ी खाने के लिए कहा गया है।

(ख) चींटी ने चींटा से बाजार से चावल, चीनी, तेल और पानी मँगवाया।

(ग) सुन्दर घर बनने पर उसे देखने अन्य चींटियाँ आएँगी।

(घ) चींटी-चींटा शरबत पिलाकर दूसरों की प्यास बुझाएँगे।

2. (क) बारिश (ख) चींटियाँ

शब्दों का खेल

1. मुर्गी और मुर्गा, बकरी और बकरा, घोड़ी और घोड़ा

2. चार बार चींटी तथा छह बार चींटा शब्द पाठ में आया है।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं बनायें। जैसे—

इस कार्ड पर हम ये लिख सकते हैं—

प्रिय मित्र,

आपने गृहकार्य पूरा करने में जो मेरी सहायता की है उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद! आपका मित्र

यह भी समझें

मेरे घर में सबसे अधिक काम मेरी माँ करती है। क्योंकि माँ हम सबसे बहुत प्यार करती है।

पाठ—5
माँ

बातचीत के लिए

1. सुबह मुझको मेरी माँ जगाती है।

2. स्कूल आने के लिए मुझको मेरी माँ तैयार करती है।

3. होमवर्क करने में मेरी सहायता मेरी माँ करती है।

नोट—इन प्रश्नों के उत्तर आप अपनी रोज की स्थिति के अनुसार अपने आप भी दे सकते हैं।

लिखकर बताइए

(क) बहुत सारी खुशियाँ हमें माँ देती है।

(ख) कविता में माँ को प्यारी, जग से न्यारी, खुशियाँ देने वाली, दुनिया में अनमोल, बच्चों की तकदीर और ईश्वर की तस्वीर बताया गया है।

(ग) कविता में 'बच्चों की तकदीर' माँ को कहा गया है।

(घ) ईश्वर की तस्वीर माँ को कहा गया है।

शब्दों का खेल

1. मम्मी, माताजी, मैया, अम्मी, अम्मा आदि नामों से पुकार सकते हैं।

2. गाती, आती, खाती, भेजती, पिलाती, सोती, सुलाती।

3. आँख बाँस दाँत
बाँसुरी साँप आँगन

4. जग से प्यारी मेरी माँ
सबसे न्यारी मेरी माँ
पालन-पोषण करती माँ
सबको सम्हालती मेरी माँ

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

माँ घर में मेरे लिए बहुत सारे काम करती है, जैसे—सुबह मुझे उठाती है, तैयार करती है, मेरे लिए नाश्ता बनाकर मुझे नाश्ता कराती है और लंच बॉक्स देकर मुझे स्कूल छोड़कर आती है। छुट्टी होने पर मुझे स्कूल से लेकर आती है और मुझे खाना खिलाती है फिर मेरे साथ खेलती है और मुझे गृहकार्य कराती है। रात को मुझे खाना खिलाकर सुलाती है।

पाठ—6
रंग-बिरंगी धरती

बातचीत के लिए

1. मीठा राग पक्षी सुनाते हैं।

2. जंगल की रक्षा बूढ़ी नानी करती है।

3. पेड़ों के नीचे चरने छोटी हिरनी आती है।

लिखकर बताइए

1. (क) हिरनी रोज सवेरे पेड़ों के नीचे चरती है।

(ख) पर्वत ऊँचे हैं।

(ग) मीठा राग पक्षी सुनाते हैं।

(घ) जंगल की रक्षा बूढ़ी नानी करती है।

2. (क) हिरनी (ख) हरियाली (ग) बच्चो

शब्दों का खेल

1. हरियाली – पक्षी
हाथी – बिरंगी
सबकी – धरती

2. चरती, करती।

3. धरती को रंग-बिरंगी बताया गया है।

रंग भरिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

वृक्षों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। फल, फूल, जड़ी-बूटियाँ और लकड़ियाँ आदि प्राप्त होती हैं। वृक्षों से हमें गर्मी, भू-क्षरण, धूल आदि से भी राहत मिलती है।

पाठ—7
तीन रंग

बातचीत के लिए

1. जी हाँ।

2. मैं अपने मित्रों को बातचीत करके तथा अपनी गलती होने पर माफी माँगकर मनाता हूँ।

3. नहीं, आसमान हमेशा नीला दिखाई नहीं देता, रात को काला दिखाई देता है। बादल छा जाने पर कभी सफेद और कभी मटमैला भी दिखाई देता है। सूरज हमेशा पीला नहीं होता, सुबह और शाम को लाल हो जाता है। पत्ते भी हमेशा हरे नहीं होते बल्कि सूखकर पीले, सफेद और काले हो जाते हैं।

4. मैं अन्य लोगों से मिलकर, अपना परिचय देकर तथा उनके बारे में जानकारी लेकर नए मित्र बनाता हूँ।

लिखकर बताइए

1. कहानी में आए रंगों के नाम हैं—लाल, पीला, नीला, नारंगी, हरा तथा बैंगनी।

2. उन्हें दुनिया को रंगीन बनाना है।

नारंगी वस्तुओं के नाम	हरी वस्तुओं के नाम	बैंगनी वस्तुओं के नाम
संतरा	घास	बैंगन
पपीता	पालक	जामुन
शकरकंद	भिण्डी	प्याज
गाजर	मटर	अंगूर

शब्दों का खेल

'आ' की मात्रा वाले रंग	बिना 'आ' की मात्रा वाले रंग
लाल	सफेद
पीला	बैंगनी
हरा	स्लेटी
नीला	मैरून
काला	श्वेत

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

चित्रकारी और लेखन

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

वाक्य—तिरंगा हमारा राष्ट्रीय ध्वज है।

इसमें सबसे ऊपर केसरिया पट्टी शक्ति और साहस का प्रतीक है।

बीच में सफेद पट्टी शांति और सच्चाई का प्रतीक है।

सबसे नीचे हरी पट्टी धरती की उर्वरता, वृद्धि और शुभता का प्रतीक है।

बीच में बना अशोक चक्र जीवन की गतिशीलता का संदेश देता है।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें, जैसे—मुझे केसरिया रंग पसंद है। मुझे पीले और हरे रंग की सब्जियाँ और फल अच्छे लगते हैं।

पाठ—8

ऐसे सूरज आता है

बातचीत के लिए

1. सूरज पूरब दिशा में उगता है।

2. सूर्योदय के समय चिड़ियाँ चहचहाती हैं।

3. सूरज उगने पर सब लोग काम में लग जाते हैं।

4. गगन सूरज निकलने पर दमकता है।

लिखकर बताइए

(क) सुबह सूरज लाल रंग बिखराता है।

(ख) सूरज उगने पर कलियाँ खिलती हैं।

(ग) सुस्ती दिन चढ़ने पर भाग जाती है।

(घ) दिन सूरज के बढ़ने पर चढ़ने लगता है।

शब्दों का खेल

1. (क) — (iii)

(ख) — (v)

(ग) — (i)

(घ) — (ii)

(ङ) — (iv)

2. (i) तुम कब आओगे?

(ii) तुम कहाँ आओगे?

(iii) तुम कैसे आओगे?

(iv) तुम से किसने कहा?

(v) तुम कैसे हो?

(vi) तुम्हारा क्या नाम है?

(vii) तुम क्यों आये हो?

(viii) तुम कौन हो?

अब करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा अपनी दिनचर्या के अनुसार स्वयं लिखें, जैसे—

प्रात:काल हम सबसे पहले हाथ की हथेली को देखकर ईश्वर का ध्यान करते हैं। फिर शौच आदि से निवृत्त होकर दातुन-कुल्ला करते हैं। फिर व्यायाम करते हैं और टहलने जाते हैं। फिर स्नान आदि से निवृत्त होकर अपने आराध्य के दर्शन करते हैं और जलपान करते हैं। फिर थोड़ा स्वाध्याय करते हैं और समय होने पर अपने विद्यालय के लिए चल देते हैं।

पाठ—9

नया ज़माना

बातचीत के लिए

1. बच्चे ने स्ट्रॉ से जूस पिया।

2. दुकान के पीछे रखे एक छोटे से घड़े में कौए को पानी दिखाई दिया।

3. मुझे नए ज़माने का कौआ अच्छा लगा।

लिखकर बताइए

1. (क) कौए की दादी ने उनके एक पूर्वज द्वारा घड़े में कंकड़ डालकर पानी को ऊपर करके अपनी प्यास बुझाये जाने की कहानी सुनाई थी।

(ख) दुकानों में आइसक्रीम, ठंडाई, कुल्फ़ी आदि मिल रही थी।

(ग) कौए उड़ते-उड़ते शहर पहुँच गए।

(घ) कौए ने घड़े से पानी पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल किया।

2. (क) शहर (ख) स्ट्रॉ

शब्दों का खेल

1. अनुस्वार (ं) – जंगल, ठंडाई

चन्द्र बिन्दु (ँ) – जाएँगे ढूँढ़ने

2. प्यास, कुल्फी, क्यों, अच्छा

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

यदि कौए को स्ट्रॉ नहीं मिलती तो वे अपने पूर्वज की तरह एक-एक कंकड़ चुनकर घड़े में डालते जिससे उनकी प्यास बुझ जाती।

पाठ–10

ठीक समय पर

बातचीत के लिए

(क) जी हाँ।

(ख) कविता में समय पर प्रतिदिन उठने, नहाने, खाने, पढ़ने जाने, मौज करने तथा गाना गाने के लिए कहा गया है।

(ग) मैं मौज़ उड़ाने के लिए पिकनिक पर जाता हूँ तथा दोस्तों के साथ खेलता-कूदता हूँ।

(घ) मैं अपने सारे काम ठीक समय पर करके बहुत बड़ा बन सकता हूँ।

लिखकर बताइए

1. (क) समय पर कार्य करने से मनुष्य को यह लाभ होगा कि वह एक बहुत बड़ा आदमी कहलाएगा।

(ख) ठीक समय पर न उठने से सारे काम देर से होंगे।

(ग) कवि हमको सारे काम ठीक समय पर करने को इसलिए कह रहा है क्योंकि ठीक समय पर सारे काम करने से हम बहुत बड़े आदमी भी बन जाएँगे।

(घ) मैं अपने सारे कार्य स्वयं करता हूँ, जैसे–सुबह उठना,नहाना, नाश्ता करना, स्कूल जाना, अपने कपड़े तैयार करना, अपना गृहकार्य करना आदि।

2. (क) नहाओ (ख) पढ़ने (ग) गाना

(घ) खाना

शब्दों का खेल

1.

घड़ी	समय
फूल	खुशबू
बादल	पानी
सूरज	धूप

2. खा + ओ = खाओ

मौ + ज = मौज

स + **म** + य = समय

क + **ह** + **ला** + ओ = कहलाओ

क + **बी** + ला = कबीला

मु + **स** + **का** + न = मुसकान

3. **रंगीन** गेंद। **ठण्डी** बर्फ। **लाल** सेब

4. (क) राम बोला– मैं अच्छा हूँ।

(ख) मुझे बाजार जाना है।

(ग) मैंने एक जलेबी खाई है।

(घ) पिताजी बोले।

5.

मातृ	पितृ	वृत
अमृत	आकृति	प्रकृति

सोचिए और लिखिए

सुबह उठना

व्यायाम करना

शौच जाना व स्नान करना

स्कूल जाना

स्कूल से वापस आना

शाम को पार्क में घूमने जाना

पढ़ने बैठना

स्कूल का बैग लगाना

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं बनाएँ

यह भी समझें

हमें अपने सभी काम सही समय पर करने चाहिए क्योंकि सही समय पर किए गये कामों में सफलता मिलती है और हम बड़े आदमी कहलाते हैं।

पाठ—11
बूढ़ा जादूगर

बातचीत के लिए

1. रंग नगरी में सारे रंग आपस में लड़ रहे थे।

2. जादूगरनी ने रंगों को एक गुफा में बन्द कर दिया था।

3. जादूगरनी का नाम चप्पन चूँ-चूँ था।

4. गुफा का दरवाजा बूढ़े जादूगर ने खोला।

लिखकर बताइए

1. (क) जादूगरनी रंगों के आपस में लड़ने से बहुत दुखी थी।

(ख) जादूगरनी को गुस्सा इसलिए आ गया क्योंकि बार-बार बुलाने पर भी रंग उसके साथ नहीं खेलते हैं।

(ग) रंगों ने जादूगर से यह वादा किया कि वे एक-दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

2. (क) रंग (ख) बूढ़ा (ग) गुस्सा
(घ) छड़ी (ङ) बाहर

शब्दों का खेल

1. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

2.

दुख	दुखी
खुश	खुशी
एक	एकता
प्रसन्न	प्रसन्नता

खोजें-जानें

(क) पूछा गया है। (ख) बताया गया है।
(ग) पूछा गया है। (घ) बताया गया है।
(ङ) पूछा गया है।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

मिल-जुलकर रहना इसलिए अच्छा होता है क्योंकि मिल-जुलकर रहने से हमारे सारे कार्य सुविधाजनक रूप से हो जाते हैं। कहा जाता है कि एकता में शक्ति होती है। यदि हम मिल-जुलकर रहेंगे तो कोई हमसे अनुचित लाभ नहीं ले पायेगा और हम हर मुसीबत का आसानी से सामना कर पायेंगे।

पाठ—12
मीठे बोल

बातचीत के लिए

1. लड़के बाग में खेल रहे थे।

2. खेल-खेल में एक लड़के को पेड़ से गिर जाने से बहुत चोट आई और वह बेहोश हो गया।

3. साहूकार का लड़का मुसाफिर से बोला—"ऐ! इधर आ, हम तुझे पैसे देंगे, हमारे साथी को उठाकर ले चलना होगा।"

4. राम ने मुसाफिर से सभ्यता से चाचाजी कहकर बात की।

लिखकर बताइए

1. (क) साहूकार के बेटे को अपने पिता के धन और साहूकार होने का घमंड था।

(ख) मुसाफिर को साहूकार के लड़के पर क्रोध आया।

(ग) राम के कहने पर मुसाफिर बेहोश लड़के के पास आया।

2. (क) आनन्द (ख) साहूकार (ग) लज्जा

शब्दों का खेल

1. यात्री बड़ा व्यापारी अहंकार

2. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

सोचिए और लिखिए

1. (क) साहूकार के लड़के ने — मुसाफिर से

(ख) मुसाफिर ने — साहूकार के लड़के से

(ग) राम ने — मुसाफिर से

(घ) राम ने — मुसाफिर से

2. चार, दो, तीन, एक

यह भी समझें

जीवन में सफलता पाने के लिए मीठी बोली बोलनी चाहिए। मीठी बोली अपनी मधुरता से सबको अपना बना लेती है।

पाठ—13
नन्हा बीज

बातचीत के लिए

1. नन्हा बीज गुलाब का था।

2. नन्हे बीज का घर जमीन के नीचे था।

3. बारिश की एक बूँद की आवाज से नन्हा बीज डर गया।

4. सूरज की किरण नन्हे बीज को प्रकाश देना चाहती थी।

लिखकर बताइए

1. (क) बारिश की बूँद ने खिड़की से झाँक कर कहा—"दरवाजा खोलो, हमें अंदर आने दो।

हम तुम्हें बाहर की दुनिया में ले जाकर नया रूप देना चाहती हैं।

(ख) नन्हे बीज के मन में बाहर की खूबसूरत दुनिया में जाने का लालच आ गया।

(ग) बारिश की बूँद और सूरज की किरण ने अंदर आकर नन्हे बीज को अपने नन्हे-नन्हे हाथों में उठा लिया।

(घ) नन्हे बीज ने धरती पर आकर देखा कि एक सुन्दर बगीचे में चारों ओर सुन्दर-सुन्दर, प्यारे-प्यारे, रंग-बिरंगे, लाल, गुलाबी और पीले-पीले निराले फूल उसके आने से प्रसन्न थे। मानो वे उसका स्वागत कर रहे हों।

2. (क) नन्हे बीज ने (ख) सूरज की किरण ने
(ग) बारिश की एक बूँद ने

शब्दों का खेल

1. आसमान — अप्रसन्न
बाहर — पुराना
उजाला — अंधकार

2. (क) उसका (ख) मैं
(ग) वह (घ) हम

3. सूर्य - सूरज — वर्षा - बारिश
पुष्प - फूल — उपवन - बगीचा

करके देखिए

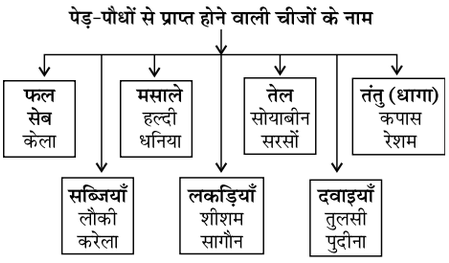

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पाठ—14
छोटे से बड़े

बातचीत के लिए

1. पौधा बढ़कर पेड़ कहलाया।

2. बीज पौधा अंकुर तथा कोमल पत्ते फूटने पर बनता है।

लिखकर बताइए

1. (क) नानी ने एक बीज की कहानी सुनाई।

(ख) बीज के सामने ये कठिनाइयाँ आईं कि उसको हवा ने डराया, धूप ने जलाया, मिट्टी ने दबाया और सूरज की किरणों ने झुलसाया।

(ग) पेड़ की छाया दूर-दूर तक फैल गई।

2. (क) नानी (ख) अंकुर (ग) कोमल (घ) पेड़

3. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) सही

शब्दों का खेल

1. बीज → अंकुर → पौधा → पेड़
अक्षर → शब्द → पद → वाक्य
बच्चा → जवान → प्रौढ़ → बूढ़ा
सुबह → दोपहर → शाम → रात

2. मेमना → बकरी — बछड़ा → बैल
बछिया → गाय — पिल्ला → कुत्ता
चूजा → मुर्गा — पड्डा → भैंसा

3. छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें।
पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं।
पेड़ हमें लकड़ी देते हैं।
पेड़ हमें फल देते हैं।
पेड़ हमें फूल देते हैं।

लेखन

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

करके देखो

छात्र-छात्रा स्वयं करें।
पहली कटोरी के चने फूल जायेंगे।
दूसरी कटोरी के चने अंकुरित हो जायेंगे।
तीसरी कटोरी के चने वैसे ही रहेंगे।

यह भी समझें

मेरे सामने यदि कठिनाइयाँ आएँगी तो मैं उनका बड़े धैर्य और साहस के साथ सामना करुगाँ/करुँगी और कठिनाइयों का समाधान करने का प्रयास करूँगा/करूँगी।

पाठ—15
नीलम और नीलू

बातचीत के लिए

1. मुझे ये कहानी बहुत अच्छी और शिक्षाप्रद लगी।

2. मेढक, नीलू और नीलम की बात इसलिए मान गया क्योंकि इन्होंने मेढक से माफ़ी माँगते हुए अब से उन्हें किसी के द्वारा पत्थर न मारे जाने का वादा किया

था। हाँ, गलती मानने पर और भविष्य में गलती न दोहराने का आश्वासन देने पर मैं मान जाता।

लिखकर बताइए

1. (क) गाय ने दूध न देने का कारण उसके खाने के लिए घास का न होना बताया।

(ख) घास पानी न होने से सूखकर पीली पड़ गई थी।

(ग) मेढक के न बोलने से बादल नहीं बरस रहे थे।

(घ) मेढकों ने टर्राना इसलिए बन्द कर दिया था क्योंकि उनके बाहर निकलने पर बच्चे उन्हें पत्थर मारते थे।

2. (क) माता (ख) पानी में

शब्दों का खेल

1. बादल गाय

लायक मेढक

2.

'ढ' वाले शब्द	'ड' वाले शब्द	'ड़' वाले शब्द	'द' वाले शब्द
मेढक	डमरू	घड़ी	बादाम
ढाल	डकैत	छड़ी	दवाई
ढाबा	डकार	लड़का	देवता
ढोल	डंडा	लड़की	दौलत

हाँ, सभी ध्वनियाँ बोलने-सुनने में अलग लगती हैं।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

बच्चों द्वारा मेढकों को पत्थर मारना गलत था क्योंकि वे भी जीव हैं, उन्हें पत्थरों से चोट लग सकती है। विचार करें कि यदि कोई हमें पत्थर मारे तो हमें कैसा लगेगा? ठीक वैसा ही अन्य जीवों को लगता है। अत: हमें उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा हमें अपने लिए अच्छा लगता है।

पाठ—16
देखो छाया इंद्रधनुष

बातचीत के लिए

1. इंद्रधनुष वर्षा ऋतु में बनता है।

2. इंद्रधनुष में सात रंगों की पट्टियाँ होती हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) इंद्रधनुष वर्षा ऋतु में प्राय: तब बनता है जब सूर्य की किरणें वायु में लटक रही बूँदों के भीतर प्रवेश करने के पश्चात् बाहर निकल कर एक ओर मुड़ जाती हैं।

(ख) वायु में लटक रही जल-बूँदें इंद्रधनुष बनाने का काम करती हैं।

(ग) इंद्रधनुष में बैंगनी, गाढ़ा नीला, हल्का नीला, हरा, पीला संतरी तथा लाल इन सात रंगों की पट्टियाँ दिखाई देती हैं।

(घ) इंद्रधनुष को देखकर बच्चे हर्ष से तालियाँ बजाते हुए नाचने लगते हैं।

2. (क) श्वेत (ख) आकृति (ग) अधीन (घ) वायुमंडल

शब्दों का खेल

1. (क) आकृति

(ख) क्षितिज

(ग) इंद्रधनुष

(घ) धरती

श	ख	ब	इं	द्र	ध	नु	ष
ध	स	आ	झ	स	ट	छ	ज
र	ऋ	कृ	छ	अ	क्षि	ति	ज
ती	ज	ति	ह	ज्ञ	क्ष	ज	छ

2. देखना रहना नाचना

3. ● मैं स्कूल से घर आ रही थी/रहा था।

1. आज झम-झम बारिश हो रही थी।
2. मैंने अपने मित्र को भी छाते के नीचे कर लिया।
3. मित्र ने घर आकर छाता वापस किया।
4. उसने सहायता के लिए धन्यवाद कहा।
5. कल स्कूल की छुट्टी है।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें।

यह भी समझें

वर्षा से गर्मी शान्त होती है और वातावरण में शीतलता आती है। वर्षा होने से किसानों को खेती के लिए पानी मिलता है, जिससे फसलें तैयार होती हैं। वर्षा पीने के पानी का एक स्रोत भी है।

पाठ—17
मेघा पानी दे

बातचीत के लिए

1. बारिश आने पर मोर नाचते हैं, खेत-खलिहान हरे-भरे हो जाते हैं, ताल-तलैया भर जाती है और चारों ओर खुशहाली का वातावरण हो जाता है।

2. मुझे बारिश में भीगना, खेलना-कूदना तथा कागज की नाव तैराना अच्छा लगता है।

लिखकर बताइए

1. (क) बरसात में मोर के साथ-साथ हम सब मिलकर नाचते हैं।

(ख) 'पानी दे जिंदगानी दे' पंक्ति से हम यह समझे कि पानी हमको जीवन देता है क्योंकि पानी के बिना जीवन संभव ही नहीं है।

(ग) ताल-तलैया को बारिश का पानी भर देता है।

(घ) नई कहानी काले मेघा दे रहे हैं।

2. (क) चिड़िया (ख) साँप (ग) टर्राते (घ) मिट्टी

3. खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक
धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे॥

सोचिए और बताइए

1. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

शब्दों का खेल

कुत्ता
बिल्ली
शेर

खेल-खेल में

छात्र-छात्रा स्वयं नाव बनाकर तैरायें।

चित्रकारी और लेखन

छात्र-छात्रा चित्र स्वयं बनायें।

आसमान—

आसमान को हम आकाश भी कहते हैं।
सूरज और चाँद आसमान में ही निकलते हैं।
आसमान नीले रंग का दिखाई देता है।
इन्द्रधनुष भी आसमान में बनता है।

बादल—

बादल आसमान में बनता है।
बादल के बनने से वर्षा होती है।
बादल सफेद-भूरे रंग के होते हैं।
पृथ्वी का पानी गर्मी से भाप बनकर धूल के कण के साथ बादल बन जाता है।

यह भी समझें

मौसम वातावरण में रोजाना होने वाले बदलाव को कहते हैं। मौसम तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बन्धित होता है। मौसम जलवायु पर आधारित होते हैं। इस प्रकार हम इन्हें-सर्दी, गर्मी व बरसात में बाँट सकते हैं। जब बरसात होती है तब आसमान में बादल छा जाते हैं जिसमें तारे, चाँद, सूरज सब छिप जाते हैं।

पाठ—18

चीनू आया धरती पर

बातचीत के लिए

1. चीनू ने यान से उतरकर यह देखा कि चाँद की रोशनी से धरती पर चारों ओर उजाला हो रहा है।

2. चीनू को नई-नई चीज़ें एकत्रित करने का बेहद शौक था।

3. बढ़ई ने चीनू को लकड़ी की छोटी गाड़ी दी।

लिखकर बताइए

1. (क) धरती पर आकर एक यान रुका।

(ख) धोबी ने चीनू को एक साबुन दिया।

(ग) चीनू ने बीज किसान से लिए थे।

(घ) किसान खेत में बीज बो रहा था।

1. (क) मछली (ख) किसान (ग) चीनू

शब्दों का खेल

1. (क) मछुआरा (ख) किसान (ग) बढ़ई

2. लाल **गुलाब** हरा **पेड़** ठंडी **हवा**

3. दूर-दूर जोर-जोर
भर-भर बातों-बातों

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें।

यह भी समझें

यदि समाज में बढ़ई नहीं होगा तो हमें अपने घर के लिए किवाड़, अलमारी व फर्नीचर नहीं मिल पायेगा। यदि किसान नहीं होगा तो हमें भोजन के लिए अन्न प्राप्त नहीं होगा। यदि दर्जी नहीं होगा तो हमें तरह-तरह के कपड़े पहनने के लिए नहीं मिल पायेंगे, जैसे-पेंट, शर्ट, कुर्ता, फ्रॉक, सूट आदि। यदि डॉक्टर नहीं होगा तो किसी बीमारी में हमारा इलाज नहीं हो पायेगा। अत: समाज में प्रत्येक का अपने-अपने स्थान पर अपना-अपना महत्त्व है।

जाँच प्रश्न पत्र—1

लिखकर बताइए

1. घर को माँ की गोदी-सा इसलिए कहा गया है क्योंकि घर में अपनापन और ममता मिलती है। जब हम खेल-कूदकर थक जाते हैं तब हमें यहाँ बड़े सुख की नींद आती है।

2. चींटी ने बाजार से चावल, चीनी, तेल और पानी मँगवाया।

3. हिरनी रोज सवेरे पेड़ों के नीचे चरती है।

4. कौए ने घड़े से पानी पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल किया।

शब्दों का खेल

1. (क) मैं उन्हें बब्बा बुलाती हूँ।
(ख) हम समुद्र तट पर जाते हैं।

2. 'ती' अक्षर से समाप्त होने वाले चार शब्द लिखिए।

गाती	खाती
बुलाती	चरती

करके देखिए

शिशिर (सर्दी) वर्षा ग्रीष्म (गर्मी)

जाँच प्रश्न पत्र—2

लिखकर बताइए

1. सुबह सूरज लाल रंग बिखराता है।

2. रंगों ने जादूगर से यह वादा किया कि वे एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ेंगे।

3. पेड़ की छाया दूर-दूर तक फैल गई।

4. ताल-तलैया को बारिश का पानी भर देता है।

शब्दों का खेल

1. बादल कोयल
मेढक गाय

2. (क) मछुआरा
(ख) किसान
(ग) बढ़ई

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

❑❑

हिन्दी - 3

पाठ—1
माँ

बातचीत के लिए

1. प्यार से सुबह मेरी माँ जगाती है।

2. बच्चे को रोना पापा के गुस्सा करने पर आता है।

3. माँ बच्चे की टीचर व दोस्त भी होती है।

लिखकर बताइए

1. (क) बच्चे को अपनी माँ इसलिए प्यारी लगती है क्योंकि वो उसे सुबह प्यार से जगाकर मीठा दूध पिलाती है। सुन्दर कपड़े पहनाकर स्कूल छोड़कर आती है। अपने हाथ से खाना खिलाती है, उसके साथ खेलती है। उसे मीठी-मीठी लोरी सुनाकर दुलार करती है और पापा के गुस्से से उसे बचाती है।

(ख) 1. बच्चे को प्यार से सुबह जगाना।
2. बच्चे को मीठा दूध पिलाना।
3. बच्चे को सुन्दर कपड़े पहनाकर स्कूल छोड़कर आना।
4. खाना बनाना।
5. अपने हाथ से बच्चे को खाना खिलाना, उसके साथ खेलना तथा उसे हाथ पकड़कर चलना सिखाना।
6. बच्चे को लोरी सिखाना आदि।

(ग) बच्चे को डाँटना तथा बन्धन में रखना अच्छा नहीं लगता क्योंकि बच्चा स्वच्छन्द रहना चाहता है तथा प्यार का भूखा होता है।

2. (क) माँ, (ख) माँ, (ग) पापा के।

3. प्यार से सुबह जगाती है, मीठा दूध पिलाती है।

शब्दों का खेल

1. माता, सही, मोहब्बत, हर दिन, जाना।

2. प्यारी, दुनिया, स्कूल, दिखना, मीठी।

गुणों की तुलना

छात्र-छात्रा स्वयं मिलान करें।

खेल-खेल में

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

मेरी माँ संसार की सबसे प्यारी माँ है। वह रोज सुबह मुझे बड़े प्यार से उठाती है। मुझे ब्रश कराती है और मेरे फ्रेश हो जाने के बाद मुझे मीठा-मीठा दूध व नाश्ता देकर मुझे स्कूल के लिए तैयार करती है। मेरा लंच बॉक्स पैक कर मुझे स्कूल के लिए बस-स्टाप पर छोड़ने जाती है। फिर हमारे लिए लंच तैयार करती है, घर की साफ-सफाई करती है, हमारे कपड़े धोती है। जब मैं स्कूल से आता हूँ तो मेरे कपड़े बदलकर मुझे खाना देती है और आराम कराती है। शाम को मेरे गृहकार्य में सहयोग करती है और फिर रात का खाना बनाती है और मुझे खाना खिलाकर सुला देती है।

पाठ—2
राजा का चुनाव

बातचीत के लिए

1. तोंबी मणिपुर के राजा-रानी की पुत्री थी।

2. राजा की चार संतानें थीं।

3. तोंबा ने पेड़ को जड़ से उखाड़ दिया।

4. राजा ने तोंबी को भावी राजा चुना।

लिखकर बताइए

1. (क) जाउबा पेड़ को भेदकर घोड़े सहित उसके अंदर से निकल गया।

(ख) राजा के तीन पुत्र थे।

(ग) राजा ने अपने पुत्रों को बुलाकर कहा कि तुम तीनों अच्छे घुड़सवार हो। तुम सब कुछ ऐसे करतब दिखाओ जिससे हम तुम में से किसी एक को भावी राजा चुन सकें।

(घ) जाइमा ने अपने घोड़े के साथ ऐसी छलाँग लगाई कि वे उस विशाल वृक्ष के ऊपर से निकलता हुआ दूसरी ओर पहुँच गया।

(ड.) पेड़ को उखाड़ने का काम तोंबा ने किया।

2. (क) तोंबी

(ख) उनकी प्रजा खुश रहे

3. (क) (✓)

(ख) (✗)

शब्दों का खेल

1. (क) नृप (ख) बेटी
(ग) अश्व (घ) खग

2. (क) प्रणाम (ख) विशाल
(ग) उखाड़ा (घ) घोड़ा

3. (क) तरफ (ख) समाप्त
(ग) दूसरा (घ) अन्तिम

मेरी कहानी

छात्र-छात्रा स्वयं लिखें; जैसे—

राजा का चुनाव

एक राजा था। उसके तीन पुत्र थे। राजा बूढ़ा हो रहा था। उसे अपने राज्य के लिए अपने पुत्रों में से बुद्धिमान राजा का चुनाव करना था। अत: उसने अपने पुत्रों की परीक्षा लेने की सोची। उसने अपने तीनों पुत्रों को बुलाया और तीनों को पचास-पचास रुपये देकर कहा कि तुम लोग इन पचास रुपयों से ऐसी वस्तु खरीदकर लाओ जिससे तुम्हारा कमरा भर जाये। तीनों पुत्र पचास-पचास रुपये लेकर चले गये। बड़े पुत्र ने पचास रुपये की रुई खरीदी क्योंकि उसने सोचा कि रुई हल्की होती है बहुत सारी आयेगी परन्तु पचास रुपये की उस रुई से उसका आधा कमरा भी नहीं भरा। बीच के पुत्र ने भूसा की गाड़ियाँ खरीद लीं पर वह भी अपना कमरा आधे से ज्यादा नहीं भर पाया। छोटे पुत्र ने बुद्धि से काम लिया उसने चार दीपक खरीदकर अपने कमरे में चार स्थानों पर रख दिये जिससे उसका कमरा बिलकुल खाली दिखाई दे रहा था। उसने अपने कमरे के सारे परदे लगाकर बिलकुल अँधेरा कर दिया। शाम को जब राजा ने पूछा तो वे तीनों राजा को अपना कमरा दिखाने ले गये। राजा सबसे पहले बड़े पुत्र के कमरे में गये वहाँ आधे कमरे में रुई देखी फिर बीच के पुत्र के कमरे में गये वहाँ उन्होंने आधे कमरे में भूसा रखा देखा। अब वे छोटे पुत्र के कमरे में गये वहाँ अँधेरा था कुछ दिखाई नहीं दे रहा था तब राजा ने छोटे पुत्र से पूछा कि तुम्हारा कमरा तो खाली है और तुमने अँधेरा क्यों कर रखा है। इस पर छोटे पुत्र ने कमरे में रखे चारों दीपक जलाकर कहा कि पिताजी मैं ये लाया हूँ। इन दीपकों के प्रकाश से मेरा पूरा कमरा भर गया है। राजा ने अपने छोटे पुत्र को गले लगा लिया और अपने राज्य के लिए भावी राजा चुन लिया। इस प्रकार छोटे पुत्र ने बुद्धि के बल पर असंभव कार्य को भी संभव कर दिया।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें, जैसे—

जगदीशचंद्र बसु

ये भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। उन्हें भौतिकी, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्त्व का अच्छा ज्ञान था। ये पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। इनका जन्म 30 नवम्बर 1858 को हुआ था। इनकी मृत्यु 23 नवम्बर 1937 को हुई थी। इन्हें रेडियो विज्ञान का जनक (पिता) माना जाता है।

पाठ—3
वीडियो गेम

बातचीत के लिए

1. दादा जी उदास इसलिए हो गए थे क्योंकि सात साल का चिंटू इस बार 'दादाजी-दादाजी' कहते हुए दौड़कर नहीं आया।

2. पापा ने कार का हॉर्न दादाजी के आने का संकेत देने के लिए बजाया था।

3. चिंटू मोबाइल गेम खेलने में व्यस्त होने के कारण।

4. दादाजी ने वीडियो गेम छुड़ाने के लिए चिंटू से वीडियो गेम खेलने के फायदे और नुकसान ढूँढ़कर दिखाने के लिए कहा। चिंटू ने वीडियो गेम से होने वाली हानियाँ एक कागज पर लिखकर दादाजी को दीं और दादाजी ने उसे तेज आवाज में पढ़कर सुनाया।

लिखकर बताइए

1. (क) चिंटू दादाजी के पास इसलिए नहीं आया क्योंकि वह मोबाइल गेम खेल रहा था।
(ख) खाने की टेबल पर दादाजी ने चिंटू से अपने मोबाइल पर उन्हें खेल सिखाने के लिए कहा।
(ग) चिंटू ने गेम पार्टनर दादाजी को बनाया।
(घ) पहली इंटरनेट सर्च पर चिंटू का माथा इसलिए ठनका क्योंकि उसने पढ़ा कि वीडियो गेम खेलने वाले बच्चे पढ़ाई में पिछड़ने लगते हैं, नज़र कमजोर हो जाती है, पढ़ाई में कमजोर हो जाते हैं तथा एकाग्रता भंग हो जाती है।
(ङ) वीडियो गेम खेलने के लिए दादाजी ने उसके नुकसान का प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए कहा होगा।
(च) चिंटू दादाजी के विद्यार्थियों को वीडियो गेम खेलना इसलिए नहीं सिखाना चाहता था

क्योंकि वह जान चुका था कि वीडियो गेम खेलने के फायदे कम और नुकसान बहुत ज्यादा हैं।

(छ) दादाजी ने विजयी मुसकान से माँ की ओर इसलिए देखा क्योंकि वो चिंटू को वीडियो गेम के नुकसान समझाने में और उसकी आदत में सुधार लाने का प्रयास करने में सफल हो रहे थे।

2. (क) मम्मी (ख) चिंटू (ग) शिक्षक
(घ) ऑनलाइन

शब्दों का खेल

1.

तुरंत	तत्काल
सुबह	सवेरे
तेज़	तीव्र
इशारा	संकेत
रफ्तार	गति
शाम	सायं
पहले	पूर्व
खेल	गेम

2. (क) वह (ख) उसने
(ग) उसे (ग) तुम्हारी

3.

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
(क) दादाजी	कह रहे हो
(ख) दादाजी, प्रिंसिपल, पद	रिटायर होना
(ग) पापा, चिंटू	आवाज लगाई
(घ) चिंटू, माँ	मुस्कराने लगी

4. (क) चिंटू वीडियो गेम खेलता था।
(ख) पापा ने चिंटू को क्यों बुलाया था?
(ग) अरे वाह ! आप तो बहुत अच्छा खेलते हो।
(घ) धीरे-धीरे दादाजी खेलना सीख गए।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं पोस्टर बनाएँ।
जैसे—"मोबाइल की आदत,
बच्चों के लिए आफत।"

यह भी समझें

दादाजी ने चिंटू को वीडियो गेम खेलने के लिए सीधे-सीधे मना इसलिए नहीं किया क्योंकि वो प्रिंसिपल के पद से रिटायर हुए थे और बाल-मनोविज्ञान को अच्छी तरफ समझते थे। वे जानते थे कि अनुभव द्वारा ही स्थायी सीख दी जा सकती है। इसलिए उन्होंने चिंटू के साथ दोस्त बनकर तथा वीडियो गेम खेलकर उसे उसके नुकसान का अनुभव कराया। मैं यदि चिंटू की जगह होता/होती तो बिलकुल वैसा ही करता/करती जैसा चिंटू ने किया था।

पाठ—4
प्रसन्नता की कुंजी

बातचीत के लिए

1. रोहन मच्छरों से छुटकारा पाना चाहता था।
2. रोहन को चैन की नींद कमरे की सफाई करने पर आ गई।
3. मच्छर रुके हुए गन्दे पानी में पैदा होते हैं।
4. रोहन के कमरे की सफाई में उसकी माँ ने मदद की।

लिखकर बताइए

1. (क) मैं अपने कमरे में खिलौने और पुस्तकें साफ-सुथरी करके एक अलमारी में रखता हूँ।

(ख) मच्छरों को भगाने के लिए मैं अपने कमरे को साफ-सुथरा रखता हूँ। उसमें पानी इकट्ठा नहीं होने देता। खिड़की व दरवाजे खोल कर कमरे में सूर्य का प्रकाश आने देता हूँ। पाठ में जो युक्ति बताई गई है उसे मैं पूरी तरह से सहमत हूँ।

(ग) मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया आदि बीमारियाँ हो जाती हैं।

(घ) मच्छर रुके हुए गन्दे पानी में तथा सीलन भरे अँधेरे कमरे में उत्पन्न हो सकते हैं। इनकी रोकथाम के उपाय हैं—गन्दे पानी को इकट्ठा न होने दें। घर-कमरे की साफ-सफाई रखें तथा सूर्य की रोशनी को घर-कमरे में आने दें। अधिक आवश्यकता होने पर मच्छर भगाने के लिए एक बोतल पानी में एक चम्मच कॉफी मिलाकर स्प्रे करें।

2. (क) भगवान को (ख) मच्छर (ग) मच्छरों से

शब्दो का खेल

1.

दोस्ती	अपनापन
सफेदी	मिठाई
कमजोरी	लंबाई
खट्टी	वीरता

2. (क) पढ़ाई (ख) ऊँचाई (ग) सुन्दरता

(घ) ईमानदारी, (ङ) गंदगी, (च) वीरता

आओ कुछ करके देखें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पाठ से आगे

देर तक सोते रहना	(✗)
बड़ों को प्रणाम करना	(✓)
दंत मंजन करना	(✓)
व्यायाम करना	(✓)
समय पर तैयार न होना	(✗)

यह भी समझें

स्वच्छता जीवन के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि स्वच्छता ही प्रसन्नता व स्वास्थ्य की कुंजी है। स्वच्छता का अर्थ है—सफाई से रहने की आदत। सफाई से रहने से जहाँ हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। स्वच्छता के अभाव में कई प्रकार की बीमारियाँ फैलती हैं। स्वच्छता के अभाव में खाद्य पदार्थ भी दूषित हो जाते हैं।

पाठ—5

फूल हमेशा मुसकाता

बातचीत के लिए

1. जब फूल डाली पर होता है तब उसका व्यवहार अच्छा होता है। वह मुस्कराता है।

2. जब फूल टपककर धूल में मिल जाता है तब उसका व्यवहार अच्छा होता है। वह मुस्कराता रहता है।

3. इस कविता के रचनाकर सोहनलाल द्विवेदी हैं।

4. यह कविता फूल के व्यवहार के बारे में है।

लिखकर बताइए

1. (क) फूल सबको इसलिए भाता है क्योंकि वह मुस्कराता रहता है।

(ख) 'फूल' से मिलते-जुलते तुक वाले दो शब्द हैं— 1. भूल तथा 2. धूल।

(ग) फूल डाली पर खिलते हैं।

(घ) फूल हमें हर परिस्थिति में एक समान रहने का संदेश देते हैं।

2. (क) मतवाली (ख) मुसकाता रहता है

3. रोना, फूल, सबको, मुसकाता

शब्दों का खेल

1. (क) समझकर

(ख) सहनकर

(ग) मिलकर

(घ) रहकर

2. (क) <u>लाल</u> फूल (ख) <u>दुखी</u> व्यक्ति

(ग) <u>नुकीले</u> काँटे (घ) <u>हरे</u> पत्ते

करके देखो

(क) 1. गुलाब 2. गुलमोहर 3. गेंदा 4. हरसिंगार/पारिजात 5. चंपा।

(ख) 1. आम 2. अमरूद 3. पपीता 4. संतरा 5. सेब

यह भी समझें

प्रसन्न रहने के यह लाभ हैं कि हमारी स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा मिलता है, हमारी इम्यूनिटी बढ़ती है, हमारी अच्छी सेहत होती है तथा शरीर और मस्तिष्क को आराम मिलता है। प्रसन्न रहने के लिए सबसे पहले हमें अपनी तुलना किसी दूसरे के साथ नहीं करनी चाहिए। कम से कम 15 मिनट नंगे पैर टहलना चाहिए। अपने पास जो है उससे संतुष्ट रहना चाहिए। ध्यान और प्राणायाम करना चाहिए। सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

पाठ—6

मामा ने दिखाया मेला

बातचीत के लिए

1. क्योंकि गाँव में मेला लगा था।

2. 'मेला' शब्द बच्चों के लिए रोमांच भरा और जिज्ञासा वाला इसलिए था क्योंकि उन्होंने कभी मेला देखा नहीं था।

3. बच्चों को मेले में मामा जी का व्यवहार अच्छा नहीं लगा क्योंकि वे पैसा बचाने के लिए हर चीज में कोई न कोई कमी निकाल रहे थे।

4. बच्चों ने मेले में दुकानें, तमाशे, झूले, रंग-बिरंगे कपड़े पहने बेशुमार आदमी, औरतें और बच्चे देखे।

लिखकर बताइए

1. (क) मामाजी ने मेले में न जाने का यह बहाना बनाया कि—"मैं तो बहुत थक गया हूँ। मुझसे तो अब चला नहीं जाएगा।"

(ख) मामा जी ने बाहर का खाना खाने के नुकसान बताए कि बाहर का खाना खाने से दस्त, हैज़ा, खाँसी, बुखार आदि बीमारियाँ हो जाती हैं।

(ग) खाना खाने के बाद बच्चे सरकस देखने, झूला झूलने तथा मिनी रेल पर घूमने जाना चाहते थे।

(घ) बच्चे खिलौने मामा जी के मोलभाव करने के कारण नहीं खरीद सके।

2. (क) एक सौ तीस रुपये (ख) गाँव में

(ग) मामाजी के

3. (क) रौद्र (ख) पेट

(ग) जिज्ञासा (घ) खलनायक

शब्दों का खेल

1. ज्ञान = जानकारी जमीन = धरती

छवि = शोभा आसमान = आकाश

हेमंत = ठंड साल = वर्ष

2. (क) सविता और हेमंत तो कपड़े पकड़कर खींचने लगे।

नाम वाले शब्द (संज्ञा)	काम वाले शब्द (क्रिया)
(क) गाँव, मेला	लगा था
(ख) सविता, हेमंत, कपड़े	पकड़कर खींचने लगे

3. बच्चों ने मेले में खिलौने न खरीदकर समझदारी दिखाई।

मेले में एक दाम वाली दुकान थी।

हमें मेला देखने की जिज्ञासा थी।

बंजर ज़मीन में फसल पैदा नहीं होती।

यह भी समझें

इसका उत्तर छात्र-छात्रा स्वयं दें, 'न' होने पर कुछ नहीं लिखना और 'हाँ' इस तरह लिखा जा सकता है–

हाँ एक बार मैं अपने चाचाजी के साथ अपने गाँव में लगने वाला दशहरा का मेला देखने गया था/गयी थी। वहाँ मैंने देखा कि मैदान में रावण का बड़ा-सा पुतला खड़ा था। चारों तरफ तरह-तरह के खाने-पीने की तथा खेल-खिलौनों की दुकानें सजी हुई थीं। वहाँ मुझे राम-लक्ष्मण के साथ बंदर सेना तथा रावण की सेना की उछलकूद देखकर बहुत अच्छा लगा परन्तु इतनी भीड़-भाड़ और शोर-शराबे में उनके संवाद सुनाई नहीं दे रहे थे, जो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। अचानक राम जी तीर चलाते हैं और धू-धू करके रावण जलने लगता है। इस प्रकार मेला समाप्त होता है और मैं अपने चाचाजी के साथ चाट-पकौड़ी खाकर तथा खिलौने लेकर घर वापस आ गया/गयी।

पाठ—7

बिल्ली और बंदर

बातचीत के लिए

1. रोटी की महक सबसे पहले सफेद बिल्ली को आई।

2. सफेद बिल्ली रोटी पर हक इसलिए जता रही थी क्योंकि उसने वह रोटी दिखाई थी।

3. बंदर ने दोनों का फैसला कचहरी में करने को कहा।

4. कचहरी में फैसले के लिए बंदर के हाथ में एक तराजू था।

लिखकर बताइए

1. (क) दोनों बिल्लियाँ झगड़ा रोटी के लिए कर रही थीं।

(ख) बंदर ने रोटी को लेकर हुए झगड़े का फैसला एक-एक टुकड़ा करके पूरी रोटी स्वयं खाकर किया।

(ग) रोटी का बंदर ने यह किया कि आधी-आधी करके बाँट देने के फैसले के नाम पर एक-एक टुकड़ा करके पूरी रोटी वह स्वयं खा गया।

(घ) दोनों बिल्लियों को आपसी झगड़े के बाद कुछ भी नहीं मिला।

2. (क) अच्छा (ख) दोनों भूखी थीं

(ग) डरपोक (घ) कोई तीसरा

3. (क) 2 (ख) 4 (ग) 3 (घ) 1

शब्दों का खेल

1. बिल्लियाँ, पूँछ, म्याऊँ, मंच

2. बिल्ली पालने से चूहे भाग जाते हैं।

मथुरा में बहुत बंदर हैं।

कचहरी में मुकदमे चलते हैं।

माँ ने बाजरे की रोटी बनाई है।

3. (क) रोटी (ख) रोटी की

(ग) पलड़ों में (घ) रोटी

आओ करके देखें

(क) मिजारू बन्दर—इसने दोनों हाथों से अपनी आँखें बंद कर रखी हैं। यह बुरा न देखने की सीख देता है।

(ख) किकाजारू बंदर—इसने दोनों हाथों से अपने कान बंद कर रखे हैं। यह बुरा न सुनने की सीख देता है।

(ग) इवाजारू बंदर—इसने दोनों हाथों से अपना मुँह बंद कर रखा है। यह बुरा न बोलने की सीख देता है।

यह भी समझें

बिल्लियों ने जो किया, वह मेरी दृष्टि में अनुचित था। यदि बिल्ली के स्थान पर मैं होता/होती, तो मैं आपस में झगड़ा नहीं करता/करती बल्कि मिल-बाँटकर अपने आप समाधान कर लेता/लेती।

पाठ—8

तेनालीराम की चतुराई

बातचीत के लिए

1. विजय नगर के राजा का नाम कृष्णदेव राय था।

2. दोनों पिता-पुत्र बाग में घूम रहे थे।

3. तेनालीराम ने चोरों को सुनाते हुए यह कहा कि पुत्र आजकल चोर बहुत हो गये हैं। ऐसा करते हैं कि सोने-चाँदी से भरा अपना संदूक कुएँ में फेंक देते हैं। इतना धन घर में रखना ठीक नहीं। चलो, जल्दी करो। संदूक लाकर कुएँ में फेंक दें।

4. तेनालीराम पुत्र के साथ सारे दिन के अपने अनुभवों में से कुछ-कुछ बाँटता था।

5. चोर के होश संदूक में कंकड़-पत्थर भरे देखकर उड़ गए।

लिखकर बताइए

1. (क) तेनालीराम विजय नगर में रहते थे।

(ख) उनका बाग भीषण गर्मी में पानी न दिये जाने के कारण सूख रहा था।

(ग) तेनालीराम पुत्र के साथ बाग में घूमते-घूमते उस जगह के पास पहुँच गए, जहाँ तीन चोर छिपकर खड़े थे।

(घ) तेनालीराम ने अपनी चतुराई बिना पैसे खर्च किए सारे बाग में सिंचाई करवाकर दिखाई।

2. (क) पुत्र से (ख) तीन चोर

(ग) तेनालीराम ने

(घ) संदूक निकालने के लिए

3. (क) तेनालीराम ने (ख) पुत्र ने

(ग) दूसरे चोर ने (घ) तीसरे चोर ने

शब्दों का खेल

1. बाग- बगीचा, उपवन। सोना - स्वर्ण, कनक।
मजदूर- श्रमिक, सेवक चाँदी - रजत, रूपा।
पुत्र - बेटा, तनुज। पानी - जल, नीर।

2. चतुर - चालाक मूर्ख - विद्वान
हँसना - रोना सेवक - स्वामी
रात - दिन गरमी - सरदी
नीचे - ऊपर

3. चतुर + आई = चतुराई गहरा + आई + गहराई
पढ़ + आई = पढ़ाई ऊँचा + आई = ऊँचाई
लिख + आई = लिखाई चौड़ा = आई = चौड़ाई

4. पुत्र - पुत्री नानी - नाना
चोर - चोरनी दादी - दादा
बेटा - बेटी मोरनी - मोर

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें।

यह भी समझें

चोरों ने यह इसलिए कहा होगा क्योंकि वे कुएँ को खाली करने में थककर चूर हो गये थे और उनके हाथ कुछ नहीं लगा था। उन्हें यह भी डर था कि यदि तेनालीराम ने उन्हें इस सन्दूक के साथ देख लिया और लोगों को बता दिया तो उनकी पिटाई भी हो सकती है।

पाठ—9

साफ रहो जी, साफ रहो

बातचीत के लिए

1. साफ-सफाई करना मुझे बहुत ही अच्छा लगता है।

2. हाँ, मैं प्रत्येक रविवार को अपने कमरे और घर की साफ-सफाई में सहयोग करता हूँ।

3. साफ-सफाई का स्वयं संकल्प लेकर अपने आसपास स्वच्छता रख सकते हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) कविता में स्वच्छता को सेवा माना गया है।

(ख) गंदगी होते ही उसे हाथ बढ़ाकर साफ कर देना चाहिए।

(ग) घर-आँगन साफ रखने के लिए कहा गया है।

2. (क) गंदा (ख) साफ

(ग) सेवा

शब्दों का खेल

1. माफ, लिहाफ, गिलाफ, सराफ

2. कचरा, कमरा, कहना

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं भरें।

यह भी समझें

अपने क्लास रूम को स्वच्छ रखने के लिए मैं सबसे पहले कक्षा में एक डस्टबिन रखूँगा और साथी छात्र-छात्राओं से कक्षा में गन्दगी न फैलाने के लिए कहूँगा। रैपर, पेंसिल की छीलन, कागज आदि डस्टबिन में डालूँगा और साथी छात्र-छात्राओं से भी निवेदन करूँगा। डस्टर साफ करके रखूँगा तथा चॉक के टुकड़े एक बॉक्स में सम्हाल कर रखूँगा।

पाठ—10
आया वसंत

बातचीत के लिए

1. वसंत आने पर संसार सुंदर बन जाता है।
2. वनों में हरियाली छा जाती है।
3. कोकिला कूहू तान छेड़ती है।
4. पवन सुगंध लेकर बहती है।
5. वसंत ऋतु के आने पर प्रकृति में यह बदलाव नजर आता है कि खेतों में सरसों फूल उठी है। आम के पेड़ों पर बौरें आ गई हैं, बेल फूलों से लद गयी है, पतझड़ समाप्त हो गया है और चारों ओर हरियाली छा गयी है।
6. मुझे वसन्त ऋतु सबसे अधिक पसंद है।

लिखकर बताइए

1. (क) वसंत के आने पर आम के पेड़ पर बौर आया।
   (ख) हवा सुगंध लेकर बह रही है।
   (ग) कोयल कूहू तान छेड़ रही है।
   (घ) कवि वसंत ऋतु से प्राप्त होने वाले सुख का अंत नहीं चाहता।
2. (क) वसंत (ख) सरसों
   (ग) पतझड़ (घ) सुन्दर

शब्दों का खेल

1. लेकर सुगंध **बह रही पवन**,
   हरियाली छाई है वन-वन,
   सुंदर लगता है **घर-आँगन,**
   है आज मधुर **सब दिग-दिगंत,**
   आया **वसंत आया** वसंत।

2. फूल - पुष्प	मधुर - प्यारा
अंत - समापन	कोकिला - कोयल
पवन - हवा	वन - जंगल
3. आना - जाना	नया - पुराना
सुंदर - कुरूप	शोभा - अशोभा
सुखी - दुखी	सुगंध - दुर्गंध
4. वसंत - अनंत, दिगंत	गान - तान, प्राण
फूल - झूल	वन - पवन, आँगन
रही - उठी	सब - अब
5. फूल	सुगंधित
सरसों	पीली
पवन	ठंडी
भौंरा	काला
वन	घना

चित्रकारी

छात्र-छात्रा स्वयं बनाएँ।

यह भी समझें

कड़ाके की सर्दी के बाद जब तापमान बढ़ने से मौसम सुखद हो जाता है और पक्षी चहचहाने लगते हैं। चारों ओर फूल खिलने लगते हैं और पेड़-पौधों पर नये-नये पत्ते आने लगते हैं तब हमें समझ जाना-चाहिए कि वसंत का मौसम आ गया है या आने वाला है।

पाठ—11
मेरा गुणकारी गुड़हल

बातचीत के लिए

1. स्कूल जाने से पहले स्नेहा बगीचे में गई।
2. गुड़हल के पेड़ ने यह कहा कि पर ये सब पढ़ने से क्या फायदा होता है।
3. गुलाब के फूल ने कहा—"ठहरो मुझे मत तोड़ो"
4. स्नेहा गुलाब के फूल की खुशबू सूँघकर खुश हो गई।
5. पेड़-पौधे वायुमंडल को स्वच्छ बनाते हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) स्नेहा ने क्यारी में गुलाब के सुन्दर-सुन्दर फूलों को देखा।
   (ख) स्नेहा गुलाब के फूल को इसलिए तोड़ना चाहती थी क्योंकि उसे कक्षा में फूल की संरचना पढ़ने के लिए अध्यापिका ने एक फूल लाने के लिए कहा था और उसे गुलाब का फूल बहुत अच्छा लग रहा था।
   (ग) स्नेहा को गुलाब के फूल की यह बात ठीक लगी कि हमें जीते-जी मारने से क्या फायदा

जबकि हम स्वयं कुछ दिनों में झड़कर नीचे गिर जायेंगे और तुम हमारी पंखुड़ियों को इकट्ठा करके गुलकंद, इत्र या गुलाब जल बना सकती हो।

(घ) अध्यापिका ने फूल की संरचना के विषय में पढ़ाने के साथ-साथ दिखाने के लिए सब बच्चों को एक-एक फूल लाने के लिए कहा था।

(ङ) गुड़हल के पेड़ को स्नेहा पर इसलिए दया आ गई क्योंकि वह फूलों की संरचना के विषय में भली-भाँति जानकर उनकी भलाई के लिए नये-नये प्रयोग करके फूलों के जीवन को बेहतर बनाना चाहती है।

2. (क) फूल (ख)सदाबहार (ग) फूल की

शब्दों का खेल

1. प्रशंसा - निंदा पास - दूर
खुशबू - बदबू जीवन - मरण
फायदा - नुकसान उदास- प्रसन्न

2. इठला + कर = इठलाकर पढ़ + कर = पढ़कर
सूँघ + कर = सूँघकर सुन + कर = सुनकर
छोड़ + कर = छोड़कर दौड़ + कर = दौड़कर
सोच + कर = सोचकर तोड़ + कर = तोड़कर

3. (क) स्नानघर (ख) सेवक
(ग) अध्यापिका (घ) माली

सोचिए और लिखिए

- 1. पूजा में चढ़ाने में, 2. माला बनाने में, 3. सजावट में, 4. अर्क/इत्र बनाने में, 5. उपहार में देने में।
- गुलाब, गुड़हल, गेंदा, सूरजमुखी।

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी जानें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

पाठ—12
समझदार कैटी

बातचीत के लिए

1. कैटी एक कौवी थी तथा उसका स्वभाव नटखट था।

2. सुन्दरवन में अकाल होने पर वहाँ के पशु-पक्षी पानी के लिए इंसानों की बस्ती में गए थे।

3. हमें पानी की बचत सूखा और जल-संकट से बचने के लिए करनी चाहिए।

4. बच्चे द्वारा पानी की टोंटी को खुला छोड़ देना उसकी पानी की कीमत न समझने की मानसिकता को दर्शाता है।

लिखकर बताइए

1. (क) कैटी की विज्ञान की अध्यापिका रीवा ने पानी के विषय में यह बताया कि गरमी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है।

(ख) कैटी ने शहर में जाकर इंसानों को पानी बचाने की सीख दी जिससे सब उसकी प्रशंसा करने लगे।

(ग) टीवी पर सुबह से बस एक ही खबर दिखाई जा रही है कि कौए ने इंसानों को पानी बचाने की सीख दी।

2. (क) सुंदरवन (ख) दिल्ली

शब्दों का खेल

1. अध्यापक कौआ

2. (क) बंदर (ख) मोरनी (ग) दादा
(घ) धोबिन

3. (क) वह लड़का नटखट है।
(ख) गीता अपने माता-पिता की लाड़ली है।
(ग) अध्यापिका ने पानी का महत्त्व बताया।

चित्रकारी और लेखन

छात्र-छात्रा स्वयं बनाएँ; जैसे—

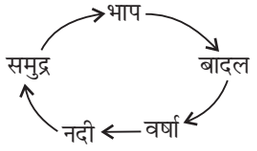

यह भी समझें

कैटी ने नल बंद करके इंसानों को पानी बचाने की सीख दी। पानी धरती पर जीवन के लिए अनिवार्य है। हमारे लिए पानी की एक-एक बूँद कीमती है जिसे हमें व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए। आज संसार में पीने के पानी की कमी है।

पाठ—13
मेघा और बादल

बातचीत के लिए

1. बादल ने मौसी हवा को कहा है।

2. बादल का दादा सूरज है।

3. नन्ही मेघा गड़-गड़-गड़ ..... की आवाज सुनकर डर गई।
4. बादल ने स्वयं को मेघा का भाई इसलिए कहा क्योंकि दोनों के नाम का एक ही अर्थ है।
5. मुझे बारिश का मौसम अच्छा लगता है क्योंकि बारिश के मौसम में गर्मी से राहत मिलती है और वातावरण ठंडा हो जाता है। सूखी धरती नम हो जाती है जिससे नयी फसल पैदा होती है।

लिखकर बताइए

1. (क) मेघा ने खिड़की की मुंडेर से बादल के एक टुकड़े को लटकते देखा।
   (ख) हवा के सहारे उड़ता हुआ बादल जब पहाड़ के ऊपर जाता है तब वहाँ की ठंडक से उसके भाप की छोटी-छोटी बूँदें एक-दूसरे से लगकर बड़ी-बड़ी बूँदें बन जाती हैं जिन्हें हवा नहीं सम्हाल पाती है। ये बूँदें पानी के रूप में बरसती हैं। इस प्रकार बादल पानी बनकर बरसता है।
   (ग) यदि मनुष्य जल संरक्षण के प्रति नहीं चेता तो कुछ भी नहीं बचेगा, यहाँ तक कि जीवन भी समाप्त हो सकता है।
2. (क) बादल (ख) भाप

शब्दों का खेल

छात्र-छात्रा स्वयं पढ़ें।

1. (क) तुम (ख) मैं (ग) उसने (घ) हमें
2. (क) मेघ, जलद (ख) सूर्य, रवि
   (ग) सागर, जलधि (घ) पहाड़, गिरि
3. (क) नल में पानी आ रहा है।
   (ख) सूरज पूरब दिशा में निकलता है।
   (ग) आकाश में बादल छा रहे हैं।
   (घ) आकाश में पक्षी उड़ते हैं।
4. (क) बादल (ख) सूरज
   (ग) मनुष्य (घ) प्रदूषित
   (ङ) संरक्षण (च) बारिश

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं बनाएँ।

बूझो पहेली

1. मटर
2. महाराष्ट्र / मध्यप्रदेश / मणिपुर
3. मगर / मछली
4. मरघट

यह भी समझें

मनुष्य नल को खुला छोड़कर, फर्श चमकाने में, गाड़ी धोने और गैर-जरूरी कार्यों में जल को निर्ममतापूर्वक बहाकर व्यर्थ करता है। जल संरक्षण के लिए मैं नल खुला नहीं छोड़ूँगा/छोड़ूँगी। टपकता नल ठीक करवाऊँगा/करवाऊँगी। कपड़े धोने के बाद बचे हुए पानी का उपयोग पोंछा लगाने में करूँगा/करूँगी। बर्तन धोते समय, ब्रश करते समय लगातार नल नहीं चलाऊँगा/चलाऊँगी। वर्षा का जल संग्रह करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। इन सारे उपायों से मैं जल का संरक्षण करूँगा/करूँगी।

पाठ—14

अपना देश

बातचीत के लिए

1. हमारे देश को सभी सुखों की खान बताया गया है।
2. सब लोगों की आन समान बताई गई है।
3. हमारा देश मरुस्थल में मंगल वाला लगता है।

लिखकर बताइए

1. (क) हमारे देश को सभी सुखों की खान इसलिए बताया गया है क्योंकि हमारे देश में पर्वत, मैदान, खेत-खलिहान, बाग-बगीचे, जंगल और कल्याणकारी मरुस्थल हैं।
   (ख) हमारे देश की धरती सभी सुखों की खान है।
   (ग) भारत की पहचान हिल-मिल कर आगे बढ़ने, अपनी मंजिल गढ़ने, श्रम-साहस-बलिदान और प्रेम के पाठ पढ़ाने वाले के रूप में बतायी गयी है।
   (घ) हमारे देश की विशेषताएँ यह हैं कि यहाँ पर्वत, मैदान, खेत-खलिहान, बाग-बगीचे, जंगल, कल्याण करने वाला मरुस्थल आदि सभी सुखों की खान है। हमारे देश में सभी धर्मों के धर्मस्थल हैं, बड़े-बड़े आलीशान किले हैं, सीधे-सादे गाँव हैं तो लम्बे-चौड़े शहर हम सब की शान हैं। यहाँ सबके अपने-अपने अलग-अलग पहनावे हैं, रंग-ढंग हैं, आस्था-विश्वास है, भाषा-बोली, रीति-रिवाज हैं परन्तु सबकी आन एक समान है। एकता, श्रम-साहस, बलिदान, प्रेम की शिक्षा देना, मिलजुल कर आगे बढ़ना तथा अपनी मंजिल का निर्माण करना हमारे देश की पहचान है। इन्हीं सभी विशेषताओं के कारण अपना देश महान है।
   (ङ) भारत देश को महान इसलिए कहा गया है क्योंकि इतनी विविधता होते हुए भी यहाँ सभी प्रकार की सुख-सुविधाएँ हैं, हमारी आन, बान, शान एक हैं और हम मिल-जुलकर एक साथ प्रेम से, श्रम-साहस और बलिदान करते हुए आगे बढ़ते हैं और अपनी मंजिल का निर्माण करते हैं।

2. (क) मंदिर-मस्जिद, गिरजों वाला
(ख) गढ़-कोटों-कंगूरों वाला
(ग) सीधे-सादे गाँवों वाला
(घ) लम्बे-चौड़े शहरों वाला

शब्दों का खेल

1. छात्र-छात्रा स्वयं बोलकर लिखें।

2. (क) जंगल (ख) गाँवों (ग) बढ़ने (घ) हमेशा

3.

शब्द समूह	शब्द
पर्वत, पहाड़	गिरि
वायु, पवन	हवा
जल, नीर	पानी
पृथ्वी, भूमि	धरती
पंकज, नीरज	कमल
विटप, वृक्ष	पेड़

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें, जैसे—राजस्थान

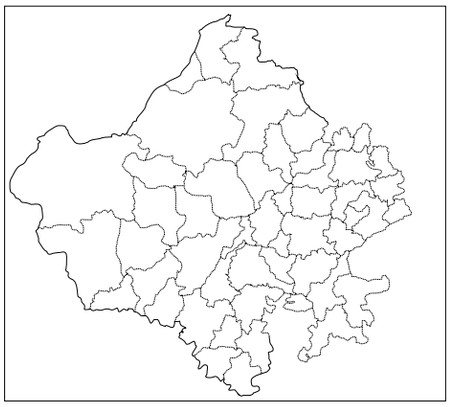

यह भी समझें

हमारी सबसे प्राचीन संस्कृति। हमारे धर्म, भाषा, वेश-भूषा, खान-पान, रहन-सहन अलग-अलग होते हुए भी हम एक हैं। हमारे यहाँ नदी, तालाब, पर्वत, मैदान, रेगिस्तान, समुद्र सभी कुछ हैं। यहाँ पर सर्दी, गर्मी, बरसात सभी का आनन्द मिलता है। इन्हीं सभी कारणों से मुझको अपना देश महान लगता है।

यह भी जानें

छात्र-छात्रा स्वयं याद करें और सुनायें जैसे—

जब जीरो दिया मेरे भारत ने
दुनिया को तब गिनती आई।
तारों की भाषा भारत ने
दुनिया को पहले सिखलाई।
देता नहीं दशमलव भारत तो,
यूँ चाँद पर जाना मुश्किल था।
धरती से और चाँद की दूरी का
अंदाज लगाना मुश्किल था।
सभ्यता जहाँ पहले आयी,
पहले जनमी है जहाँ पे कला
अपना भारत वो भारत है,
जिसके पीछे संसार चला
संसार चला और आगे बढ़ा,
यूँ आगे बढ़ा, बढ़ता ही गया।
भगवान करे ये और बढ़े,
बढ़ता ही रहे और फूले-फले।

पाठ—15

भारत मंडपम

बातचीत के लिए

1. भारत मंडपम नई दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित है।

2. भारत मंडपम 28 एकड़ के क्षेत्र पर फैला हुआ है।

3. भारत मंडपम का उद्घाटन 26 जुलाई, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया है।

4. दुनिया के दस शीर्ष सम्मेलन केन्द्रों में भारत मंडपम को सम्मिलित किया गया है।

5. जी-20 दुनिया के बीस देशों का ऐसा समूह है जो वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ एक संगठन के रूप में काम करने का लक्ष्य रखता है। इसका मुख्य उद्देश्य अल्प विकसित देशों की मदद करना है।

लिखकर बताइए

1. (क) भारत मंडपम का उपयोग अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और अन्य बड़े आयोजनों की मेजबानी के लिए किया जा सकता है।
(ख) भारत मंडपम की वास्तुकला को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें से एक है—'सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन केन्द्र' के लिए 2022 का 'विश्व सम्मेलन केन्द्र अवार्ड'।
(ग) यह केन्द्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और अन्य बड़े-बड़े आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार किया गया है।

2. (क) 2700 करोड़ (ख) 20 देशों को
(ग) 50 हजार से अधिक

शब्दों का खेल

1. दिल्ली, पुष्प, भारत, भाईचारा

2. मंडपम = म् + अ + ण् + ड् + अ + प् + अ + म् + अ
दुनिया = द् + उ + न् + इ + य् + आ

पुरस्कार = प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ
उद्घाटन = उ + द् + घ् + आ + ट् + अ + न् + अ

3. अंतरराष्ट्रीय = एक दिवसीय पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच कल है।
केन्द्र = मेरा परीक्षा केन्द्र दिल्ली में है।
उद्घाटन = आज हमारे गाँव में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र का उद्घाटन है।
सम्मेलन = हमारे विद्यालय में कल अभिभावक सम्मेलन है।

4. (क) प्रगति मैदान (ख) भारत मंडपम में
(ग) अनुभव मंडपम (घ) भारतीय

देखो और पहचानो

इण्डियागेट ताजमहल कुतुबमीनार

यह भी समझें

यदि ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित न किया जाता तो हमारी विरासत लुप्त हो जाती और हम अपने पूर्वजों की शौर्य-गाथा से प्रेरणा लेकर स्वाभिमानी जीवन न जी पाते।

पाठ—16
परीक्षा

बातचीत के लिए

1. गुरु द्रोणाचार्य के शिष्य कौरव और पाण्डव थे।
2. सबसे पहले युधिष्ठिर से निशाना लगाने के लिए कहा गया।
3. भीम से लक्ष्य के बारे में पूछने पर उसने जवाब दिया कि मुझे पके फल दिखाई दे रहे हैं, और कुछ नहीं।
4. अर्जुन को लक्ष्य के रूप में केवल चिड़िया की आँख दिखाई दी।

लिखकर बताइए

1. (क) गुरु द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों की परीक्षा एक बड़े वृक्ष के ऊपर डाल की पत्तियों में एक नकली चिड़िया टाँगकर उसकी आँख में लक्ष्य भेद करवा कर ली।
(ख) 'ध्यान रहे लक्ष्य है—आँख' इसके द्वारा गुरु द्रोणाचार्य अपने शिष्यों को एकाग्रचित्त होकर लक्ष्य भेद करना सिखाना चाहते थे।
(ग) लक्ष्य भेद अर्जुन ने चिड़िया की आँख में तीर भेद कर किया।

2. (क) पाँच (ख) धनुर्विद्या
(ग) पेड़ पर (घ) आँख

3. (क) गुरु द्रोणाचार्य ने (ख) नकुल ने
(ग) अर्जुन ने (घ) गुरुदेव ने

शब्दों का खेल

1. गुरुदेव = ग् + उ + र् + उ + द् + ए + व् + अ
द्रोणाचार्य = द् + र् + ओ + ण् + आ + च् + आ + र् + य् + अ
युधिष्ठिर = य् + उ + ध् + इ + ष् + ठ् + इ + र् + अ
अर्जुन = अ + र् + ज् + उ + न् + अ

2. परीक्षा लक्ष्य
सिर्फ धनुर्विद्या

आओ कुछ बनाएँ

1. [ध] [नु] [ष] और [बा] [ण]
2. [ती] [र] और [क] [मा] [न]
3. [बं] [दू] [क] और [गो] [ली]
4. [त] [ल] [वा] [र] और [ढा] [ल]

यह भी समझें

जो सिर्फ लक्ष्य देखता है, वही उसे भेद सकता है। गुरु द्रोणाचार्य के इस कथन में लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होने का मूल भाव छिपा है।

पाठ—17
बीरबल की बुद्धिमानी

बातचीत के लिए

1. अकबर के दरबार में फारस के राजा का एक दूत पहुँचा।
2. पिंजरे में एक आदमकद शेर की मूर्ति थी।
3. शेर को छूकर बीरबल ने देखा।
4. 'पिंजरे में तो कोई द्वार ही नहीं है', यह एक सेवक ने कहा था।

लिखकर बताइए

1. (क) फ़ारस के राजा ने अकबर ये यह गुजारिश की थी कि वह इस शेर की मूर्ति को उपहार स्वरूप स्वीकार करें तथा यह पिंजरा मुझे वापस भेज दें, बिना तोड़े।
(ख) पुतले पर धातु की परत चढ़ाई गई थी।
(ग) मोम का शेर सुलगती छड़ों का स्पर्श करने से उसकी गर्मी पाकर पिघल गया।
(घ) बीरबल ने ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने के पश्चात् गहन विचार किया और शेर को छूकर देखा और यह निर्णय लिया कि यह पुतला धातु का न होकर मोम का बना है,

धातु की तो केवल परत चढ़ाई हुई है। अत: इसे सुलगती छड़ों की गर्मी से पिघलाना होगा।

(ङ) अकबर ने प्रसन्न होकर बीरबल को बहुत सारे पुरस्कार दिये।

2. (क) मोम का
(ख) अकबर के लिए

3. (क) पिघल (ख) एक (ग) और (घ) पहेली

शब्दों का खेल

1.

सेवक	ध्यानपूर्वक
मूर्ति	पैर
पिंजरा	गुज़ारिश
निरीक्षण	पहेली

2. (क) समय – काल, वक्त, अवधि
(ख) राजा – नृप, भूप, नरेश
(ग) शेर – सिंह, केसरी, बाघ
(घ) दिन – दिवस, दिवा, वार

3.

भट्ठियाँ	छड़ें	पहेलियाँ
मूर्तियाँ	पिंजरों	छड़ों
परेशानियाँ	सेवकों	धातुओं

करके देखिए

(1)तानसेन	(5) राजा टोडरमल
(2)अबुल फजल	(6) मुल्ला दो पियाजा
(3)फैजी	(7) फकीर अजियाओ-दीन
(4)राजा मानसिंह	(8) अब्दुर रहीम खान-ए-खाना

यह भी समझें

फ़ारस के राजा द्वारा पिंजड़े में बन्द शेर की मूर्ति भेजने के पीछे मुख्य कारण अकबर के दरबारों के नवरत्नों में से एक बीरबल की बुद्धिमत्ता और हाजिर-जवाबी का परीक्षण करना रहा होगा। वो जानना चाहता होगा कि जो अकबर-बीरबल के विषय में सुन रखा है वो सही है या गलत।

जाँच प्रश्न पत्र—1

लिखकर बताइए

1. बच्चे को अपनी माँ इसलिए प्यारी लगती है क्योंकि वो उसे सुबह प्यार से जगाकर मीठा दूध पिलाती है। सुन्दर कपड़े पहनाकर स्कूल छोड़कर आती है। अपने हाथ से खाना खिलाती है, उसके साथ खेलती है। उसे मीठी-मीठी लोरी सुनाकर दुलार करती है और पापा के गुस्से से उसे बचाती है।

2. चिंटू मोबाइल गेम खेलने में व्यस्त होने के कारण दादा जी से नहीं बोला।

3. मामा जी ने मेले में न जाने का यह बहाना बनाया– "मैं तो बहुत थक गया हूँ। मुझसे तो अब चला नहीं जाएगा।"

4. घर-आँगन साफ रखने के लिए कहा गया है।

शब्दों का खेल

1. (क) प्रणाम (ख) विशाल
(ग) उखाड़ना (घ) घोड़ा

2. (क) पढ़ाई (ख) गंदगी

3. (क) कचरा (ख) कमरा (ग) कहना

करके देखिए

(क) 1. गुलाब, 2. गुलमोहर, 3. अमलतास, 4. हरसिंगार तथा 5. चंपा।

(ख) गांधी जी के तीन बंदर बुरा न देखने, बुरा न सुनने तथा बुरा न बोलने की सीख देते हैं।

पाठ से आगे

1. (क) नहीं (ख) हाँ

जाँच प्रश्न पत्र—2

लिखकर बताइए

1. तेनालीराम बाग में अपने पुत्र से बातें कर रहे थे।

2. पेड़-पौधे वायुमंडल को स्वच्छ बनाते हैं।

3. कैटी ने शहर में जाकर इंसानों को पानी बचाने की सीख दी जिससे सब उसकी प्रशंसा करने लगे।

4. हमारे देश को सभी सुखों की खान इसलिए बताया गया है क्योंकि हमारे देश में पर्वत, मैदान, खेत-खलिहान, बाग-बगीचे, जंगल और कल्याणकारी मरुस्थल हैं।

शब्दों को खेल

1.

जाना	कुरूप
अशोभा	पुराना

2. (क) मेघ, जलद (ख) सूर्य, रवि
(ग) सागर, जलधि (घ) पहाड़, गिरि

3. आज स्वच्छता अभियान का <u>उद्घाटन</u> किया गया।
कल विद्यालय में अभिभावक <u>सम्मेलन</u> है।

4.

भट्ठियाँ	पहेलियाँ
मूर्तियाँ	पिंजरे

आओ कुछ बनाएँ

1. [ध] [नु] [ष] और [बा] [ण]

2. [ती] [र] और [क] [मा] [न]

हिन्दी - 4

पाठ—1
जीवन सार

बातचीत के लिए

1. हमें सूर्योदय से पहले उठना चाहिए ।

2. सभी लोग स्वस्थ एवं प्रफुल्लित बालक से प्यार करते हैं।

3. हमें माता-पिता व गुरु को प्रतिदिन प्रणाम करना चाहिए।

4. सेवा करने से चित्त (मन) प्रफुल्लित होता है।

5. सब काम माता-पिता व गुरु के आशीष से बन जाते हैं।

6. हमें कभी खाली नहीं बैठना चाहिए।

लिखकर बताइए

1. (क) सूर्योदय से पहले जागकर घूमने तथा थोड़ा व्यायाम करने से हम अपना शरीर स्वस्थ बना सकते हैं।

(ख) जीवन में सब काम माता-पिता तथा गुरु के आशीर्वाद से बन जाते हैं।

(ग) सबसे प्रेम से बोलने वाले को जगत् सम्मान देता है।

(घ) किसी काम को करने में देरी इसलिए नहीं लगानी चाहिए क्योंकि देरी करना बुरा होता है, इससे आलस्य आ जाता है।

(ङ) हमें अपनी अधिक प्रशंसा सुनकर नहीं इतराना चाहिए।

2. (क) स्वस्थ

(ख) दोनों को (माता-पिता और गुरु को)

(ग) प्रेम से

(घ) वैरी (ङ) शरमाना

3. (क) समय (ख) प्रशंसा

(ग) आलस्य (घ) मज़ाक

4. (क) (✓) (ख) (✓)

(ग) (✗) (घ) (✓)

(ङ) (✗)

5. (क) हमें किसी से चुभती बात नहीं करनी चाहिए।

(ख) हमें सदैव प्रेमरूपी अमृत बरसाना चाहिए।

(ग) हमें दुर्बल, बूढ़े या अपंग व्यक्तियों का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए।

(घ) सबसे बडा धर्म सेवा धर्म है।

शब्दों का खेल

1. (क) ध्यानपूर्वक (ख) तेज

(ग) चुपचाप (घ) प्रतिदिन

(ड) हमेशा

2.

गुरु	–	शिक्षक	अध्यापक	आचार्य
सुधा	–	अमृत	पीयूष	सोम
मित्र	–	दोस्त	सखा	स्वजन
सूर्य	–	सूरज	रवि	दिनकर
प्यार	–	प्रेम	प्रीति	स्नेह
पिता	–	तात	पितु	जनक

2. सूर्योदय—स् + ऊ + र् + य् + ओ + द् + अ + य् +अ

आनंद—आ + न् + अ + न् + द् + अ

आशीष—आ + श् + ई + ष् + अ

सम्मान—स् + अ + म् + म् + आ + न् + अ

आलस—आ + ल् + अ + स् + अ

1. दिनांक: ..... वार: ..... समय .....

आज मैंने जीवन सार कविता पढ़ी।

इसमें मुझे सूर्योदय से पहले उठकर घूमने जाने, हल्का व्यायाम करने, आनन्द से रहने, माता-पिता व गुरु को प्रणाम करने, सबसे प्रेम से बोलने, किसी का मज़ाक न उड़ाने, सबकी सेवा करने, आलस न करने, कभी खाली न बैठने, समय का मूल्य समझने तथा अपनी प्रशंसा सुनकर कभी न इतराने की सलाह देना पसंद आया है।

2. छात्र/छात्रा स्वयं बनायें

यह भी समझें

मैं अपने मित्र की इन आदतों को सुधारने का प्रयास करूँगा । उसे इनके दुष्परिणाम बताऊँगा। अगर फिर भी नहीं समझेगा तो उसके माता-पिता के सहयोग से उसे सुधारने की कोशिश करूँगा। यदि आवश्यकता हुई तो उससे बोलचाल बन्द करने की धमकी दूँगा । अगर इन सब प्रयासों के बाद भी वह अपनी आदत नहीं बदलता तो ऐसा मित्र हानिकारक होता है, इसलिए बड़ी विनम्रता से उससे अपनी मित्रता समाप्त कर दूँगा।

पाठ—2
आँखें हैं अनमोल

बातचीत के लिए

1. रिया जब सुबह-सुबह उठी तो उसे उसकी आँखों में कुछ दर्द-सा महसूस हुआ ।

2. कक्षा अध्यापिका ने रिया से पूछा कि तुम्हारी आँखें इतनी लाल क्यों हो रही हैं? कहीं चोट तो नहीं लगी है।

3. डॉक्टर ने रिया को समझाया कि आँखों की रोशनी के लिए विटामिन 'ए' से भरपूर हरी सब्जियाँ और फल खाना अति आवश्यक है। दूसरा कभी भी टी.वी. व मोबाइल को पास से नहीं देखना चाहिए। मोबाइल का अधिक देर तक उपयोग नहीं करना चाहिए। कॉपी-किताब को लगभग 12 इंच की दूरी पर रखकर पढ़ना चाहिए। इन सब बातों का ध्यान रखने से तुम्हारी आँखें कभी खराब नहीं होंगी।

लिखकर बताइए

1. (क) रिया मैगी, चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर, चॉकलेट, समोसे, मोमोज आदि चीजें खाना पसंद करती थी और दाल-चावल, रोटी, दूध, दही, हरी सब्जियाँ, फल आदि चीजें खाने से दूर भागती थी।

(ख) डॉक्टर ने रिया को हरी सब्जियाँ, फल, दाल, दूध, दही आदि खाने की सलाह दी।

(ग) डॉक्टर के समझाने पर रिया ने यह तय किया कि वह अब बाहर की नुकसानदायक चीजें नहीं खाएगी। हरी सब्जियाँ, फल, दूध, दही आदि पौष्टिक चीजें खूब खाएगी।

2. (क) रिया की (ख) आँखें
(ग) आँखें (घ) शत्रु

3. (क) नुकसानदायक (ख) बिस्तर
(ग) आँखों (घ) धन्यवाद

4. (क) (✓) (ख) (✗)
(ग) (✗) (घ) (✓)

शब्दों का खेल

1. (क) विद्यालय (ख) अध्यापिका
(ग) अनमोल (घ) पौष्टिक

2. (क) मैं हरी सब्जियाँ खाऊँगी।
(ख) राम, लक्ष्मण और सीता अयोध्या वापस आये।
(ग) मेरी आँख में क्या गिर गया है?
(घ) अरे ! तुम्हारी आँख लाल हो रही है।

3. (क) गलती (ख) हिम्मती
(ग) अधिकारी (घ) दोषी
(ङ) शाबाशी

करके देखिए

1. सेहतमंद रहने के लिए शरीर के सभी अंगों की देखभाल व साफ-सफाई बहुत अच्छे तरीके से करनी चाहिए। इसके लिए हम सभी रोजाना नहाते हैं परन्तु रोज नहाने के बाद भी हम कुछ अंगों की साफ-सफाई पर बहुत ही कम ध्यान देते हैं। जिनकी वजह से सेहत के साथ ही सुंदरता भी बिगड़ जाती है। उनमें हाथ-पैरों का पिछला भाग घुटने और कोहनी शामिल हैं। इन अंगो को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। मुँह, जीभ और दाँतों की भी समुचित सफाई करनी चाहिए। नियमित ब्रश करनी चाहिए। खाने के बाद कुल्ला अवश्य करें। ब्रश करने के बाद जीभ को साफ करना नहीं भूलना चाहिए। हमें साबुन से नहाना चाहिए। आँख, कान और नाक की सफाई प्रतिदिन करनी चाहिए। इससे हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बच सकते हैं।

2. आँखों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन ए, बी, सी, तथा ई लेना चाहिए। विटामिन ए की पूर्ति के लिए शकरकंद, गाजर, कद्दू, संतरा, हरी सब्जियाँ खानी चाहिए।

विटामिन बी की पूर्ति के लिए हरी सब्जियाँ और विटामिन सी की पूर्ति के लिए आलू, संतरा, स्ट्रॉबेरी आदि तथा विटामिन ई की पूर्ति के लिए पालक, कद्दू आदि सब्जियाँ खानी चाहिए।

3. छात्र/छात्रा स्वयं बनाएँ।

यह भी समझें

1. आँखें अनमोल इसलिए हैं क्योंकि इनसे ही हम अपने चारों ओर की रंगीन दुनिया की खूबसूरती को देख पाते हैं। जो लोग दृष्टिहीन होते हैं उनके लिए यह दुनिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। उन्हें रोजाना अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपने आस-पास की वस्तुओं व स्थान को पहचानने में, पढ़ने-लिखने में तथा रास्ते में चलते समय बहुत कठिनाइयाँ आती हैं जिनका उन्हें प्रतिदिन सामना करना पड़ता है।

2. यदि मनुष्य की आँखें नहीं होतीं तो इस दुनिया को देख नहीं पाता।

पाठ—3
सड़क सुरक्षा—जीवन रक्षा

बातचीत के लिए

1. नानी ने पल्लवी को नटखट बच्चे की कहानी सुनाई ।
2. नानी ने पल्लवी को उसकी गुड़िया के लिए अपने हाथों से बुनकर लाल और नीले रंग का स्कार्फ़, कुर्ता और पजामी दी।
3. सभी वाहन हरी बत्ती का इंतजार कर रहे थे।

लिखकर बताइए :

1. (क) पल्लवी की खुशी का कारण नानी द्वारा उसकी गुड़िया के लिए अपने हाथों से बुनकर लाल और नीले रंग का स्कार्फ, कुरता और पजामी दिया जाना था।
   (ख) प्रत्येक चौराहे पर बत्तियाँ यातायात (ट्रैफिक) को नियंत्रित करने के लिए होती हैं। इनके कारण गाड़ियाँ आपस में नहीं टकराती हैं। इनका पालन न करने से हमारी जान भी जा सकती है।
   (ग) सड़क की सफेद और काली धारी वाली पट्टियों को ज़ेबरा क्रॉसिंग कहते हैं।
   (घ) लाल बत्ती रुकने का, पीली बत्ती चलने की तैयारी का तथा हरी बत्ती चलने का संकेत बताती है।
   (ङ) माँ ने ज़ेबरा क्रॉसिंग के बारे में बताया कि हमें सड़क हमेशा ज़ेबरा क्रॉसिंग से ही पार करनी चाहिए।
2. (क) माँ (ख) लाल
   (ग) गुड़िया के लिए
   (घ) नटखट बच्चे की
3. (क) दाएँ-बाएँ (ख) फुटपाथ
   (ग) ज़ेबरा क्रॉसिंग (घ) सीट बेल्ट
4. (क) पल्लवी खुशी से उछलते हुए अपनी माँ से लिपट गई ।
   (ख) पल्लवी को सड़क सुरक्षा के नियम ठसकी माँ ने बताये।
   (ग) पल्लवी अपने मित्रों को सड़क सुरक्षा के नियम बताने की कह रही है।
   (घ) पल्लवी के सिर पर प्यार से माँ ने हाथ फेरा।

शब्दों का खेल

1. 1. विद्यालय 2. चौराहा
   3. ड्राइवर 4. प्रतियोगिता
2. (क) प्रारंभ - समाप्त
   (ख) शत्रु - मित्र
   (ग) काला - सफेद
   (घ) सुबह - शाम
   (ङ) पुराना - नया
   (च) दाएँ - बाएँ
   (छ) उदास - खुश
   (ज) बैठना - उठना
3. जाना, होना, बनाना, सुनाना, आना, देना।
4. (क) एक रंग, पुत्र
   (ख) शामिल होना, दौड़ना

खोजें -जानें

1. पैदल चलने वाले लोगों को सड़क पर बायीं ओर फुटपाथ पर चलना चाहिए। सड़क हमेशा ज़ेबरा क्रॉसिंग से ही दाएँ-बाएँ देखकर ही पार करनी चाहिए। लाल बत्ती होने पर ही सड़क पार करनी चाहिए। कान में हेडफोन लगाकर सड़क पर नहीं चलना चाहिए। आजकल बढ़ते हुए यातायात के कारण सड़क पार करने के लिए ओवर ब्रिज या अण्डरपास बनाये जा रहे हैं। अत: हमें सड़क पार करने के लिए इनका प्रयोग करना चाहिए।
   वाहन चालकों को हेडफोन लगाकर या मोबाइल पर बात करते हुए वाहन नहीं चलाना चाहिए। कार में सीट बेल्ट लगाकर बैठना चाहिए। गति सीमा का ध्यान रखना चाहिए। लाल बत्ती होने पर चौराहे पर रुकना चाहिए। दो पहिया वाहन चलाते समय सिर पर हेलमेट पहनना चाहिए तथा पीछे एक से अधिक लोग नहीं बैठाने चाहिए।
2. (क) उन्हें रुकने के लिए कहेंगे।
   (ख) उन्हें लाल बत्ती का अर्थ समझाएँगे।

खेल-खेल में

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

बूझो पहेली

बाएँ से दाएँ	ऊपर से नीचे—
1. हेलमेट	**2.** बेल्ट
3. फुटपाथ	**4.** मोबाइल
5. ट्रैफिक पुलिस	**6.** दाएँ-बाएँ

यह भी कीजिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

1. सड़क सुरक्षा के नियम हम सभी की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं और यातायात को सुचारु रूप से व्यवस्थित करते हैं। इन नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं की संभावना कम होती है। अत: सुरक्षित जीवन के लिए तथा सुरक्षित यात्रा के लिए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना जरूरी है।

2. जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व है क्योंकि अनुशासन हमारे व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इससे हम तनावमुक्त रहते हैं। इससे हमें समय के महत्व का पता चलता है जिससे हम अपने समय को सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं। अनुशासन में रहने पर हम अपने साथ-साथ अपने समाज का भी विकास कर सकते हैं। अनुशासन में रहने पर हमें खुशहाली की प्राप्ति होती है। अनुशासन में रहने पर हमें अच्छी शिक्षा प्राप्त होती है।

पाठ—4
संकल्प

बातचीत के लिए

1. यह पाठ साहित्य की एकांकी विधा के अंतर्गत आता है।

2. हाँ, पेड़ों में भी जान होती है क्योंकि पेड़ से टूटकर पत्ते, टहनी व फल सूख जाते हैं।

3. वृक्ष तेजी से काटे जाने से चिंतित थे।

लिखकर बताइए

1. (क) कोयल इसलिए दुखी थी क्योंकि वृक्षों के काटे जाने से साँस लेना भी मुश्किल होता जा रहा था। उसे चिंता थी कि वह इस स्थिति में कैसे गा पाएगी?

(ख) बंदर ने चिंतित होकर कहा कि यदि वृक्ष नहीं रहे तो वे क्या खाएँगे? कहाँ रहेंगे।

(ग) वृक्षों की चिंता का कारण मनुष्य द्वारा तेजी से वृक्षों का काटा जाना था।

(घ) पेड़-पौधों का हमारे वातावरण पर बहुत प्रभाव पड़ता है। पेड़-पौधों से वातावरण शुद्ध रहता है। ये वातावरण के लिए फेफड़ों का काम करते हैं। ये ऑक्सीजन छोड़ते हैं और वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर हवा को शुद्ध करते हैं। पेड़-पौधों से वर्षा होती है।

(ङ) पेड़ काटना मनुष्य के लिए इसलिए हानिकारक है क्योंकि पेड़ काटने से पर्यावरण प्रदूषित हो जाता है और ऑक्सीजन की कमी के कारण साँस लेने में परेशानी होती है। पेड़ काटने से वर्षा कम होती है जिससे पानी की कमी हो जाती है।

2. (क) आम, पीपल, नारियल

(ख) अमरूद, नींबू, गुलाब, चमेली

(ग) नीम

(घ) वे हमारे जीवनरक्षक हैं।

3. (क) आओ मिलकर <u>वृक्ष</u> लगाएँ।

(ख) धरती पर <u>हरियाली</u> लाएँ।

(ग) हराभरा (घ) सहर्ष

2. (क) सही (ख) गलत

(ग) गलत (घ) सही

शब्दों का खेल

1. (क) अमित साइकिल चला रहा है।

(ख) वनों में मनुष्य पेड़ काट रहे हैं।

(ग) बच्चों ने इस जमीन पर तरह-तरह के पेड़ लगाए हैं।

2. (क) आए हैं। (ख) समझना (ग) पीना (घ) उठना

3. निस्वार्थ अनुपयोगी अशुद्ध

अशांति निराशा अहित

4. तुम सब चिरायु हो।

वृक्ष अपने अंगों का सहर्ष दान करते हैं।

हमारे समक्ष संकट की स्थिति आ गई है।

मनुष्य गहन संकट में फँस गया है।

खेल खेल में

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

1. जिस प्रकार मानव में जीवन होता है उसी प्रकार पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। इसलिए उनके जीवन और हमारे जीवन में बहुत सारी समानताएँ हैं। हम इस धरती पर एक-दूसरे पर आश्रित हैं। हम दोनों में सबसे पहली समानता यह है कि हम साँस लेते हैं। अन्तर यह है कि हम ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं और पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़ भी हमारी तरह फलते-फूलते व मरते भी हैं। बस अन्तर यह है कि हम गतिशील रहते हैं और पेड़-पौधे जड़ (स्थिर) होते हैं।
2. वातावरण असंतुलित होने के अनेक कारण हैं जिसमें पेड़-पौधों को काटना सबसे महत्वपूर्ण है। इससे वातावरण से ऑक्सीजन की कमी हो रही है तथा कार्बन डाइ ऑक्साइड आदि विषैली गैसों की मात्रा बढ़ रही है। वर्षा कम होने से धरती का तापमान बढ़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप वातावरण असंतुलित हो रहा है।

पाठ—5
कुछ काम करो

बातचीत के लिए

1. इस कविता के रचयिता का नाम मैथिलीशरण गुप्त है।
2. इस कविता में कवि ने मनुष्य को संबोधित किया है।
3. कवि ने मनुष्य को कर्मशील रहते हुए परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया है।

लिखकर बताइए

1. (क) ईश्वर द्वारा प्रदत्त वांछित वस्तुएँ हम परिश्रम करके प्राप्त कर सकते हैं।
   (ख) हम ईश्वरप्रदत्त हाथों का कर्म करने में उपयोग कर सकते हैं।
   (ग) इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए वरन् अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना चाहिए।
2. (क) धन कमाने के
   (ख) कर
   (ग) अलभ्य
   (घ) निराश
3. (क) सही (ख) गलत
   (ग) गलत (घ) सही
4. (क) प्रभु ने हमें हाथ दान किए हैं।
   (ख) सभी उपयोगी वस्तुओं का विधान ईश्वर ने किया है।
   (ग) मनवांछित वस्तुओं को प्राप्त न होने पर हमारा (मनुष्य का) दोष है।
   (घ) पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमें अनेक वस्तुएँ प्रदान की हैं। यदि हम उनको प्राप्त करने का प्रयास ही न करें तो फिर इसमें हमारा ही दोष है अर्थात् हम किसी और को दोष नहीं दे सकते।

शब्दों का खेल

1. **अर्थ — धन मतलब**

काम	—	कार्य	धंधा
कर	—	हाथ	टैक्स
जग	—	संसार	जागना
विधान	—	नियम	ढंग

2. पढ़िए और समझिए—

नकारात्मक — सुजाता किताब नहीं पढ़ती है।
प्रश्नसूचक — क्या सुजाता किताब पढ़ती है?
आज्ञासूचक — ऐ सुजाता, किताब पढ़ो।

3.

नर	—	मनुष्य	मानव	आदमी
तन	—	शरीर	काया	अंग
प्रभु	—	ईश्वर	परमेश्वर	भगवान

खोजे-जानें

1. अरे भारत! उठ, आँखें खोल,
   उड़कर यंत्रों से, खगोल में घूम रहा भूगोल।
   अवसर तेरे लिए खड़ा है, फिर भी तू चुपचाप पड़ा है।
   तेरा कर्म क्षेत्र बड़ा है, पल-पल है अनमोल।
   अरे भारत! उठ आँखें खोल॥ (चेतना कविता)
   चारुचंद्र की चंचल किरणें, खेल रही हैं जल थल में।
   स्वच्छ चांदनी बिछी हुई है, अवनि और अम्बर तल में ॥

पुलक प्रकट करती है धरती, हरित तृणों की नोकों से।

मानों झूम रहे हैं तरु भी, मन्द पवन के झोंकों से॥

2. स्वामी विवेकानन्द एक बार स्वामी विवेकानन्द विदेश यात्रा पर गये थे। उनके भगवा वस्त्र और और आकर्षक पगड़ी देखकर लोग आश्चर्य चकित हो गये थे और वे उनसे यह पूछे बिना नहीं रह सके कि-"आपका बाकी सामान कहाँ हैं?" स्वामी जी ने उत्तर दिया कि—"मेरे पास बस यही सामान है।" इस पर कुछ लोगों ने व्यंग्य किया कि " अरे! यह कैसी संस्कृति है आपकी? तन पर केवल एक भगवा चादर लपेट रखी है। कोट-पतलून (पेंट) जैसा कुछ भी पहनावा नहीं है?" इस पर स्वामी विवेकानन्द जी मुस्कुराये और बोले-"हमारी संस्कृति आपकी संस्कृति से अलग है। आपकी संस्कृति का निर्माण आपके दर्जी करते हैं, जबकि हमारी संस्कृति का निर्माण हमारा चरित्र करता है।" संस्कृति वस्त्रों में नहीं, चरित्र के विकास में है।

2. महर्षि दयानन्द सरस्वती

चन्द्रशेखर 'आजाद'

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

जब मैं अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाता तब मेरा मन निराश हो जाता है। इसके अलावा जब मुझे अपने मन के अनुसार चीजें नहीं मिलतीं तब भी मेरा मन निराश हो जाता है।

पाठ—6
चन्द्रशेखर आजाद

बातचीत के लिए

1. मजिस्ट्रेट ने बालक चंद्रशेखर को पन्द्रह कोड़े लगाकर मुक्त कर देने की सजा दी थी।

2. चंद्रशेखर आजाद का जन्म झाबुआ जिले के भवरा नामक ग्राम में हुआ था।

3. रेलगाड़ी से सरकारी खजाना 9 अगस्त सन् 1925 को लूटा गया था।

4. चंद्रशेखर आजाद की मृत्यु अल्फ्रेड पार्क में हुई थी।

लिखकर बताइए

1. (क) कटघरे में एक सोलहवर्षीय बालक खड़ा था।

(ख) मजिस्ट्रेट ने बालक से सबसे पहले उसका नाम पूछा।

(ग) बालक ने अपना कार्य भारत माँ को स्वाधीन कराने की साधना बताया।

(घ) चन्द्रशेखर आजाद असहयोग आंदोलन में कूद पड़े।

(ङ) 'काकोरी' में सरकारी खजाना लूटने का काम रामप्रसाद 'बिस्मिल' के नेतृत्व में किया गया था।

(च) चन्द्रशेखर आजाद एक दिन 'अल्फ्रेड पार्क' में बैठे हुए थे। उसी समय एक विश्वासघाती ने पुलिस को सूचना दे दी और पुलिस ने उन्हें घेरकर गोली-बारी शुरू कर दी। बचने का कोई रास्ता न दिखाई देने पर उन्होंने एक पेड़ के पीछे खड़े होकर अपने रिवाल्वर से गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं। उन्होंने अपनी गोलियों से पुलिस के कई आदमी घायल कर दिए। लगभग एक घण्टे तक चले इस संघर्ष में जब उनके पास केवल एक गोली बची थी तब उन्होंने स्वयं अपनी कनपटी पर उसे मार लिया और भारत माता की गोद में आत्मबलिदान करके अमर हो गये।

2. (क) कोड़ों की मार के

(ख) जेल से

(ग) बालक के बाहर निकलने की प्रतीक्षा

(घ) 'भारत माता की जय' और 'चन्द्रशेखर आजाद की जय'

3. (क) झाबुआ जिला मध्य प्रदेश राज्य में स्थित है।

(ख) चन्द्रशेखर आजाद के पिता पंडित सीताराम तिवारी थे।

(ग) पढ़ने के लिए चन्द्रशेखर आजाद काशी गए थे।

शब्दों का खेल

1.

बेढंग	बेईमान
दुर्बल	दुर्जन
निर्भीक	निर्भर
लावारिस	लापता

2. (क) निर्भीकता (ख) स्वाधीनता
(ग) निडरता (घ) पराधीनता
(ङ) आवश्यकता

3. (क) प्रश्नवाचक वाक्य (ख) साधारण वाक्य
(ग) साधारण वाक्य (घ) प्रश्नवाचक वाक्य
(ङ) साधारण वाक्य (च) प्रश्नवाचक वाक्य

4. (क) वृक्ष हमें ऑक्सीजन देते हैं।
(ख) पुस्तकों में ज्ञान का खजाना है।
(ग) शरीर नाशवान है।
(घ) हम स्वाधीन भारत में रहते हैं।
(ङ) मैं दो घण्टे से आपकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।
(च) कल से किसान आंदोलन शुरू हो रहा है।

करके देखिए

1. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

2. भारत की राजधानी दिल्ली में इंडिया गेट पर स्थित अमर-जवान-ज्योति सन् 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद और अज्ञात सैनिकों की याद में बनाया गया एक स्मारक है। इसका उद्घाटन वर्ष 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने किया था।

3. (क) मंगल पाण्डे
(ख) भगत सिंह
(ग) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
(घ) चन्द्रशेखर आजाद

यह भी समझें

बालक चन्द्रशेखर ने जिस प्रकार मजिस्ट्रेट के प्रश्नों का उत्तर दिया था वह उस समय की परिस्थिति में ठीक था परन्तु सामान्य परिस्थिति में किसी मजिस्ट्रेट से इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। एक संभ्रांत नागरिक होने के नाते हमें मजिस्ट्रेट के प्रश्नों का सही-सही उत्तर देकर कानून व्यवस्था में सहयोग देना चाहिए।

पाठ—7
अग्नि पुत्री-टेस्सी थॉमस

बातचीत के लिए

1. डी० आर० डी० ओ० का पूरा नाम डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन है।

2. डॉ० टेस्सी थॉमस का जन्म सन् 1964 में केरल के एलप्पुजा में हुआ था।

3. रॉकेट के क्षेत्र में काम करने का विचार उनके मन में बचपन से ही रॉकेट की लांचिंग देखते-देखते आया।

लिखकर बताइए

1. (क) डॉ० टेस्सी थॉमस ने थ्रिस्सुर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से बी० टेक० फिर पुणे के 'इंस्टीट्यूट ऑफ आर्मामेंट टेक्नालॉजी से गाइडेड मिसाइल के क्षेत्र में एम० टेक० की शिक्षा प्राप्त की।
(ख) उन्होंने अग्नि- 3 के प्रोजेक्ट में कार्यकारी निदेशक तथा अग्नि- 4 के प्रोजेक्ट में निदेशक का पद सँभाला।
(ग) अग्नि-4 का परीक्षण 2011 में हुआ।
(घ) अग्नि-5 का परीक्षण 19 अप्रैल 2012 में अग्निपुत्री टेस्सी थॉमस के निर्देशन में हुआ।

2. (क) 1964 (ख) बी० टेक०
(ग) अग्नि-4 (घ) सरोज

3. (क) सही (ख) गलत
(ग) सही (घ) सही

शब्दों का खेल

1. (क) रॉकेट की लांचिंग देखते-देखते उन्हें रॉकेट से प्यार हो गया।
(ख) आज अग्निपुत्री को कौन नहीं जानता?
(ग) उन्होंने डी० आर० डी० ओ० द्वारा बनाए एयरक्राफ्ट पर अपने बेटे का नाम रखा।
(घ) टेस्सी थॉमस को बचपन से ही रॉकेट एयर क्राफ्ट तथा निर्देशन में रुचि थी।

2. (क) राष्ट्रपति— र् + आ + ष् + ट् + र् + अ + प् + अ + त् + इ
(ख) प्रोजेक्ट— प् + र + ओ + ज् + ए + क् + ट् + अ
(ग) निर्देशन— न् + इ + र् + द् + ए + श् + अ + न् + अ
(घ) वैज्ञानिक— व् + ऐ + ज्ञ् + आ + न् + इ + क् + अ
(ङ) प्रभुत्व— प् + र् + अ + भ् + उ + त् + व् + अ
(च) कार्यक्रम—क् + आ + र् + य् + अ + क् + र् + अ + म् + अ

3. (क) आपने डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम का नाम अवश्य सुना होगा।

(ख) डॉ० टेस्सी थॉमस को अग्नि-5 की सफलता के बाद 'अग्नि पुत्री' का उपनाम मिला।

(ग) उन्हें टेस्सी नाम मदर टेरेसा के नाम से मिला।

(घ) उन्होंने डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम के निर्देशन में भी काम किया।

(ङ) एक वैज्ञानिक होने पर भी एक घरेलू महिला और माँ की जिम्मेदारी निभाने के लिए वे समय निकाल ही लेती थी।

करके देखिए

1. अग्नि-5 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। यह अति आधुनिक तकनीक से बनी 17 मीटर लंबी और 2 मीटर चौड़ी मिसाइल है। यह परमाणु हथियारों से लैस होकर 1 टन पेलोड ले जाने में सक्षम है। 5 हजार किलोमीटर तक के दायरे में इसे उपयोग किया जा सकता है।

2. (i) कल्पना चावला— कल्पना चावला का जन्म 17 मार्च 1962 में भारत के करनाल में हुआ था। पंजाब के इंजीनियरिंग कॉलेज से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने के बाद कल्पना चावला 1982 में संयुक्त राज्य अमेरिका चली गई वहाँ 1984 में टेक्सास विश्व विद्यालय से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ सांइस की डिग्री प्राप्त की। 1986 में दूसरी मास्टर डिग्री तथा 1988 में कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएच० डी० की उपाधि प्राप्त की। कल्पना चावला पहली भारतीय मूल की महिला थी, जिन्होंने अंतरिक्ष तक का सफर तय किया था। वर्ष 2003 में कल्पना चावला का निधन उस समय हुआ था जब कोलंबिया स्पेस शटल उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

(ii) सुनीता विलियम्स— सुनीता एन. पांड्या विलियम्स का जन्म 19 सितम्बर 1965 में अमेरिका के ओहियो राज्य में युक्लिड नगर स्थित क्लीवलैंड में हुआ था। इनके पिता डॉ० दीपक एन० पांड्या सन् 1958 में अहमदाबाद से अमेरिका के बोस्टन में जाकर बस गये थे। इनकी माँ बॉनी जालोकर पांड्या स्नोवेलिया की हैं। सुनीता विलियम्स ने मैसाचुसेट्स से हाईस्कूल पास करने के बाद सन् 1987 में संयुक्त राष्ट्र की नौ-सैनिक अकादमी से फिजिकल साइंस में बी एस (स्नातक) की परीक्षा पास की थी। सन् 1945 में फ्लोरिडा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में एम० एस० की उपाधि हासिल की। सुनिता विलियम्स भारतीय मूल की दूसरी महिला हैं जो अंतरिक्ष तक जा चुकी हैं। इनका विवाह माइकल जे. विलियम्स से हुआ था।

3. राकेश शर्मा— भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म 13 जनवरी 1949 को पंजाब के पटियाला जिले में हुआ था। वह बचपन से ही विज्ञान में काफी रुचि रखते थे। सन् 1966 में एनडीए पास कर इन्होंने भारतीय वायु सेना में शामिल हो गए। सन् 1948 में अन्तरिक्ष उड़ान के दौरान भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी के ये पूछने पर कि "अन्तरिक्ष से भारत कैसा दिखता है", का जवाब राकेश शर्मा ने यह कहकर दिया था कि "सारे जहाँ से अच्छा"। इनके इस जवाब से हर भारतीय रोमांचित हो गया था।

यह भी समझें

एक सफल वैज्ञानिक होने पर भी टेस्सी थॉमस स्वयं को एक घरेलू महिला इसलिए बताती हैं क्योंकि वह बचपन से ही रॉकेट लांचिंग देखती आ रही हैं। उन्हें आम महिलाओं की तरह खाना बनाने व टेलीविजन देखने में बहुत मजा आता है। वह वैज्ञानिक होते हुए भी एक घरेलू महिला और माँ की जिम्मेदारी निभाने के लिए समय निकाल ही लेती हैं।

पाठ—8
ईदगाह

बातचीत के लिए

1. हामिद एक दुबला-पतला लड़का था। उसके माता-पिता नहीं थे। वह अपनी बूढ़ी दादी अमीना के पास रहता था।
2. हामिद ने मेले से चिमटा खरीदा।
3. चिमटे से गरम तवे पर से रोटियाँ उतारने का काम लिया जाता है।

लिखकर बताइए

1. (क) गाँव में हलचल ईद के कारण है।
   (ख) नमाज़ खत्म होने पर बच्चों ने दुकानों पर धावा बोल दिया।
   (ग) लोहे की दुकान पर हामिद ने चिमटा देखा।
   (घ) हामिद ने अपनी दादी को चिमटा खरीदने का कारण उनकी उँगलियों का तवे से जल जाना बतलाया।
2. (क) ईद (ख) पैसे (ग) बारह पैसे
3. (क) हामिद ने दुकानदार से
   (ख) महमूद ने हामिद से
4. (क) ईदगाह (ख) अमीना
   (ग) तीन (घ) क्रोध
   (ङ) वकील
5. (क) चरखियों से उतरकर बच्चे खिलौने लेते हैं।
   (ख) नूरे ने वकील का खिलौना लिया।
   (ग) खिलौने के दाम दो-दो पैसे थे।
   (घ) इसका आशय यह है कि खिलौनों की कीमत उसके पास के पैसों से अधिक है।

शब्दों का खेल

1. (क) पुरानी (ख) दुबला
   (ग) महँगे (घ) सस्ता
   (ङ) छोटी (च) नये
2. (क) खिलौने (ख) जूते
   (ग) दुकानें (घ) घोड़े
   (ङ) पैसे (च) चिमटे
3. (क) ईद (ख) मिठाइयाँ
   (ग) टोपियाँ (घ) भीड़
   (ङ) रोटियाँ (च) उँगलियाँ
   (छ) खिलौना (ज) बहादुर

करके देखिए

1. एक बार मैं मेला घूमने गया। वहाँ पर मुझे मेरी कक्षा के अन्य सहपाठी भी मिले। मेले में एक कतार में दुकानें लगी हुई थीं। मैदान में बड़े-बड़े झूले व चरखियाँ थीं। भोलू और सीमा एक चरखी पर छड़ों के सहारे लटके हाथी व ऊँट पर बैठे थे उन्होंने मुझे देख लिया और मुझे भी उस चरखी में खाली पड़े घोड़े पर बैठने के लिए कहा। मैं झट से उस पर बैठ गया। दस चक्कर खाने के बाद सब चरखियों से उतरते हैं। अचानक मेरे बगल से एक मिनी ट्रेन निकलकर जाती है। उस ट्रेन का मुँह ड्रेगन जैसा था, उसकी आँखें जलने वाले लाल-लाल बल्ब के कारण और भी भयानक लग रही थीं। मैंने उस ट्रेन से पूरे मेले का एक चक्कर लगाया और अन्त में कुछ खिलौने खरीद कर और चाट-आइसक्रीम खाकर मैं अपने घर वापस आ गया।
2. 1. ओणम 6. दशहरा
   2. भैया दूज 7. ईद
   3. बैसाखी 8. छठ
   4. राखी 9. पोंगल
   5. क्रिसमस 10. होली

यह भी समझें

हामिद ने खिलौना न लेकर चिमटा खरीदा। इस प्रकार उसने अपनी दादी का ख्याल रखा। मेरे विचार से यह बिल्कुल सही था क्योंकि हमें परिवार में एक-दूसरे की परेशानी को समझना चाहिए और स्वार्थी नहीं होना चाहिए।

पाठ—9
कबीर के दोहे

बातचीत के लिए

1. खजूर का पेड़ राही को छाया नहीं देता।
2. दोहे में दो पंक्तियाँ होती हैं।
3. दोहे की प्रत्येक पंक्ति में 24 मात्राएँ होती हैं।
4. पाठ में दिए गए दोहों की रचना कबीर दास ने की है।
5. बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
   जो दिल खोजा आपना, मुझ सा बुरा न कोय।",
   यह दोहा मुझे सबसे अच्छा लगा क्योंकि इसमें

अपने अंदर की बुराइयों को ढूँढ़ने की प्रेरणा दी गई है। हम सभी हमेशा दूसरों के अंदर कमियाँ तथा बुराइयाँ ढूँढ़ते हैं परन्तु ये भूल जाते हैं कि बुराइयाँ तो हमारे अंदर भी होती हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) भगवान सत्य बोलने वाले के हृदय में रहते हैं।

(ख) अहंकार से मुक्त मृदु वाणी अच्छी होती है।

(ग) किसी काम को करने का सबसे अच्छा समय वर्तमान (अब) होता है।

(घ) कबीर ने गुरु के बारे में यह कहा है कि गुरु के मार्गदर्शन से ही ईश्वर के दर्शन होते हैं।

2. बुरा जो देखन मैं चला बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना मुझ सा बुरा न कोय॥

3. भावार्थ—हमें अपने मन के अहंकार का त्याग करके ऐसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए जो अन्य लोगों (सुनने वालों) को अच्छी लगे और स्वयं (बोलने वाले) का मन भी सुख का अनुभव करे।

शब्दों का खेल

1. (क) सबल — (ख) पास
(ग) छोटा — (घ) पुण्य
(ङ) आज — (च) गरम

2. (क) काल्ह — **(iii)** कल
(ख) परलै — **(iv)** प्रलय
(ग) हिरदै — **(i)** हृदय
(घ) साँच — **(v)** सत्य
(ङ) बानी — **(ii)** वाणी

3. ईदगाह कहानी का सार लिखिए।

पथिक थककर एक पेड़ के नीचे सो गया।
गोविन्द मेरा मित्र है।
नल में ठंडा पानी आता है।

बूझो पहेली

1. अखरोट — **2.** खजूर
3. बादाम — **4.** संतरा
5. बेल — **6.** आलू बुखारा
7. केला — **8.** तरबूज

यह भी समझें

1. कबीर ने सच को महान तप और झूठ को सबसे बड़ा पाप इसलिए बताया है क्योंकि सत्य ईश्वर का रूप है। सत्य बोलने वाले को सब पसंद करते हैं। झूठ धोखे का प्रतीक है। झूठ बोलने वाले का कोई चरित्र नहीं होता, वह लोक-परलोक दोनों जगह पाप का भागी बनता है।

2. हाँ, मैं कक्षा में मिलने वाला गृहकार्य कल पर टाल दिया करता था/ करती थी। कल-कल करते हुए काफी काम इकट्ठा हो गया और आन्तरिक मूल्यांकन का समय आ गया। मुझे कक्षाकार्य व गृहकार्य की कॉपी जमा करनी थी। इसके लिए परीक्षा में 5 अंक निर्धारित थे। अब पन्द्रह दिन का काम दो दिन में कैसे पूरा होगा? यह मेरी चिंता का विषय था। मैंने रोनी सूरत बनाकर तथा बहाने बनाकर अपनी मम्मी और दीदी को अपना गृहकार्य पूरा करने में सहयोग करने के लिए तैयार कर लिया। इस प्रकार हम तीनों ने रात-दिन एक करके बड़ी मुश्किल से अपना गृहकार्य पूरा करके कापी जमा की।

पाठ—10
परख

बातचीत के लिए

1. आचार्य ने राजा से यह कहा कि काम बहुत है, सँभल नहीं रहा कोई सहायक चाहिए।

2. नवयुवकों को रसायन तीन दिन में बनाने के लिए कहा गया।

3. आचार्य ने उसे अपना सहायक बनाया जो रसायन बनाकर नहीं लाया।

लिखकर बताइए

1. (क) नागार्जुन प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध रसायन शास्त्री थे। उन्होंने राजा से यह कहा कि—"काम बहुत है, सँभल नहीं रहा। कोई सहायक चाहिए।"

(ख) नागार्जुन ने नवयुवकों से यह कहा कि "यह क्या है, मैं नहीं बताऊँगा। इसे खुद पहचानो और इसका कोई भी एक रसायन अपनी इच्छानुसार बनाकर लाओ। फिर मैं सोचूँगा किसे अपना सहायक बनाऊँ।"

(ग) दूसरा युवक एक बीमार आदमी की सेवा में उलझने के कारण रसायन नहीं बना पाया।

(घ) नागार्जुन ने दूसरे युवक को अपना सहायक इसलिए बनाया क्योंकि उसने मानव की सेवा की थी।

2. (क) नागार्जुन (ख) चिकित्सा
(ग) रसायन शास्त्री (घ) असाध्य

3. (क) आचार्य के पाँव छुए
(ख) जिसने बीमार व्यक्ति की सहायता एवं सेवा की

4. (क) चिकित्सा के लिए अनिवार्य योग्यता मानव सेवा मानी गई है।
(ख) यंत्र की तरह रसायन बनाने वाला युवक नागार्जुन के काम का नहीं था।

शब्दों का खेल

1. राज + मार्ग	प्रयोग + शाला
2. चिकित्सा	मनुष्य
चक्कर	प्राचीन
मुलाकात	राजमार्ग
3. नवीन	अस्वस्थ
साध्य	अनावश्यक
प्रफुल्ल	निरपराधी
दक्षिण/प्रश्न	अयोग्य

करके देखिए

1. स्वामी विवेकानन्द ने पूरे विश्व को समाज सेवा का महत्व बताते हुए 'नर सेवा, नारायण सेवा का नारा दिया था। इनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। इनका वास्तविक नाम नरेन्द्र दत्त था। इनके पिता विश्वनाथ दत्त कोलकाता में हाईकोर्ट के प्रसिद्ध वकील थे। माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था। इन्होंने श्री रामकृष्ण परमहंस से आध्यात्मिक दीक्षा ली थी। सन् 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करके प्रसिद्धि प्राप्त की। इन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। दिनांक 4 जुलाई 1902 को इनका स्वर्गवास हो गया।

यह भी समझें

1. महान बनाने के लिए छोटी बातों पर ध्यान देकर उन्हें सँभाला जाता है। इसे मैं अपना स्वभाव बनाने के लिए अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करूँगा/करूँगी। इसके लिए मैं सुबह सूर्योदय से पहले जागूगा/ जागूँगी। योग साधना करूँगा/करूँगी। अपने स्वभाव को विनम्र करूँगा/करूँगी तथा परोपकार की भावना के साथ लोगों की सेवा करूँगा/करूँगी।

2. नागार्जुन ने नवयुवकों की जो परीक्षा ली थी, वह मेरी दृष्टि में उचित थी क्योंकि चिकित्सा का पेशा पूरी तरह से सेवा का पेशा है।

पाठ—11

चतुर चित्रकार

बातचीत के लिए

1. (क) चित्रकार सुनसान जगह पर बैठकर चित्र बना रहा था।
(ख) चित्रकार के कहने पर शेर चित्रकार की ओर पीठ फेरकर बैठ गया।
(ग) शेर ने खिसियाकर चित्रकार से कहा कि रे कायर डरपोक! जरा नाव को रोककर कलम-कागज तो ले जा।

लिखकर बताइए

1. (क) चित्रकार ने शेर को अपनी ओर पीठ फेरकर बिठाकर बेवकूफ बनाया।
(ख) चित्रकार को भागते देखकर शेर ने उससे कायर-डरपोक कहते हुए नाव रोककर कलम-कागज ले जाने के लिए कहा।
(ग) शेर के पुकारने पर चित्रकार ने यह जवाब दिया कि अपने पास रखिए और आप ही जंगल में चित्रकला का अभ्यास कीजिए।
(घ) इस कविता में यह शिक्षा निहित है कि साहस और समझदारी से हर प्रकार के संकट का सामना किया जा सकता है और हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

2. (क) यमराज का मित्र (ख)शेर को
(ग) नाव-बाँस

शब्दों का खेल

1. (क) पुनरुक्त (ख) सजातीय
(ग) विपरीतार्थक (घ) समानार्थी
(ङ) सजातीय (च) निरर्थक

2. (क) ध्य - ध्यान, अध्ययन, स्वाध्याय
(ख) भ्य - अभ्यास, अभ्यस्त, सभ्य
(ग) त्त - पत्ता, पत्तल, चित्त
(घ) न्न - खिन्न, पन्ना, अन्न

करके देखिए

मांसाहारी पशुओं के नाम—सिंह, बाघ, भेड़िया, चीता, तेंदुआ, लकड़बग्घा, भालू, जंगली सूअर, कुत्ता आदि।

यदि शेर चित्रकार की भाषा नहीं समझता तो वह चित्रकार को मारकर खा जाता ।

कविता का कहानी रूप—एक चित्रकार एक सुनसान जगह पर चित्र बना रहा था। उसी समय वहाँ पर यमराज का मित्र शेर आ जाता है। शेर को देखकर चित्रकार के होश उड़ जाते हैं और चित्र बनाने का सारा जोश ठंडा पड़ जाता है। चित्रकार हिम्मत जुटाते हुए शेर से उसका एक सुन्दर चित्र बनाने के लिए पूछता है। शेर अपना चित्र बनवाने के लिए उसके सामने बैठ जाता है। आधा चित्र बन जाने के बाद चित्रकार ने शेर को पीठ फेरकर बैठने के लिए कहा। शेर चित्र बनवाने के लालच में चित्रकार की ओर पीठ करके बैठ जाता है। चित्रकार मौका मिलते ही वहाँ से भाग जाता है। जब काफी देर तक कोई आवाज नहीं आई तब शेर मुड़कर देखता है कि चित्रकार झील के किनारे खड़ी नाव को बाँस से जल्दी-जल्दी चलाते हुए दूर निकल गया है। शेर चित्रकार के धोखे से खिसिया जाता है और उसे कायर व डरपोक कहते हुए कागज और कलम ले जाने का प्रलोभन देता है। परन्तु चित्रकार शेर की बातों में न आकर उसे कागज-कलम अपने पास रखकर जंगल में चित्रकला का अभ्यास करने के लिए कहता है।

छात्र-छात्रा स्वयं चित्र बनायें।

यह भी समझें

यदि मेरे सामने अचानक कोई हिंसक पशु आ जाए अथवा ऐसा ही कोई अन्य संकट आए तो मैं उसका सामना बिना घबराये, धैर्य, साहस और समझदारी से करूँगा/करूँगी।

पाठ—12
अहंकारी मक्खी

बातचीत के लिए

1. मक्खी ने सबसे पहले शेर को हराया।
2. अहंकार में चूर मक्खी ने हाथी से यह कहा कि—"अरे! मुझे प्रणाम कर, मैंने जंगल के राजा शेर के छक्के छुड़ा दिए। इसलिए जंगल में अब मेरा राज चलेगा।"
3. मकड़ी के पास जाकर मक्खी की दुर्दशा हो गई। वह मकड़ी के जाल में बुरी तरह फँस गई।

लिखकर बताइए

1. (क) शेर जंगल में भोजन करके आराम कर रहा था।
   (ख) शेर के लिए सोना मुश्किल मक्खी के भिनभिनाने से हो गया।
   (ग) हाथी को देखकर मक्खी ने यह कहा कि—"अरे! मुझे प्रणाम कर, मैंने जंगल के राजा शेर के छक्के छुड़ा दिए। इसलिए जंगल में अब मेरा राज चलेगा।"
   (घ) मक्खी को सबक सिखाने के लिए लोमड़ी ने उसे प्रणाम करते हुए यह कहकर भड़काया कि—"धन्य हो मक्खी रानी, धन्य हो लेकिन उधर जो मकड़ी दिखाई दे रही है न, वह आपको घमण्डी कह रही थी।" घमंडी मक्खी मकड़ी के जाल में फँस गई।
2. (क) शेर (ख) हाथी
   (ग) बुद्धिमान (घ) मक्खी को
3. (क) सही (ख) गलत
   (ग) गलत (घ) सही
4. (क) मक्खी ने शेर से
   (ख) मक्खी ने शेर से
   (ग) शेर ने मक्खी से
   (घ) मक्खी ने लोमड़ी से
   (ङ) लोमड़ी ने मक्खी से

शब्दों का खेल

1. (क) देव और वैभव खेल रहे थे।
   (ख) आप चाय पीएँगे या कॉफी?
   (ग) मैं गया और बारिश शुरू हो गई।
   (घ) मक्खी जाल में गई और फँस गई।
2. (क) शेर — सिंह केसरी वनराज
   (ख) आग — अग्नि पावक अनल
   (ग) जंगल — वन कानन अरण्य
3. (क) घोड़ा **(viii)** हिनहिनाना
   (ख) मक्खी **(iv)** भिनभिनाना
   (ग) बकरी **(v)** मिमियाना
   (घ) शेर **(vi)** दहाड़ना
   (ङ) हाथी **(i)** चिंघाड़ना
   (च) मेंढक **(iii)** टर्रटराना

(छ) बिल्ली (ii) म्याँऊ
(ज) कुत्ता (ix) भौंकना
(झ) गाय (vii) रँभाना

करके देखिए

वे काम जो नहीं करने चाहिए

हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए।
अपने माता-पिता की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
अपनी गलती के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए।
बिना पूछे कक्षा से बाहर नहीं जाना चाहिए।
बिना पूछे किसी के कमरे में नहीं जाना चाहिए।

वे काम जो हमें करने चाहिए

सत्य बोलना चाहिए।
अपने माता-पिता की आज्ञा माननी चाहिए।
अपने गलती स्वीकार करनी चाहिए।
हमें पूछकर कक्षा से बाहर जाना चाहिए।
हमें किसी के कमरे में पूछकर ही जाना चाहिए।

यह भी समझें

1. घमंड करने पर मक्खी को यह फल मिला कि वह एक मकड़ी के जाल में फँस गयी।
2. मेरे विचार से मक्खी के साथ सही नहीं हुआ क्योंकि यह आवश्यक नहीं है कि कोई दूसरा गलत करता है तो हम भी गलत करेंगे।
3. मेरे विचार से मक्खी को सबक सिखाने का अन्य उपाय यह हो सकता था कि उसे पानी में डुबकी लगाने को कहा जा सकता था, जिससे उसके पंख चिपक जाते और वह तब तक नहीं उड़ पाती जब तक कि उसके पंख सूख नहीं जाते।

पाठ—13
आन्या पहुँची चाँद पर

बातचीत के लिए

1. बच्चे चन्द्रमा को मामा कहकर बुलाते हैं।
2. आन्या को कहानी सुनना अच्छा लगता था।
3. पूर्णमासी के दिन चाँद गोल और रुपहला दिखाई देता है।
4. चन्द्रमा पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है।

लिखकर बताइए

1. (क) चाँद को देखकर आन्या ने माँ से कहा कि—"नहीं माँ, अभी थोड़ी देर में सो जाऊँगी। देखो न! कितना सुन्दर है चाँद, बिल्कुल गोल और चमकीला।
   (ख) चाँद की ओर जाते हुए आन्या ने देखा कि चाँद बड़ी शान से चमक रहा था। वह अपनी दूधिया चाँदनी से धरती पर प्रकाश बिखेर रहा था।
   (ग) चाँद की सतह पर सबसे पहले 21 जुलाई, 1969 को अमेरिका के नील आर्मस्ट्रांग, एडविन आल्ड्रिन और कॉलिंस ने कदम रखा।
   (घ) चाँद पर हर चीज हल्की वहाँ की कम गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण हो जाती है।
2. (क) चाँद को (ख) सूर्य के
   (ख) लगभग 4 लाख किमी
3. किसने कहा? किससे कहा?
   (क) आन्या की माँ ने आन्या से
   (ख) चन्द्रमा ने आन्या से
   (ग) आन्या ने माँ से

शब्दों का खेल

1. चन्द्रयान सूर्य नील आर्मस्ट्रांग
   प्रकाश पर्वत एडविन ऑल्ड्रिन
   उपग्रह पूर्णमासी
2. अच्छा हल्का
   सफल पाताल
   असाधारण प्रकाश
   प्रसन्न विश्वास
3. (क) तुम धरती के कौन-से भाग से आई हो?
   (ख) यान के रुकते ही सीढ़ी बाहर निकली।
   (ग) अंकुर, नेहा, प्रिया और सोनू खेल रहे हैं।
   (घ) माँ ने कहा, "आज पूर्णमासी है।"

झटपट कहिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

करके देखिए

1. इन दोनों की जानकारी पाठ-7 अग्नि पुत्री टेस्सी थॉमस में करके देखिए में दी गई है।
2. यदि मुझे किसी भी अंतरिक्ष केन्द्र से मंगल या चाँद पर जाने का अवसर मिले तो वहाँ जाने के लिए सबसे पहले मेरे द्वारा उस ग्रह की जानकारी ली जायेगी, जिस पर मुझे जाना है। इसके बाद अंतरिक्ष केन्द्र पर जाकर उनके निर्देशों की जानकारी ली

जायेगी, उनका पालन किया जायेगा। इस प्रकार सारी तैयारी अंतरिक्ष केन्द्र से मिले निर्देशों के आधार पर की जायेगी।

3. पूर्णमासी की रात चाँद पूरा गोल और चमकीला दिखाई देता है और अमावस्या की रात चाँद बिल्कुल दिखाई नहीं देता।
चित्र छात्र-छात्रा स्वयं बनायें

यह भी समझें

1. पाठ में आन्या की सोच सकारात्मक है। मेरे अनुसार सकारात्मक सोच रखने से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है क्योंकि नकारात्मक सोच आते ही विफलता का डर मन पर हावी हो जाता है।
2. मैं बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ। इसके लिए मैं अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दूँगा/दूँगी क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। नियमित व्यायाम करूँगा/करूँगी और प्रतिदिन विद्यालय के अलावा 6 घण्टे अध्ययन करूँगा/करूँगी।
3. अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उद्देश्य जरूरी है। उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए एकाग्रता व कठिन परिश्रम अत्यन्त आवश्यक है।

पाठ—14
गौरी का जन्मदिन

बातचीत के लिए

1. गौरी चौथी कक्षा में पढ़ती थी।
2. गौरी को ऐसा इसलिए लगा कि माँ उसका जन्मदिन भूल गई क्योंकि दो दिन रह जाने पर भी उसके माँ-पिताजी उसके जन्मदिन की कोई तैयारी नहीं कर रहे थे।
3. गौरी के माता-पिता उसे लेकर गरीबों की बस्ती में उसका जन्मदिन मनाने के लिए गए।

लिखकर बताइए

1. (क) गौरी की माँ गौरी की इन बातों से परेशान रहती थी कि वह अपना कोई भी सामान संभालकर नहीं रखती थी और उनकी कद्र भी नहीं करती थी।
(ख) यह सुनकर गौरी खुशी से उछल पड़ी कि इस बार उसका जन्म दिन बाहर जाकर नए ढंग से मनाया जायेगा।
(ग) गौरी की माँ ने बैग में गौरी के वही खिलौने रखे थे, जिनका उसने ध्यान नहीं रखा और तोड़-मरोड़कर घर में इधर-उधर फेंक दिये थे।
(घ) गौरी ने बुझे मन से केक इसलिए काटा क्योंकि उसके माता-पिता उसका जन्म दिन गरीब बच्चों के साथ मना रहे थे।

2. (क) 20 मार्च को (ख) साइकिल

शब्दों का खेल

1. (क) स् + आ + इ + क् + इ + ल् + अ
(ख) ह + ऐ + र् + आ + न् + ई
(ग) ख् + इ + ल् + औ + न् + ए
(घ) क् + इ + त् + आ + ब् + अ

2. अंगूर	अनन्नास	लीची
3. कलम	कुर्सी	मेज
पुस्तक	कॉपी	पंखा

करके देखिए

यह जन्म दिन का चित्र है। जन्म दिन की पार्टी में गोलू सिर पर कागज की टोपी लगाकर नाच रहा है। टीना हाथ में मास्क लिए खड़ी है। भोलू उनके लिए शरबत व केक लेकर आया है। सामने मेज पर रखे हुए केक, शरबत व आइसक्रीम को सीमा देख रही है।

यह भी समझें

1. छात्र- छात्रा स्वयं अपने अनुभव बतायें।
2. यदि मुझको किसी गरीब बच्चे की मदद करने के लिए कहा जाये तो मैं उसके लिए अपनी पुरानी पुस्तकें देकर उसे पढ़ने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
3. गौरी अपनी चीजों का ध्यान नहीं रखती थी। मेरी माँ भी मेरी पेंसिल खोने की आदत से परेशान है। मैं रोज कक्षा में अपनी पेंसिल भूल आता हूँ/आती हूँ। इसे सुधारने के लिए अब मैं कक्षा में सारा सामान न फैलाकर केवल जरूरत का सामान निकालता/निकालती हूँ। छुट्टी होने से पहले ही सारा सामान जाँच करके ध्यान से अपने बैग में रख लेती हूँ/लेता हूँ। कक्षा का काम समय से पहले समाप्त कर लेती हूँ/लेता हूँ जिससे मुझे पर्याप्त समय मिल जाता है।

पाठ—15
बरगद दादा

बातचीत के लिए

1. लड़का बरगद के पेड़ पर उसके छोटे-छोटे फूलों और फलों को देखकर हँसा।

2. लड़का बरगद के पेड़ से एक-दो फलों के उसके मुँह पर आकर गिरने के कारण हड़बड़ाकर उठ गया।

3. गाँव के लोग गरमियों में बरगद के पेड़ के नीचे आराम करते थे।

लिखकर बताइए

1. (क) बरगद की शाखाओं से दाढ़ी निकलकर धरती तक आ रही थी।

(ख) पेड़ की जड़ें मिट्टी के अंदर जमी होने तथा वहाँ से हवा व पोषण प्राप्त करने से मजबूत रहती हैं।

(ग) जब लड़का सो रहा था तब एक-दो फल उसके मुँह पर आ गिरे।

(घ) वृक्ष ने लड़के को यह समझाया कि "किसी को छोटा या कम समझना बुद्धिमानी की बात नहीं है। यह तो घमंडी होना है। अब देखो, मैंने अपनी छाया देकर तुम्हें धूप-ताप से बचाया। मेरे तने ने तुम्हें सहारा दिया। मेरी पत्तियों से छनकर हवा शीतल हुई। तुम्हें सुख मिला और तुम सो गए। चिड़ियाँ मुझ पर बसेरा करती हैं और मेरे छोटे-छोटे मीठे फल खाती हैं। इस तरह हम सब एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

2. (क) शीघ्र (ख) प्रकृति

(ग) वृक्ष (घ) गड़रिए

3. (क) भेड़-बकरियाँ चराने

(ख) छाया देकर

4. (क) एक-दूसरे के बिना हम सब नहीं रह सकते।

(ख) पेड़ की सड़ी पत्तियों को खाने के लिए जमीन के नीचे से केंचुए निकलते हैं जिससे मिट्टी को हवा मिलती है और पेड़ों की जड़ों को शक्ति मिलती है। इस प्रकार केंचुए मिट्टी के लिए लाभदायक हैं।

शब्दों का खेल

1. विश्व, विराट, विनम्र, विचित्र

2.

क्रोध	आग्रह
नम्रता	प्रकृति
निर्भर	शीघ्र
सर्र	प्राणी

3.

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
वृक्ष	विशाल	हँसने लगा
हवा	शीतल	बह रही थी
फलों	छोटे-छोटे	देखो
इल्लियाँ	पत्ते हरे	खाती हैं।

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

1. प्राणी एवं प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं। एक के बिना दूसरे का जीवन संभव नहीं है। क्योंकि प्राणी के लिए प्रकृति ने जीवनदायक तत्वों को उत्पन्न किया है। प्राणी वृक्षों के फल, बीज पत्ते, जड़ें आदि खाकर अपनी भूख मिटाता है तथा प्राण वायु प्राप्त करता है। प्राणीजगत भी प्रकृति का संरक्षण करता है, जिससे प्रकृति संतुलित रहती है, इस प्रकार प्राणी व प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं।

2. घमंड प्रत्येक स्थिति में हानिकारक होता है। क्योंकि घमंड करने से व्यक्ति का शरीर और बुद्धि दोनों नष्ट हो जाती हैं। घमंड क्षणभंगुर होता है। वैसे घमंड व्यक्ति को उसकी सोच से ज्यादा उपलब्धियाँ हासिल हो जाने पर आ जाता है जो विनाश का कारण बन जाता है। रावण को शक्ति का घमंड था। अत: उसका विनाश हो गया। उद्धव को अपने ज्ञान का घमंड था तो गोपियों ने उसे परास्त कर दिया। अत: हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

पाठ—16
ऐतिहासिक धरोहरों का कुंभ: हम्पी

बातचीत के लिए

1. यह पत्र अंबर ने पराग को लिखा है।

2. हम्पी कर्नाटक राज्य में स्थित है।

3. हम्पी के अवशेषों को देखकर यह पता चलता है कि यहाँ कभी समृद्धशाली सभ्यता निवास करती रही होगी।

लिखकर बताइए

1. (क) कर्नाटक राज्य में स्थित हम्पी नगर की विशेषता यह है कि यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में इसे शामिल किया गया है।

(ख) अंबर का हम्पी में सूरजमुखी के पीले जीवंत हवा में लहराते खेत स्वागत कर रहे थे।

(ग) विरूपाक्ष मंदिर भगवान शिव के दूसरे नाम भगवान विरूपाक्ष को समर्पित है।

(घ) हम्पी के प्राचीन बाजार की यह विशेषता है कि यह क्षेत्र लगभग पीछे की चट्टानों से ढका हुआ है। यहाँ पर कई देशों के व्यापारी फलों, सब्जियों मसालों तथा वस्त्रों का व्यापार करने आते थे।

2. (क) कर्नाटक (ख) पाँच सौ

शब्दों का खेल

1. (क) जरूर (ख) यहाँ
   (ग) वाकई (घ) आगे
2. (क) थे (ख) गए
   (ग) रही थीं (घ) है
3. (क) रमेश ने खूबसूरत मॉडल बनाया है।
   (ख) रमेश की पोशाक आकर्षक है।
   (ग) यह प्रतिष्ठित व्यक्ति है।
   (घ) उसने मन्दिर निर्माण में अपना सब कुछ समर्पित कर दिया।

आओ कुछ बनाएँ

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

चित्रकारी

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

जाँच प्रश्न पत्र—1

लिखकर बताइए

(क) अहंकार से मुक्त मृदुवाणी अच्छी होती है।

(ख) नागार्जुन ने दूसरे युवक को अपना सहायक इसलिए बनाया क्योंकि उसने मानव सेवा की थी।

(ग) चित्रकार को भागते देखकर शेर ने उससे कायर-डरपोक कहते हुए नाव रोककर कलम-कागज ले जाने के लिए कहा।

(घ) मक्खी को सबक सिखाने के लिए लोमड़ी ने उसे प्रणाम करके यह कहते हुए भड़काया कि "धन्य हो मक्खी रानी, धन्य हो। लेकिन इधर जो मकड़ी दिखाई दे रही है न, वह आपको घमण्डी कह रही थी।"

(ङ) चाँद की सतह पर सबसे पहले 21 जुलाई 1969 को अमेरिका के नील आर्मस्ट्रांग, एडविन आल्ड्रिन और कॉलिंस ने कदम रखा।

(च) गौरी को जन्मदिन पर साइकिल उपहार में मिली।

(छ) लड़का बरगद के पेड़ पर उसके छोटे-छोटे फूलों और फलों को देखकर हँसा।

(ज) हम्पी के अवशेषों को देखकर यहाँ की समृद्धशाली सभ्यता का पता चलता है।

शब्दों का खेल

(क) ध्यानपूर्वक

(ख) चिकित्सक/डॉक्टर

(ग)

शब्द	**विलोम शब्द**
प्रारंभ	अंत/समाप्त
पुराना	नया
काला	सफेद
सुबह	शाम

(घ) (i) चिरायु— आपका पुत्र चिरायु हो।
(ii) सहर्ष— आपका निमंत्रण सहर्ष स्वीकार है।

(ङ) नर - मनुष्य, मानव, आदमी
प्रभु - भगवान, ईश्वर, परमात्मा
तन - शरीर, बदन, काया

करके देखिए

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

जाँच प्रश्न पत्र—2

लिखकर बताइए

(क) सभी लोग स्वस्थ प्रफुल्लित बालक से प्यार करते हैं।

(ख) आँखों के डॉक्टर ने रिया को यह समझाया कि तुम्हारी आँखों का जो हाल है, वह तुम्हारी खाने-पीने की गलत आदतों के कारण है। आँखों की रोशनी के लिए विटामिन 'ए' बहुत आवश्यक है जो हमें हरी सब्जियों और फलों से ही मिलती है पर तुम ये सब खाती नहीं हो। दूसरा कारण तुम्हारा पढ़ने का तरीका और टी.वी., मोबाइल आदि को करीब से देखना है। तुम्हें अपनी कापी-किताब लगभग 12 इंच की दूरी पर रखकर पढ़नी चाहिए। टीवी को बहुत नजदीक से नहीं देखना चाहिए। साथ ही मोबाइल फोन का अधिक देर तक प्रयोग भी आँखों को नुकसान पहुँचाता है। यदि तुम इन सब बातों का ध्यान रखोगी तो तुम्हारी आँखें कभी खराब नहीं होंगी।

(ग) लाल बत्ती रुकने का, हरी बत्ती चलने का तथा पीली बत्ती चलने के लिए तैयार रहने का संकेत बताती है।

(घ) पेड़-पौधों का हमारे वातावरण पर बहुत प्रभाव पड़ता है। पेड़-पौधों से वातावरण शुद्ध रहता है। ये वातावरण के लिए फेफड़ों का काम करते हैं। ये ऑक्सीजन छोड़ते हैं और वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर हवा को शुद्ध करते हैं। पेड़-पौधों से ही वर्षा होती है।

(ङ) 'काकोरी' में सरकारी खजाना लूटने का काम रामप्रसाद 'बिस्मिल' के नेतृत्व में किया गया था।

(च) डी० आर० डी० ओ० का पूरा नाम डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन है।,

(छ) हामिद ने अपनी दादी को चिमटा खरीदने का कारण उनकी उँगलियों का तवे से जल जाना बतलाया।

शब्दों का खेल

(क) दुर्बल - सबल, ठण्डा - गरम

(ख) प्रयोग + शाला, राज + मार्ग

(ग) जल्दी-जल्दी - पुनरुक्त

आगे-पीछे- विपरीतार्थक

(घ) देव और वैभव खेल रहे थे।

(ङ) अंकुर, नेहा, प्रिया और सोनू खेल रहे हैं।

करके देखिए

1. ओणम **2.** भैया दूज

3. वैसाखी **4.** राखी

5. क्रिसमस **6.** दशहरा

7. ईद **8.** छठ

9. पोंगल **10.** होली

हिन्दी - 5

पाठ—1
एक बूँद

बातचीत के लिए

1. 'एक-बूँद' कविता के रचनाकार का नाम अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' है।

2. बारिश की बूँद बादलों की गोद से निकलकर आगे बढ़ती है।

3. लोग घर छोड़ते समय प्राय: झिझक व संकोच का अनुभव करते हैं।

4. सीप के मुँह में समाकर बूँद मोती बन गई।

लिखकर बताइए

1. (क) इस कविता में एक बूँद का वर्णन किया गया है।

(ख) बादलों की गोद से निकलकर बूँद यह सोचने लगी कि मैं क्यों अपना घर छोड़कर बाहर निकली? हे भगवान! पता नहीं मेरे भाग्य में क्या लिखा है? मैं बचूँगी या धूल में मिलूँगी, किसी अंगारे पर गिरकर जलूँगी या किसी कमल के फूल में टपक जाऊँगी।

(ग) बादलों की गोद से निकलकर बूँद हवा में बहती हुई समुद्र की ओर चली गयी और वहाँ एक सुन्दर सीप के खुले हुए मुँह में गिरकर मोती बन गई।

(घ) बूँद के मन में अपना घर छोड़ने के बाद ये विचार आए कि वह अपना घर छोड़कर आ गई है? पता नहीं विधाता ने उसके भाग्य में क्या लिखा है? अब वह बचेगी या धूल में मिल जाएगी या फिर किसी अंगारे पर गिरकर जल जायेगी या किसी कमल के फूल में टपक जायेगी।

2. (क) देवता को

(ख) नष्ट हो जाना

(ग) किसी अच्छी जगह पहुँचना

(घ) धूल में मिलना

3. (क) यहाँ कवि उस काल की बात कर रहा है जब एक बूँद बादल से निकलने के बाद पछता रही थी।

(ख) बूँद समुद्र की ओर प्रसन्न मन से इसलिए नहीं आई क्योंकि विशाल समुद्र में उसका अस्तित्व समाप्त हो जायेगा।

(ग) एक सुन्दर सीप का मुँह खुला था।

(घ) एक सुन्दर सीप के मुँह में गिरने के बाद बूँद मोती बन पाई।

शब्दों का खेल

1. (क) कर (हाथ) - प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रधानाचार्य के कर कमलों से होगा।
कर (करना) - प्रधानाचार्य प्रदर्शनी का उद्घाटन कर भाषण देंगे।

(ख) कढ़ी (एक भोजन) - घर पर आज कढ़ी-चावल बने हैं।
कढ़ी - (निकलना) - मैं अपने घर से क्यों कढ़ी?

2. (क) बरबाद हो जाना - राम ने अच्छी सजावट की थी पर एक आँधी के झोंके से सब धूल में मिल गया।

(ख) हवा चलना - शाम को शीतल हवा बहती है।

(ग) किस्मत में लिखा होना - जो हमारे में भाग्य में बदा होगा, वही होगा।

चित्रकारी और लेखन

कमल सीपमोती बूँद

बूझो पहेली

1. कमल **2.** झिझकना

3. अँगारा **4.** अनमनी

5. बादल **6.** समुद्र

पाठ—2
वाणी का महत्त्व

बातचीत के लिए

1. राजा मानसिंह कुशीनगर नामक राज्य में शासन करते थे।

2. राजा मानसिंह को शिकार का शौक था।

3. नेत्रहीन साधु था।

4. राजा ने साधु को महात्मन् कहकर संबोधित किया।

5. हमें सभी के साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

लिखकर बताइए

1. (क) सैनिक राजा को इसलिए खोज रहे थे क्योंकि वे वन में उनसे बिछुड़ गये थे।

(ख) सैनिक, सेनापति और मंत्री ने साधु से एक ही प्रश्न किया कि क्या उसने राजा को इधर से जाते हुए देखा है?

(ग) साधु की इस बात पर राजा को आश्चर्य हुआ कि अंधे होते हुए भी साधु ने सैनिकों, सेनापति, मंत्री तथा उसे कैसे पहचान लिया?

(घ) राजा के पूछने पर साधु ने उन्हें बताया कि—"राजन्! सैनिकों ने मुझे 'अरे अंधे', सेनापति ने 'अंधे बाबा', मंत्री ने 'अरे साधु' और आपने 'महात्मन्' कहकर पुकारा। राजन् हम नेत्रहीन अपनी आँखों से नहीं वरन् मनुष्य को उसकी वाणी और विनम्रता से पहचान सकते हैं।"

2. (क) दोनों (ख) आश्रम
(ग) पूजा में (घ) घोड़े पर
(ङ) दोनों

3. (क) हिरण (ख) राजा
(ग) सिर (घ) आश्रम

4. (क) मंत्री ने, साधु से कहा
(ख) राजा ने, साधु से कहा
(ग) राजा ने, साधु से कहा
(घ) साधु ने राजा से कहा

5. (क) सैनिक आश्रम में गए।
(ख) सैनिक ने साधु से राजा के बारे में पूछा।
(ग) साधु ने 'ना' कहकर अपना सिर हिला दिया।
(घ) सेनापति ने साधु को 'अंधे बाबा' कहकर पुकारा।

शब्दों का खेल

1. दरवाजे पर कोई है। तुम शरारत मत करना। इसे मेज पर रखा दो। मैं बहुत कमजोर हूँ। मैं गृहकार्य कर रही हूँ। ये कौन हैं?

2.

विनम्र	स्वभाव
राज्य	व्यवधान
रमणीक	संस्कार

3. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग
(ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग

चित्रकारी

छात्र-छात्रा स्वयं बनायें।

यह भी समझें

यदि हमको मार्ग में कोई ऐसा नेत्रहीन व्यक्ति मिल जायेगा, जो कि रास्ता भटक गया हो, तो हम उसका हाथ पकड़कर उसे उस स्थान तक ले जायेंगे जहाँ से वह आसानी से अपने स्थान तक पहुँच सके।

पाठ—3
ढोंगी साधु

बातचीत के लिए

1. यह घटना गौरी गाँव की है।

2. मुकेश आम के पेड़ पर फल तोड़ने के लिए चढ़ा था।

3. मुकेश ने संदिग्ध अवस्था में पीपल वाले बाबा को देखा।

4. साधु की गठरी में मृत बाबा थे।

5. नकली बाबा वास्तव में डाकू क्रूर सिंह था।

6. डाकू को पकड़वाने पर मुकेश को पचास हजार रुपये का इनाम मिला।

7. मुकेश को गले लगाकर जमींदार ने यह कहा कि—"मुझे तुझ पर बहुत गर्व है।"

लिखकर बताइए

1. (क) साधु योगी से 'वत्स' शब्द सुनकर सकपका गया।

(ख) मुकेश रात-भर इसलिए नहीं सो सका क्योंकि वह उस धूर्त, ढोंगी साधु की सच्चाई सबके सामने उजागर करने की ऐसी युक्ति तलाशने में जुट गया, जिससे लोगों में उसके प्रति उपजी अंध श्रद्धामिट सके और वे सच जान सकें।

(ग) मुकेश ने गाँव में विद्यालय खुलवाने की घोषणा इसलिए की कि वह नहीं चाहता था कि फिर कोई बच्चा बड़ा होकर अंधश्रद्धा का शिकार न हो और शिक्षित होकर अपना विवेक जाग्रत कर सके।

(घ) हमें अंधश्रद्धा इसलिए नहीं रखनी चाहिए जिससे हमें बाद में पछताना न पड़े।

2. (क) मुकेश (ख) गेरुए
(ग) योगी बाबा (घ) डाकू

3. (क) सच (ख) प्रवचन
(ग) साधु (घ) अंत:पुर

4. (क) गलत (ख) सही
(ग) सही (घ) गलत

5. (क) समझदार व्यक्ति(iii) मुकेश
(ख) ढोंगी (iv) साधु
(ग) डाकू (v) क्रूरसिंह

(घ) पीपलवाले बाबा (i) सिद्ध पुरुष
(ङ) इनाम (ii) पचास हजार रुपये

शब्दों का खेल

1. मूर्ख — अशिक्षित
अपमान — नकली
जीवित — असाधु
झूठ — दिनभर
शिष्य — कुसंग

2 (क) अवश्या (अवस्था) अव्सथा अवसथा
(ख) दक्षिना (दक्षिणा) दच्छिणा दाक्षिणा
(ग) (समझदार) समजदार समाजदार समझादार
(घ) (आश्रम) आसम अश्रम आसरम

3. (क) बड़े-बुजुर्ग (ख) पत्ते - टहनियाँ
(ग) मान -सम्मान (घ) आस्था - विश्वास

4. (क) भारत को हराना पाकिस्तान के बस की बात नहीं है।
मेरी स्कूल बस समय पर आती है।
(ख) मुझे स्कूटर की मरम्मत करानी है।
पुलिस ने चोर की खूब मरम्मत की।
(ग) सोहन चद्दर तान कर सो गया।
उसकी सुरीली तान ने सबको बाँध रखा था।

खोजें - जानें

1. (क) मुकेश बहुत ही समझदार व्यक्ति था।
(ख) वह शिक्षित था।
(ग) लोग उसकी इज्जत करते थे और सम्मान देते थे।
(घ) वह परिश्रमी था।
(ङ) वह साहसी व दृढ़ निश्चयी था।

खेल खेल में

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें

1. यदि मुकेश की जगह मैं होता तो संभवत: इतना साहस नहीं कर पाता। हाँ इतना अवश्य करता कि लोगों को उस ढोंगी साधु की वास्तविकता अवश्य बताता फिर चाहे कोई माने या न माने।

2. नहीं, मैंने आज तक ऐसा साहसिक कार्य नहीं किया।

पाठ—4
काम के नंबर

बातचीत के लिए

1. पुलिस को बुलाने के लिए हम 100 नंबर पर फोन करेंगे।
2. एम्बुलेंस के लिए हम 102 नंबर पर फोन करेंगे।
3. आग लगने पर हम 101 नंबर पर फोन करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) रूही के घर में चोर आ गया था।
(ख) सानवी की दादी के सीने में तेज दर्द उठा था।
(ग) रूही की सहेली का नाम सानवी था।
(घ) दिव्यांश ने फायरब्रिग्रेड को फोन किया क्योंकि शर्मा अंकल के घर से उसने धुआँ निकलते देखा था।

2. (क) पाँचवीं (ख) क्रिकेट
(ग) दिव्यांश (घ) शर्मा

3. (क) गलत (ख) सही
(ग) गलत (घ) सही

शब्दों का खेल

1. सातवीं आठवी नौवीं दसवीं ग्यारहवीं

2. दुश्मन — दूर — बाद में
शाम — पुलिस — देर

3. हम पिकनिक पर जा रहे हैं।
चोर पकड़वाने पर लोगों ने मुझे शाबाशी दी।
दादी को अस्पताल ले गये।

करके देखिए

1. छात्र-छात्रा अध्यापक महोदय की सहायता से जानें।

2. एक बार मैं अपने दोस्तों के साथ ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रहा था। अचानक हमारे सामने एक ऑटो रिक्शा पलट गया। हमने तुरंत उस ऑटो को सीधा किया और उसमें फँसे लोगों को निकाला। ड्राइवर को बहुत चोट आई थी। मैंने तुरंत अपने मोबाइल से 100 नंबर डायल करके पुलिस को सूचना दे दी और 102 नंबर मिलाकर एम्बुलेंस के लिए सूचित कर दिया। 10 मिनट के अंदर दोनों आ गए। हमने उन्हें पुलिस व एम्बुलेंस को सौंप दिया। उन घायलों ने अपने घरवालों को फोन कर दिया था। ड्राइवर से नम्बर लेकर मैंने उसके घर पर सूचना दे दी और अपने घर वापस आ गए क्योंकि ट्यूशन क्लास का समय निकल चुका था।

यह भी समझें

दिव्यांश, रुही और सानवी ने जो किया वो मेरी दृष्टि से उचित था क्योंकि हमें हमेशा सतर्क व जागरूक रहना चाहिए। हमारी जरा-सी लापरवाही हमें किसी बड़ी परेशानी में डाल सकती है। अगर रूही हिम्मत नहीं दिखाती तो चोर उसके घर से गहने और रुपये चुराकर ले जाते। अगर सानवी हिम्मत और बुद्धि

से काम न लेती तो उसकी दादी की जान चली जाती। दिव्यांश ने एक अच्छे पड़ोसी होने का फर्ज निभाया। एक अच्छे पड़ोसी का यही धर्म है कि मुसीबत के समय एक-दूसरे की सहायता करें।

पाठ—5

जगमग - जगमग

बातचीत के लिए

1. 'जगमग-जगमग' कविता के रचनाकार का नाम सोहनलाल द्विवेदी है।
2. दीपों को नदियों, नहरों में तैरते हुए बताया गया है।
3. दीपावली की श्री कदम-कदम पर है।
4. दीपावली का त्योहार कार्तिक महीने में आता है।
5. पटाखे चलाने से प्रदूषण बढ़ता है।

लिखकर बताइए

1. (क) कविता में दीपावली पर्व की सुंदरता का वर्णन है।
(ख) बाहर और भीतर प्रकाश होने का अर्थ चारों ओर उजाला होना हो सकता है।
(ग) नदी तथा नहरों में जलाये गये दीप लहरों के साथ आगे-पीछे होते हुए अत्यंत आकर्षक लगते हैं।
(घ) दृग को ठगने से अभिप्राय आँखों को आकर्षित करना है।
(ङ) दीपावली के दीपक राजा के महल, गरीब की झोपड़ी, छज्जे, छत, आले, तुलसी की क्यारी, पर्वत, नदियों-नहरों की प्यारी-प्यारी लहरों में दिखाई देते हैं।
2. (क) उजियाली (ख) नेत्रों को
3. (क) आले में (ख) सुधार
(ग) कंगले (घ) श्री
4. (क) गलत (ख) सही
(ग) सही (घ) गलत
5. (क) पर्वतों में दीप जलाने का अर्थ है—दुर्गम स्थान को सुगम बनाकर प्रकाशित करना।
(ख) नदियों में दीप जगमगाने का अर्थ है— दीपक के प्रकाश से नदियों का आकर्षण बढ़ाना।
(ग) 'तैरते दीप कैसे भग-भग' का अर्थ है कि नदियों व नहरों में तैरते दीपक जगमगाते हैं।

शब्दों का खेल

1. (क) उजियाली (ख) नन्हे
(ग) दृग (घ) छज्जों
2. (क) यहाँ जगमग दीपक जलते हैं। - स्थानवाचक
(ख) घरों में बाहर भी दीप जलते हैं। - स्थानवाचक
(ग) अंदर भी अत्यंत रोशनी होती है।
- स्थानवाचक
(घ) दीपावली की शाम जगमग होती है।
- समयवाचक / कालवाचक

करके देखिए

1. (क) छात्र- छात्रा स्वयं करें
2. (क) छात्र- छात्रा स्वयं करें

यह भी समझें

1. दीपावली पर्व से यह संदेश मिलता है कि अंधकार पर प्रकाश की तथा बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत होती है।
2. मैं दीपावली के त्योहार को प्रदूषणरहित मनाने के लिए ऐसे दीपों का प्रयोग करूँगा जो पर्यावरण के अनुकूल हों। ईको-फ्रेंडली, ग्रीन या पर्यावरण के अनुकूल पटाखों का प्रयोग करूँगा।
3. मुझे दीपावली का त्योहार इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि यह त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है तथा धन और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी से संबंधित है।

पाठ—6

कर्त्तव्य का ज्ञान

बातचीत के लिए

1. कौरवों और पांडवों की सेनाएँ युद्धभूमि कुरुक्षेत्र में खड़ी थीं।
2. अर्जुन युद्ध इसलिए नहीं करना चाहता था क्योंकि शत्रु सेना में सब के सब योद्धा उसके स्वजन थे।
3. श्रीकृष्ण के अनुसार वीरों का धर्म अधर्म पर चलने वालों का नाश करना है।

लिखकर बताइए

1. (क) शत्रु पक्ष में अर्जुन को पितामह भीष्म, गुरु द्रोण, मामा शल्य आदि योद्धा खड़े दिखाई दिए।
(ख) श्रीकृष्ण ने अर्जुन को वीरों का धर्म समझाया।
(ग) आत्मा के विषय में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया कि मनुष्य की आत्मा अमर है। जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्र बदलकर नए वस्त्र धारण करता है उसी प्रकार आत्मा भी एक शरीर त्यागकर दूसरा शरीर धारण करती है।

(घ) श्रीकृष्ण ने सच्चे संन्यासी की यह पहचान बताई है कि जो अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए किसी फल की इच्छा नहीं करता वह ही सच्चा संन्यासी होता है।

2. (क) रथ सेनाओं के बीच ले चलें।
(ख) अपने संबंधियों से
(ग) फल की इच्छा किए बिना कर्म करें

3. (क) रथ (ख) स्वजनों
(ग) आत्मा (घ) कोलाहल

4. (क) सही (ख) गलत
(ग) गलत (घ) सही

शब्दों का खेल

1. पार्थ, अर्जुन, जनार्दन, धर्म
द्रोण, राष्ट्र, प्रथम, ट्रक
क्षत्रिय, पक्ष, क्षत्र, रक्षा
शस्त्र, अस्त्र, पत्र, त्रिशूल
ज्ञान, यज्ञ, आज्ञा, अज्ञान

2. (क) मुझसे शस्त्र नहीं उठाए जायेंगे।
(ख) मुझसे निंदा नहीं की जायेगी।

3. (क) पुण्य (ख) कायर (ग) धर्म
(घ) नये (ङ) पराजय

करके देखिए

1. महाभारत का युद्ध कौरवों की उच्च महत्वाकांक्षाएँ और धृतराष्ट्र के पुत्र मोह के कारण हुआ था। दुर्योधन का अहंकार भी महाभारत के युद्ध का एक प्रमुख कारण रहा।

2. महाभारत के युद्ध में भाग लेने वाले प्रमुख योद्धा जरासंध, भीष्म पितामह, कर्ण, द्रोणाचार्य, अश्वत्थामा आदि थे।

जरासंध

मगध राज्य के नरेश जरासंध मथुरा के राजा कंस का ससुर एवं परममित्र था। उसने श्रीकृष्ण का वध करने के लिए 17 बार मथुरा पर चढ़ाई की। जरासंध के कारण श्रीकृष्ण को मथुरा छोड़कर द्वारिका जाना पड़ा। महाभारत के युद्ध में 28 दिन तक युद्ध करने के बाद भीमसेन ने श्रीकृष्ण के इशारे पर उसे चीरकर उसके टुकड़े अलग-अलग दिशा में फेंककर उसका वध किया था।

भीष्म पितामह

महाभारत युद्ध के सबसे शक्तिशाली योद्धा भीष्म पितामह थे। उन्हें इच्छामृत्यु का वरदान था। ये कौरव-पाण्डव के पितामह थे।

कर्ण

महाभारत युद्ध का तीसरा सबसे शक्तिशाली योद्धा कर्ण को माना जाता है। इसे सूर्य पुत्र के नाम से भी जाना जाता है। यह दानवीर भी था।

द्रोणाचार्य

द्रोणाचार्य कौरव और पाण्डव दोनों के गुरु थे। इन्हें महाभारत युद्ध का चौथा सबसे शक्तिशाली योद्धा माना जाता है।

अश्वत्थामा

अश्वत्थामा गुरु द्रोणाचार्य का पुत्र था। महाभारत के युद्ध में इसने कौरवों के साथ सक्रिय भाग लिया था। इसे भगवान शंकर से अमरता का वरदान मिला था। इनके मस्तक पर एक ऐसी मणि थी जो सभी विपत्तियों से इसकी रक्षा करती थी। कहते हैं यह आज भी कहीं पर जीवित हैं।

3. छात्र-छात्रा स्वयं करें

यह भी समझें

1. श्री कृष्ण ने वीरों का धर्म अधर्म पर चलने वालों का नाश करना बताया है। वीरों का यह धर्म मेरी दृष्टि में पूरी तरह से उचित है।

2. कर्म करो, फल की इच्छा मत करो क्योंकि कर्म करना हमारे हाथ में होता है और उसका फल देना दूसरों के हाथ में होता है। हमारा बस दूसरों पर नहीं होता, अपने आप पर ही होता है। अत: हम कर्म कर सकते हैं और कर्म करेंगे तो फल तो मिलेगा ही। अच्छे कर्म का अच्छा फल मिलता है और बुरे कर्म का बुरा फल मिलता है।

3. इस पाठ में श्रीकृष्ण ने आत्मा को अजर-अमर और शरीर को नश्वर बताया है। उन्होंने कहा है कि मनुष्य की आत्मा कभी नहीं मरती है। जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्र बदलकर नए वस्त्र धारण करता है, उसी प्रकार आत्मा भी एक शरीर त्यागकर दूसरा शरीर धारण करती है।

पाठ—7

महाराजा रणजीत सिंह

बातचीत के लिए

1. महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के शासक थे।

2. महाराजा रणजीत सिंह का स्वभाव उदार व दयालु था।

लिखकर बताइए

1. (क) रणजीत सिंह अन्य राजाओं से अलग थे क्योंकि वे राजसी ठाठ-बाट की बजाय

दीन-दुखियों पर दया करने जैसे महान कार्यों को प्राथमिकता देते थे।

(ख) रणजीत सिंह के माथे पर अचानक कहीं से पत्थर आकर लगने से रक्त की धारा बहने लगी।

(ग) मंत्री ने बूढ़ी महिला से कहा कि "तुझे पता है, तूने क्या किया है? तेरे पत्थर से महाराजा लहूलुहान हो गये हैं। अब दण्ड भोगने के लिए तैयार हो जा।"

(घ) महाराजा रणजीत सिंह ने बूढ़ी महिला को दंड देने की बजाय यह कहा, "माँ! क्षमा तुम्हें नहीं, मुझे माँगनी चाहिए। राजा का यह कर्त्तव्य होता है कि उसके राज्य में उसकी प्रजा खुशहाल रहे। तुम्हारी निर्धनता मेरे शासन की निर्बलता है।"

2.

(क)	
मंत्री ने	आग-बबूला होते हुए कहा।
महाराज तेरे पत्थर से	लहूलुहान हो गए।
बूढ़ी महिला राजा के मुख से	'माँ' शब्द सुनकर ही पानी-पानी हो गई।
बीमार नन्हे पोते को	भूख से तड़पता नहीं देख सकी।
तुम्हारी निर्धनता	मेरे शासन की निर्बलता है।

3. (क) पोता (ख) गरीब बूढ़ी महिला ने

(ग) बूढ़ी महिला की निर्धनता

शब्दों का खेल

1. (क) बूढ़ी महिला के मुख में से आशीर्वचन बरसने लगे।

(ख) राजा-महाराजा शब्द का संबंध ठाठ-बाट से जुड़ा है।

(ग) पत्थर महाराजा के मस्तक पर जाकर लगा।

(घ) निर्धन लोगों को भरपेट भोजन भी नसीब नहीं है।

2. निरपराध रंक

सनाथ तुच्छ

दंड जवान

3. आग- बबूला होना – पुत्र की शैतानी पर पिता आग-बबूला हो गये।

पानी-पानी होना – वह 'माँ'; शब्द सुनकर ही पानी-पानी हो गयी।

लहूलुहान होना – बूढ़ी महिला के पत्थर से महाराजा लहूलुहान हो गये।

करके देखिए

1. छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें

2. छात्र-छात्रा स्वयं रंग भरें

यह भी समझें

(क) कोई बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पार करना चाहता है तो मैं उनका हाथ पकड़ कर उन्हें सड़क पार कराने में सहायता करूँगा/करूँगी।

(ख) कोई जानवर या चिड़िया घायल है तो मैं उसके स्वस्थ होने तक उसकी देखभाल करूँगा तथा चिकित्सा कराऊँगा या कराऊँगी।

(ग) मेरे मित्र का टिफिन घर छूट गया या खाना बिखर गया है तो मैं उसे अपने टिफिन में से खाना खिलाऊँगा/खिलाऊँगी।

यह भी जानें

1. एक बार महाराज रणजीत सिंह ने सेना के साथ जंगल में पड़ाव डाला, भोजन पकाते समय पता चला कि नमक लाना भूल गए। तब किसी ने कहा कि पास के गाँव में से जाकर नमक ले आएँ। जब सैनिक नमक लेकर आए तो महाराजा रणजीत सिंह ने पूछा, "क्या नमक का मूल्य दे आए? सैनिकों ने कहा, "नमक का भी क्या मूल्य देना।" तभी महाराजा ने कहा, " तत्काल नमक का मूल्य देकर आओ। यदि राजा मुफ्त में नमक लेगा तो उसके सिपाही तो पूरा गाँव ही लूट लेंगे।"

2. महाराजा रणजीत सिंह को 'कोहिनूर हीरा' शाह शुजा को कश्मीर के हाकिम मौहम्मद खान की कैद से आजाद करवाने पर वफा बेगम के वादे को याद दिलाते हुए तीन लाख रुपये नकद तथा पचास हजार रुपया वार्षिक जागीर दिए जाने पर प्राप्त हुआ था। यह हीरा 36 वर्ष तक सिख राज्य के तोषखाना को चार चाँद लगाता रहा था। इस बीच इसे कई बार लाहौर से अमृतसर लाया-ले जाया गया। सन् 1850 में यह हीरा अंग्रेज शासकों की सरपरस्ती में लाहौर से अमृतसर होते विदेशी धरती पर पहुँच गया और महाराजा दिलीप सिंह को इंग्लैंड भिजवाकर छल-फरेब से महारानी को भेंट करवा दिया। सन् 1953 में यह हीरा महारानी एलिज़ाबेथ (द्वितीय) के ताज में जड़ दिया गया। आजकल यह लंदन स्थित 'टॉवर ऑफ लंदन' संग्रहालय में रखा है।

पाठ—8
मुझमें भी प्राण हैं

बातचीत के लिए

1. दीपा थकान मिटाने के लिए सोफे पर बैठ गई।
2. सपने में दीपा स्कूल जाने के लिए घर से निकल रही थी।
3. दीपा के सामने नदी एक देवी के रूप में प्रकट हुई।
4. कमरे से बाहर आने पर दीपा ने देखा कि माँ वही पॉलिथिन पिताजी को पकड़ा रही है।

लिखकर बताइए

1. (क) दीपा सुबह से ही काम में माँ का हाथ बँटाने के कारण थक गई थी।
(ख) दीपा की माँ ने घर की साफ-सफाई पूजा के फूल-मालाएँ, धूप-अगरबत्ती के अधजले टुकड़े, मिट्टी के कलश एवं पीली पड़ चुकी कुछ पुरानी तस्वीरें एक बड़ी-सी पॉलिथिन में भरकर की।
(ग) दीपा ने सपने में पॉलिथिन को नदी में फेंका था।
(घ) देवी ने दीपा को अपना परिचय एक ऐसी नदी के रूप में दिया जिसे मानव दूषित करके हमेशा भूल जाता है।
(ङ) देवी ने गंगा, यमुना, कावेरी, गोमती आदि नदियों का नाम लिया।
(च) सपना टूटने के बाद दीपा के मन के अंदर से यह आवाज आई-"दीपा! जब जागो तभी सवेरा। आओ, प्रण करो कि नदियों को प्रदूषित होने से बचाएँगे। इसके लिए लोगों को जागरूक बनाएँगे।
(छ) इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि नदियाँ पानी का प्रमुख स्रोत हैं। यदि हम इन्हें दूषित करेंगे तो एक दिन हमारा जीवन संकट में पड़ जायेगा। अत: हमें नदियों को प्रदूषित नहीं करना चाहिए।

2. (क) प्रसाद
(ख) पॉलिथीन पकड़ा रही हैं।
(ग) उसे गले से लगा लिया।

3. (क) अस्पष्ट (ख) पुल
(ग) गला (घ) नदियों

शब्दों का खेल

1. (क) राजदुलारी (ख) जलधारा
(ग) कार्यक्रम (घ) अगरबत्ती

2. (क) अपवित्र (ख) अस्पष्ट
(ग) अस्वच्छ (घ) अहित

3. (क) विसर्जन (ख) रस
(ग) विषैला (घ) साइकिल

4. (क) तस्वीर बन गयी। (स्त्रीलिंग)
(ख) उसकी मृत्यु हो गयी। (स्त्रीलिंग)
(ग) मुझे सपना दिखाई दिया। (पुल्लिंग)
(घ) उसने अपना परिचय दिया (पुल्लिंग)
(ङ) आपकी बात से मुझे बहुत पीड़ा हुई। (स्त्रीलिंग)

करके देखिए

सजीव वस्तुएँ— 1. गाय, 2. बकरी 3. पौधे 4. पेड़ 5. नीम 6. बरगद 7. मनुष्य 8. कीड़े 9. पक्षी 10. फूल

निर्जीव वस्तुएँ— 1. कलम 2. कागज 3. किताब 4. कुर्सी 5. मेज 6. चादरें 7. बिस्तर 8. कपड़े 9. थैला 10. पर्दे

आइए, कुछ बनाएँ

छात्र-छात्राएँ निर्देशानुसार स्वयं बनाएँ

यह भी समझें

1. प्रदूषण रोकने के लिए हमें सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करना चाहिए, पेड़ लगाने चाहिए, प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए, दूषित पदार्थ नदियों में नहीं डालने चाहिए, पेड़ नहीं काटने चाहिए, जोर-जोर से भजन व गाने नहीं बजाने चाहिए आदि।
2. हमारे देश में नदियों को महान और पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि ये हमें केवल जल व फसल ही नहीं देतीं बल्कि हमारी सभ्यता को जन्म देकर उसका लालन-पालन भी करती हैं। यही कारण है कि हम अपने देश की नदियों को देवी के रूप में पूजते हैं। हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों ने इन नदियों के किनारे ज्ञान प्राप्त किया था।
3. मैं एक नदी हूँ। मेरा नाम यमुना है। पुराणों में मुझे सूर्य की पुत्री तथा यमराज की बहन कहा जाता है। मैं अपने घर हिमालय से उछलती-कूदती अपने स्वामी भगवान श्रीकृष्ण के सान्निध्य में मथुरा से होती हुई प्रयागराज में अपनी दोनों बड़ी बहनों गंगा और सरस्वती से मिल जाती हूँ। मेरा सबसे बड़ा दु:ख यह है कि बड़े-बड़े शहरों के कारखानों तथा नालों के पानी मुझमें मिलकर मुझे दूषित करते हैं।

यहाँ तक कि श्रद्धा-आस्था के नाम पर मूर्तियों का विसर्जन करके पूजन सामग्री मुझमें डाल देते हैं, जिससे मुझे बहुत परेशानी होती है। अगर आप लोग मेरी पूजा करने की जगह मुझे दूषित करना बन्द कर दोगे तो आपको पूजा से भी अधिक पुण्य प्राप्त होगा।

पाठ—9

इच्छा देवी का वरदान

बातचीत के लिए

1. सब बच्चे पार्क में इकट्ठे हुए थे।

2. 'मनमानी का बरदान' देने इच्छा देवी आयी थी।

3. इच्छा देवी ने बच्चों को मनमानी करने का वरदान दिया था।

4. इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हमें बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए तथा मनमानी नहीं करनी चाहिए।

लिखकर बताइए

1. (क) बच्चे बड़ों की रोकटोक से परेशान थे।

(ख) रिया की माताजी उसे जूते उचित स्थान पर रखने, कमरा साफ करने तथा किताबें सँभालकर रखने के लिए कहती थीं।

(ग) वरदान पाकर भी बच्चे इसलिए परेशान रहने लगे क्योंकि वे पढ़ाई में पिछड़ने लगे, उनका कमरा गंदा रहने लगा, बालों में कंघी न होने से उनकी शक्लें बिगड़ने लगीं, पार्क गन्दा रहने लगा तथा उन्हें फेल होने का डर बैठ गया था।

(घ) बच्चों को अपनी भूल का अहसास तब हुआ जब उन्हें यह महसूस हुआ कि बड़े हमारी भलाई के लिए रोक लगाते हैं। वे चाहते हैं कि हम पढ़-लिखकर अच्छे बनें। वे हमें साफ-सफाई में रहना सिखाते हैं जिससे हम स्वस्थ रहें।

(ङ) अंत में इच्छा देवी ने बच्चों को समझाया कि तुम अपने माता-पिता, गुरु तथा बड़ों की हर बात मानोगे।

2. (क) शिक्षक (ख) पार्क
(ग) वरदान (घ) मनमानी
(ङ) रोक

3. (क) आर्यन ने (ख) इच्छा देवी ने
(ग) आर्यन ने

4. (क) गलत (ख) गलत
(ग) सही (घ) सही

शब्दों का खेल

1. (क) प्रश्नवाचक (ख) नकारात्मक
(ग) इच्छावाचक (घ) विधानसूचक

2. (क) अस्वस्थ (ख) सफाई
(ग) अभिशाप (घ) बद्ध, ग्रस्त

3. (क) क्षत्रिय (ख) कक्षा
(ग) रक्षक (घ) अक्षय

4. (क) बच्चे अपना कमरा, पार्क, कक्षा सभी कुछ गंदा कर देते थे।

(ख) बच्चों की परेशानी को किसने हल किया?

(ग) इच्छा देवी ने बच्चों को वरदान दिया।

(घ) बच्चे कागज़, कूड़ा, गंदगी, छिलके सभी कुछ फैलाते थे।

करके देखिए

1. छात्र-छात्रा स्वयं करें

2. मेरी दिनचर्या: सुबह 5: 00 बजे उठना, शौच, दंतमंजन से निवृत्त होना, सुबह 5: 30 योग व्यायाम आदि करना। सुबह 6: 30 स्वाध्याय करना। सुबह 7: 30 स्नान-ध्यान करना। सुबह 8: 00 जलपान करना। सुबह 8: 15 8: 30 विद्यालय के लिए निकलना। विद्यालय में यथासमय घर से लाया भोजन करना। दोपहर 2:30 - 3:00 विद्यालय से आना। दोपहर 4 बजे तक भोजन-विश्राम आदि करना। दोपहर 4 बजे से 6 बजे तक- खेलकूद, सायं 6 बजे से 8:30 तक विद्यालय का गृहकार्य करना, सायं 8:30 बजे से 9:30 तक स्वाध्याय करना। रात 10: 00 बजे दूध पीकर सो जाना।

नोट:- शीतकालीन दिनचर्या तथा ग्रीष्मकालीन दिनचर्या में सुबह आधा घण्टा व्यवस्थित किया जा सकता है।

1. (क) अनुशासन हमारे चरित्र को उच्चतम बनाता है।

(ख) अनुशासन हमें अच्छाई और बुराई में अन्तर करना सिखाता है।

(ग) अनुशासित व्यक्ति का सभी सम्मान करते हैं।

यह भी समझें

1. हाँ, मैं बड़ों की आज्ञा का पालन करता/करती हूँ।

2. माता-पिता हमें बड़ों का आदर करना, बुजुर्गों के साथ सम्मान से बात करना और छोटों से प्यार करना सिखाते हैं। इसके साथ ही सत्य बोलना तथा ईमानदारी व परिश्रम के साथ जीवन जीने की सीख हमारे माता-पिता ही देते हैं।

3. हम घर में तथा कक्षा में अनुशासन का पालन पूरी तरह से करते हैं। घर में समय पर उठकर अपने व्यक्तिगत कामों से निवृत्त होकर माता-पिता का सहयोग करते हैं। समय पर परिवार के साथ बैठकर खाना खाते हैं। अनावश्यक बाहर नहीं घूमते हैं। उसी प्रकार अपनी कक्षा में भी अनावश्यक बात-चीत नहीं करते। बिना पूछे कक्षा में प्रवेश नहीं करते और न ही बाहर जाते हैं। हम कक्षा में शांत रहते हैं, अनावश्यक बातें नहीं करते हैं।

पाठ—10

आसमान में उड़ते पक्षी

बातचीत के लिए

1. पक्षी सदा प्रसन्नचित्त रहता था।

2. स्वतंत्र रहना पक्षी को सुखकर लगता था।

3. पक्षी की स्वतंत्रता पिंजरे में बन्द होकर छिन गई।

लिखकर बताइए

1. (क) पक्षी को सभी सुखों का आभास पेड़ पर बने घोंसलें में मिलता था।

(ख) पक्षी अपने सुहृदजनों के साथ सदैव प्रसन्नचित्त रहता था।

(ग) आकाश में घूमने की याद करके पक्षी का हृदय संतप्त हो उठता है।

(घ) आकाश में जब पहली बार बादल छाते थे तब उन्हें देखकर पक्षी का हृदय नाच उठता था।

2. (क) जीवन (ख) नरक

(ग) जल (घ) सुखकर

3. (क) सुखकर (ख) उसकी स्वतंत्रता

4. (क) पक्षी का पिंजरे में बंद हो जाने पर भीषण परिवर्तन हुआ था।

(ख) दुखिया का स्वंतत्रता जैसा जीवनरूपी धन लुट गया।

(ग) यहाँ दुखिया पिंजरे में बंद पक्षी को बताया है।

(घ) स्वतंत्रता को प्राणधन कहा गया है।

शब्दों का खेल

1. (क) आ + वास (ख) सु + ह्रद

(ग) वि + चरण (घ) सम् + तप्त

(ङ) सु + आगत

(च) प्र + मोद (छ) सु + आ = धीन

(ज)परि + वर्तन (झ) स + हित

(ञ)सु + तंत्र

2. विद्यालय सर्वोदय

सूर्योदय निर्बल

3. (क) पेड़ वृक्ष तरुवर

(ख) पानी नीर वारि

(ग) मेघ जलद नीरद

चित्रकारी और लेखन

छात्र-छात्रा स्वयं करें

(दो पंक्तियाँ हम लिखते हैं, आगे की आप लिखिए)

हरी-हरी पीपल की डाली

उस पर बैठी कोयल काली।

पवन चल रही मतवाली।

झूम रही है डाली-डाली।

यह भी समझें

हमें पशु-पक्षियों को बंदी बनाकर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करके हम उनके साथ क्रूरता का व्यवहार करेंगे।

पाठ—11

पर्यावरण प्रदूषण

बातचीत के लिए

1. प्रदूषण का अर्थ है—प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना।

2. प्रदूषण के चार प्रकार हैं—जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण।

3. जल प्रदूषण से हैजा, पीलिया आदि बहुत-सी बीमारियाँ हो जाती हैं।

4. धरती का वायुमंडल यातायात के साधनों, उद्योगों की चिमनियों से निकलने वाले धुएँ तथा विस्फोटक पदार्थों के विषैले धुओं के कारण प्रदूषित हो रहा है।

5. भूमि की उर्वरक क्षमता को वृक्ष बढ़ाते हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) आधुनिक साधनों को प्राप्त करने के प्रयासों में हमारे द्वारा अच्छा-बुरा न सोचने के कारण प्रदूषण होता है।

(ख) मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए हरे-भरे पेड़-पौधों को काटकर तथा उद्योगों को लगाकर उससे निकलने वाले धुएँ व दूषित पदार्थों से पर्यावरण को दूषित करते हैं।

(ग) प्लास्टिक हमारी धरती के लिए हानिकारक है, क्योंकि प्लास्टिक कचरे के रूप में कभी गलता नहीं है। उसका अस्तित्त्व किसी-न-किसी रूप में रहता है, जिससे धरती की उर्वरता कम हो जाती है।

(घ) ध्वनि प्रदूषण हमारे काम करने की क्षमता और गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इससे हमारे कानों के सुनने की शक्ति कम होती है। इसके कारण उच्च रक्तचाप, मानसिक तनाव जैसी बीमारियाँ होती हैं।

(ङ) पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए हम सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना होगा। इसके लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना होगा, वृक्षों का अंधाधुंध कटाव रोककर वृक्षरोपण करना होगा, प्लस्टिक की वस्तुओं का उपयोग पूरी तरह बंद करना होगा, वाहनों तथा मशीनों का उपयोग कम करके हाथ से बनी वस्तुओं का उपयोग करना होगा। तभी हम पर्यावरण प्रदूषण को रोक सकते हैं।

2. (क) जीवन (ख) धुआँ
(ग) मौसम (घ) जागरूक
(ङ) प्लास्टिक

3. (क) सही (ख) गलत
(ग) सही (घ) गलत

शब्दों का खेल

1. नदियाँ चिमनियाँ
पौधे/पौधों रेलगाड़ियाँ
नालियाँ कारखानों
दवाइयाँ बीमारियाँ

2. वातावरण अत्यधिक
उपस्थित विद्यालय

खोजें-जानें

1. कक्षा को चार समूहों में बाँटकर प्रदूषण के चारों प्रकारों—जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण पर छात्र-छात्रा स्वयं चर्चा करें।

2. छात्र-छात्रा स्वयं करें।

3. **1.** पेड़ हमें शुद्ध वायु देते हैं। **2.** पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। **3.** पेड़ कार्बनडाइआक्साइड को ग्रहण करते हैं। **4.** पेड़ मिट्टी को बाँधते हैं। **5.** पेड़ धरती की ऊपरी परत को बाढ़ तथा तेज हवाओं से बचाते हैं। **6.** पेड़ हमें फूल देते हैं। **7.** पेड़ हमें फल देते हैं। **8.** पेड़ों से हमें लकड़ियाँ व कागज प्राप्त होता है। **9.** पेड़ बादलों को आमन्त्रित करते हैं। आदि के आधार पर छात्र-छात्राएँ स्वयं कक्षा में प्रश्नमंच का आयोजन कर सकते हैं।

आओ कुछ बनाएँ

तिथि	दिवस	उद्देश्य
5 जून	विश्वपर्यावरण दिवस	पर्यावरण संबंधी जागरूकता पैदा करना।
16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस	खाद्य उत्पन्न करने हेतु जानकारी देना।
22 मार्च	विश्व जल दिवस	जल संरक्षण तथा जल प्रदूषण के प्रति चेतना उत्पन्न करना।
11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस	बढ़ती जनसंख्या के प्रति सचेत करना।
22 अप्रैल	पृथ्वी दिवस	पृथ्वी की रक्षा करने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सचेत करना।

- महात्मा गाँधी की जयन्ती से एक दिन पहले रविवार को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत लोगों ने श्रमदान किया। राजू, मोनी, स्वीटी और अमन अपने घर के पास पार्क में गये। वहाँ तीन कूड़ेदान रखे थे। सूखे कचरे के लिए नीला कूड़ादान, गीले कचरे के लिए हरा कूड़ादान तथा पुरानी दवाई आदि के लिए लाल कूड़ादान रखे हुए थे। राजू झाड़ू से पार्क को साफ करके कचरा एक जगह

इकट्ठा कर रहा है। मोनी और स्वीटी एक थैलें में बोतल आदि इकट्ठा कर रही हैं। अमन कचरे को कूड़ेदान में डाल रहा है। इनके इस श्रमदान से पार्क साफ-सुथरा दिखाई दे रहा है।

यह भी समझें

1. मानव और पेड़-पौधे एक-दूसरे पर निर्भर हैं क्योंकि मानव पेड़-पौधों को संरक्षण देता है। उनका रखरखाव करता है बदले में पेड़-पौधे हमें जीवन दायनी ऑक्सीजन देते हैं। हमें फल-फूल-लकड़ी और कागज देते हैं। यहाँ तक हमें श्वास लेने के लिए शुद्ध वायु भी देते हैं। अत: स्पष्ट है कि मानव के बिना पेड़-पौधों का तथा पेड़-पौधों के बिना मानव का अस्तित्व नहीं है।
2. प्रदूषण की रोकथाम के लिए हम अपने स्तर पर निम्न उपाय कर सकते हैं—

   (i) हमें सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करना चाहिए।

   (ii) हमें वृक्षारोपण करना चाहिए।

   (iii) वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई पर रोक लगानी चाहिए।

   (iv) प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए।

   (v) दूषित व अपशिष्ट पदार्थ नदियों में नहीं डालने चाहिए।

   (vi) शोर-शराबा नहीं करना चाहिए।

   (vii) औद्योगिक अपशिष्टों को नष्ट कर देना चाहिए।

   (viii) हमें अपने आस-पास गंदगी इकट्ठी नहीं होने देनी चाहिए।

   (ix) स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।

   (x) सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा-कचरा नहीं डालना चाहिए।

यह भी जानें

1. छात्र-छात्र स्वयं करें।

पाठ—12
बहादुर बकरी

बातचीत के लिए

1. चरवाहा बकरियों को चराने के लिए हरे-भरे पहाड़ पर ले जाता था।
2. युवा बकरी भेड़िए के मुँह में लगे खून को देखना चाहती थी।
3. भेड़िए ने मुसकराकर युवा बकरी से कहा कि तुम बहुत सुन्दर और प्यारी मालूम होती है। आओ, तनिक साथ-साथ पर्वतराज की सैर करें।
4. भेड़िए को लहू देखकर गुस्सा आ गया।

लिखकर बताइए

1. (क) युवा बकरी के मन में यह विचार उठे कि अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतरकर किसी दिन बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छिपा लेता है। तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है?

   (ख) युवा बकरी को साथी बकरियों ने यह समझाना चाहा कि वह ऐसे मूर्खतापूर्ण विचारों को मन में न लाए। भेड़िए के मुँह हमारा खून लग चुका है, वह अपनी आदत से कभी बाज़ नहीं आएगा।

   (ग) भेड़िए को देखने की उत्सुकता में युवा बकरी पहाड़ पर गयी। बकरी को लौटते समय रास्ते में दबे पाँव आता हुआ भेड़िया दिखाई दिया। भेड़िए ने बकरी की प्रशंसा करते हुए पर्वत पर सैर करने का आग्रह किया परन्तु बकरी ने उसकी बकवास न सुनकर तुरंत थोड़ा पीछे हटकर इतने जोर से भेड़िये को टक्कर मारी कि असावधान भेड़िया सँभल न सका। यदि बीच में भारी पत्थर न होता तो वह औंधे मुँह नीचे खाई में गिर जाता। भेड़िया टक्कर खाकर सँभलता उससे पहले ही बकरी के पैने सींग उसके सीने में इतने जोर से लगे कि उसकी चीख निकल गयी। सीने से बहती खून की धार देखकर भेड़िया घबरा गया परन्तु एक कमजोर बकरी के सामने भागना उसे अच्छा नहीं लगा। अत: उसने पूरे वेग से बकरी पर आक्रमण कर दिया परन्तु बकरी पहले से सावधान थी, वह कतराकर एक तरफ हट गयी जिससे भेड़िए का सिर एक चट्टान से टकराकर लहूलुहान हो गया। खून देखकर भेड़िए के लहू में उबाल आ गया और वह पूरी शक्ति से बकरी पर टूट पड़ा। अकेली बकरी कब तक उसका सामना करती, वहीं पर ढेर हो गयी।

(घ) मरने से पहले युवा बकरी के मन में साथी बकरियों की अकर्मण्यता पर तरस का भाव आया।

2. (क) भेड़िए की बकवास सुनने का
(ख) वह असावधान था
(ग) रास्ते के भारी पत्थर ने
(घ) नीचे खाई में

3. (क) भेड़िये को बकरी ने घायल कर दिया था।
(ख) घायल भेड़िया जीवित नहीं रह सकेगा क्योंकि सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर मरने को बाध्य कर देंगे।
(ग) सबने एक साथ वार किया होता तो वे आज बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने की बजाय पहाड़ पर निशंक और स्वच्छंद घूम रही होतीं।
(घ) 'अत्याचारी' और 'पीड़ित'

शब्दों का खेल

1. (क) अत्याचारी क्या करता है?
(ख) अत्याचार कौन करता है?
(ग) अत्याचार कैसे किया जाता है?
(घ) अत्याचार क्यों किया जाता है?

2. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग
(ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग
(ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग

3. (क) एक युवा नई बकरी को यह बंधन पसंद नहीं आया।
(ख) बीच के भारी पत्थर ने उसे खाई में गिरने से बचा लिया।
(ग) वह ऐसे मूर्खतापूर्ण विचारों को मन में न लाए।
(घ) उस अत्याचारी भेड़िए की मौत निश्चित है।

4. (क) मर जाना - भेड़िए के प्रहार से बकरी ढेर हो गयी।
(ख) चुपचाप निकलना - बकरी के सामने भेड़िया दबे पाँव निकल आया।
(ग) हारना - बकरी के तेज आक्रमण से भेड़िए के पाँव उखड़ गये।
(घ) दया करना - भेड़िए ने तरस खाकर बकरी को छोड़ दिया।

करके देखिए

भेड़िया → बकरी → घास
शेर → हिरण → घास
बिल्ली → चूहा → अनाज़
चील → साँप → चूहा
छात्र-छात्रा स्वयं करें।

खोजे-जानें

1. भेड़िया कुत्ते के रूप का एक जंगली जानवर है परन्तु इसे पाला नहीं जा सकता। भेड़िया अपने इलाके में सर्वोच्च शिकारी होता है। भेड़िया मांसाहारी भोजन करता है। भेड़ियों के बारे में कहा जाता है कि कोई अगर इनके बच्चों को उठा लाता है तो वह पूरे इलाके को तबाह कर देते हैं। जब ये शिकार पर जाते हैं तो अपने साथ अधिक उम्र वाले भेड़ियों को न ले जाकर केवल तेज-तर्रार भेड़ियों को ही ले जाते हैं। ये जो भी शिकार करके लाते हैं उसे सबसे पहले अधिक उम्र वाले भेड़ियों को देते हैं।

2. 1. क्या आप अपने बारे में कुछ बता सकते हैं?
2. आपकी ताकत क्या हैं?
3. आपकी कमजोरियाँ क्या है?
4. आप अपने काम को प्राथमिकता कैसे देते हैं?
5. क्या आप ऐसे समय का उदाहरण दे सकते हैं, जब आपको किसी कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ा हो?
6. आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि क्या रही है?
7. आपके लक्ष्य क्या हैं?
8. आप लोगों से क्या कहना चाहते हैं?

यह भी समझें

बकरी का भेड़िए से भिड़ना मेरी नजर में अनुचित था क्योंकि यह जानते हुए कि सामने वाला हम से शक्तिशाली है फिर भी उससे अकेले भिड़ जाना कोई समझदारी नहीं बल्कि मूर्खता है। इसका योजनाबद्ध उपाय यह हो सकता था कि वह अकेली बकरी अन्य बकरियों को भी साथ में लेती और उन्हें दूर छिपकर अपने पर नजर रखने को कहती और जैसे ही उस अकेली बकरी के प्रहार से भेड़िया लहूलुहान हो गया था वैसे ही छिपी हुई अन्य सारी बकरियाँ उस पर टूट पड़तीं तो उसका काम तमाम हो जाता और उस अकेली बकरी की जान बच जाती।

पाठ—13
पथ की पहचान

बातचीत के लिए

1. इस कविता के रचनाकार हरिवंशराय बच्चन हैं।
2. यात्रा प्रारम्भ करने से पहले हमें रास्ते-रास्ते की जानकारी ले लेनी चाहिए।
3. कवि किसी भी स्थिति में न रुकने की प्रतिज्ञा करने की बात कह रहे हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) कवि उस राह के बारे में बता रहे हैं जिस पर अनगिनत अज्ञात राही अपने आदर्श हमारे लिए छोड़कर गये हैं।
(ख) जीवन की राह में कठिनाइयाँ आती रहती हैं। फिर भी हमें बिना रुके अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए।
(ग) हमारे जीवन की यात्रा अच्छी है या बुरी है इसकी चिंता किये बिना असंभव को छोड़कर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने से हमारी यात्रा सरल बन सकती है।
2. (क) पैरों की निशानी का
(ख) राह पर चलने से पहले
3. (क) पुस्तकों (ख) दिन
(ग) पंथी
4. (क) पद्यांश में यह बुरा है या अच्छा है इस पर विचार करने में दिन बिताने को व्यर्थ बताया गया है।
(ख) दूसरे रास्ते पर चलने के लिए कवि ने असंभव को संभव बनाने के लिए कहा है।
(ग) यात्रा सरल बनाने के लिए कवि ने हर स्थिति को अच्छा समझने का उपाय बताया है।
(घ) जो है वो अच्छा है अत: समय बरबाद न करके आगे बढ़ने की बात को मन में बिठाने के लिए कवि कह रहा है।

शब्दों का खेल

1. (क) अवधान (ख) असंभव
(ग) बटोही (घ) व्यर्थ
2. (क) राहगिरी यात्रा (रास्ता)
(ख) (अनन्य) विपिन जंगल
(ग) फूल (आसान) प्रसून
(घ) पहाड़ (घाटी) पर्वत
3. (क) नानी ने मुझे शेर की कहानी सुनाई।
(ख) मैं दूर का राही हूँ।
(ग) यह मन्दिर मेरे घर की पहचान है।
(घ) शोभित सरल स्वभाव का लड़का है।

करके देखिए

1. ● नेताजी सुभाष चंद बोस ने
● लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने
● लाल बहादुर शास्त्री ने
2. जीवन-पथ पर बढ़ते जाना।
आँधी-तूफानों से मत घबराना।
व्यर्थ समय तू न गँवाना।
अपने पथ पर चलते जाना।
3. (क) ईसामसीह
(ख) महात्मा बुद्ध
(ग) मोहनदास करमचंद गाँधी
(घ) सरदार भगतसिंह

यह भी समझें

किसी रास्ते चलने से पहले उस मार्ग की पहचान करना अति आवश्यक है क्योंकि इससे यात्रा सरल और सुगम हो जाती है। इससे हमें यह पता चल जाता है कि रास्ते में हमें क्या कठिनाइयाँ और क्या परेशानियाँ आने वाली हैं और हमें क्या सुविधाएँ मिलने वाली हैं जिससे हम पहले से ही इनका सामना करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

पाठ—14
भारत की महान बेटियाँ

बातचीत के लिए :

1. हिमा की माता का नाम जोनाली तथा पिता का नाम रंजीत है। हिमा के परिवार में 17 लोग थे।
2. ऋतु करिधाल का जन्म उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था ।
3. सायना नेहवाल बैडमिंटन खेल से संबंधित हैं।

लिखकर बताइए:

(क) हिमा का जन्म 9 जनवरी 2000 को असम के नागौन जिले के एक छोटे से धींग गाँव में हुआ था।
(ख) हिमा के परिवार की आर्थिक स्थिति एक गरीब किसान परिवार के जैसी थी, जिसे पैसों के अभाव में अपनी आवश्यकताओं से समझौता करते हुए जीवन जीना पड़ता था।
(ग) ऋतु करिधाल की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि एक महिला के नेतृत्व में दुनिया के पहले अतंरिक्ष मिशन चन्द्रयान 2 का निदेशक बनना है।

(घ) सायना नेहवाल ने बेटे-बेटियों में फर्क करने वाली मानसिकता पर गहरी चोट की है।

2. (क) धान की खेती (ख) रॉकेट वुमेन
(ग) हरियाणा

शब्दों का खेल:

1. एथलेटिक्स गोल्ड मेडल
मोहताज बेजोड़ वूमेन

2. (क) हिमादास – व्यक्तिवाचक संज्ञा
परिचय – भाववाचक संज्ञा
(ख) करिधाल – व्यक्तिवाचक संज्ञा
लखनऊ – व्यक्तिवाचक संज्ञा
उत्तर प्रदेश – व्यक्तिवाचक संज्ञा
(ग) सायना – व्यक्तिवाचक संज्ञा
बैडमिंटन – व्यक्तिवाचक संज्ञा
खेल – जातिवाचक
परचम – जातिवाचक
(घ) हिमादास – व्यक्तिवाचक संज्ञा
मेडल – जातिवाचक

3. (क) पूरा देश हिमा पर क्यों गर्व करता था ?
(ख) एक गरीब किसान के परिवार में पैसों की काफी अहमियत होती है।
(ग) यह थोड़ा मुश्किल था, लेकिन घरवालों ने हाँ कर दी।
(घ) ऋतु करिधाल भारत के मंगल कक्षीय मिशन, मंगलयान – 1 की उप – संचालन निदेशक भी रहीं। उन्हें भारत की "रॉकेट वूमेन" के रूप में जाना जाता है।

खोजें - जानें

1. अंडर 20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप एथलेटिक्स खेल के लिए एक द्विवार्षिक विश्व चैंपियनशिप है। इसमें 19 वर्ष या उससे कम आयु के एथलेटिक्स भाग लेते हैं। इस प्रतियोगिता को 1986 में एथलेटिक्स में IAAF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप के रूप में शुरू किया गया था और नवम्बर 2015 में इसका नाम बदलकर IAAF वर्ल्ड अंडर 20 चैंपियन कर दिया गया। IAAF का पूरा नाम है- International Association of Atheletics Foundations (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फेडरेशन) है।

1. एले इंडिया, वोग जैसी पत्रिकाओं के कवर पृष्ठ पर विश्व प्रसिद्ध महिलाओं जैसे- मॉडल, फिल्मी हीरोइन, महिला वैज्ञानिक, महिला खिलाड़ी तथा महिला समाज-सेविकाएँ आदि की तस्वीरें छापी जाती हैं।

चित्रकारी लेखन:

छात्र - छात्र स्वयं चित्र बनायें और लिखें जैसे:
मेरी पसंद का खिलाड़ी रोहित शर्मा है। यह भारतीय क्रिकट टीम के ओपनर बल्लेबाज हैं। इनका जन्म 30 अप्रैल 1987 में महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। वर्ष 2015 में इनकी शादी रितिका सजदेह से हुई थी। इन्होंने पहला वन डे 23 जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ तथा पहला टी - 20, 19 सितम्बर 2007 में इग्लैंड के खिलाफ खेला था।

यह भी समझें :

1. पिता द्वारा ट्रेनिंग के लिए दिए गए जूते हिमा के लिए दुनिया का सबसे बेशकीमती उपहार इसलिए हो गए थे क्योंकि उसके पिता ने पैसों का अभाव होने पर भी जैसे-तैसे पैसों का इंतजाम करके ट्रेनिंग के लिए 1200 रुपये के जूते दिलाये थे।

2. कठिन परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं माननी चाहिए। बल्कि उन परिस्थितियों का सामना करते हुए हमें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए। निरंतर प्रयास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

पाठ—15

मेहनती मधुमक्खी

बातचीत के लिए :

1. मधुमक्खी के पंख नन्हें है।

2. मधुमक्खी फूलों से रस लेती है।

3. मधुमक्खी धुएँ के बदले शहद देती है।

लिखकर बताइए :

1. (क) मधुमक्खी दूर-दूर से चुन-चुन कर सुन्दर-सुन्दर फूलों का रस लाती है।
(ख) मधुमक्खी अपना छत्ता दिन-भर कठिन परिश्रम करके फूलों के रस से शहद बनाती हैं और उसके कण-कण को शहद से सजाती है।
(ग) जीवन क्रम का सूत्र सहयोग , प्रेम और श्रम से मिलने वाला सुख है।
(घ) कवि हमें मधुमक्खी से धुएँ के बदले शहद देना अर्थात् बुराई के बदले अच्छाई करना तथा अपने श्रम पर जीना सीखने के लिए कह रहा है।

2. इसका आशय यह है कि मक्खी अपने श्रम पर ही अपना जीवन-यापन करती है और हमें धुएँ के बदले में मीठा शहद ही देती है अर्थात बुराई के बदले अच्छाई ही करती है।

3. (क) सुन्दर (ख) शहद
(ग) जीवन का (घ) मीठा
(ड.) श्रम का

1. (क) मधुमक्खी परिश्रम दिनभर करती है।
(ख) मधुमक्खी शहद देकर बड़ा छत्ता सजाती है।
(ग) शहद का छत्ता सहयोग , प्रेम और श्रम का सुघड़ नमूना है।
(घ) 'सुघड़' शब्द का अर्थ - सुडौल और सुन्दर है।

शब्दों का खेल :

1. दूर-दूर कण-कण सुन्दर-सुन्दर
चुन-चुन बूँद-बूँद मीठा-मीठा

2.

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
सिपाही	वीर	चित्र	सुंदर
बादल	काले	कमीज़	पुरानी

बूझो पहेली:

1. काकरोच 2. कनखजूरा 3. खटमल
4. भँवरा 5. खटमल 6. मकड़ी
7. मक्खी।

यह भी समझें:

लोग मधुमक्खी के छत्ते को तोड़कर उससे शहद निकालते हैं जोकि अनुचित है बल्कि जब मधुमक्खी का छत्ता पूरी तरह से शहद से भर जाये तब उसके नीचे धुआँ करके सबसे पहले मक्खियों को भगा देना चाहिए। जब सारी मक्खियाँ चली जाये तब उस छत्ते से शहद निकालना चाहिए। वैसे कुछ मधुमक्खियाँ छत्ता शहद से भर जाने पर अपने आप ही छोड़ देती हैं। अत: इंतजार करना चाहिए क्योंकि मधुमक्खी के छत्ते को तोड़ने से मक्खियाँ उसमें मर जाती हैं इस प्रकार जीव हत्या हो जाती है।

पाठ—16

कौड़ी से ई - मनी तक का सफर

बातचीत के लिए:

1. करेंसी से हम यह समझते हैं कि मूल्य की वह प्रणाली जो किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं के खरीदने-बेचने की सुविधा प्रदान करती है करेंसी कहलाती है।

2. पेपर मनी की शुरुआत तेरहवीं सदी में चीन में उस समय हुई जब सोने-चांदी के कुल भंडार पर सरकारी कब्ज़ा करने के लिए कुबलाई खान नाम के मंगोल सम्राट ने सारे देश में धातु के सिक्के जब्त करने का आदेश जारी करते हुए कागज़ के नोट शुरू किये थे।

3. प्लास्टिक मनी की बादशाहत को ई-मनी से चुनौती मिल रही है।

लिखकर बताइए :

1. (क) 'सेलरी' शब्द 'साल्ट' से अस्तित्व में आया।
(ख) सिकन्दर ने अपने सैनिकों को वफादार बनाए रखने के लिए वेतन में स्वर्ण मुद्राएँ देने का फैसला किया था।
(ग) ईसा से 640 वर्ष पूर्व एशिया के लीडिया साम्राज्य के सम्राट क्रोसस द्वारा पहली बार सोने की मुद्रा गढ़वाने की घटना के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।
(घ) कुबलाई खान मंगोल सम्राट था। उसका चीन पर शासन था। उसने सारे देश के धातु के सिक्के सोने-चांदी के कुल भण्डार पर सरकारी कब्ज़ा सुनिश्चित करने के लिए जब्त करने का आदेश जारी करके काग़ज के नोट शुरू किये थे। इस प्रकार उसने अनजाने में बैंकिंग सिस्टम की नींव रख दी।
(ङ) सदियों तक मानव समाज की अर्थव्यवस्था आपसी लेन-देन से चलती रही। जैसे- जानवरों का दूध निकालने वाला व्यक्ति, कपड़ा बनाने वाले व्यक्ति के पास जाता था। वह उसको दूध दे देता था और बदले में उसे कपड़ा मिल जाता था। इस प्रकार दोनों की जरूरतें पूरी हो जाती थीं।

2. (क) सॉल्ट (ख) येन
(ग) मिट्टी की टिकिया

3. (क) सेलरी (ख) चीन (ग) डाइनर्स क्लब
(घ) ई - मनी

4. (क) रुपये का अर्थ मुद्रा यानी करेंसी है।
(ख) डॉलर अमेरिका की करेंसी है।
(ग) जापान की करेंसी का नाम येन है।
(घ) सभ्यता की शुरुआत में लेन-देन वाली प्रणाली का प्रारम्भ हुआ।

Answer Key 1 to 5

शब्दों का खेल:

1. (क) राष्ट्र + ईय (ख) वास्तव + इक
(ग) प्रभाव + इत (घ) अर्थ + इक
(ङ) सभ्य + ता (च) युग + ईन

2. (क) नवीन (ख) अनिश्चित
(ग) बिक्री (घ) काल्पनिक / बनावटी
(ङ) मुश्किल (च) अंत
(छ) अस्वीकार (ज) अव्यवस्था

3. (क) वर्तमान काल (ख) भूतकाल
(ग) भविष्यत्काल (घ) भूतकाल
(ङ) भविष्यत्काल (च) वर्तमानकाल

खोजें - जानें :

1. करेंसी भी वक्त के साथ अपने रूप बदलती है। एक समय था जब व्यक्ति वस्तु विनिमय द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करता था। फिर समय आया कौड़ी का, मिट्टी की टिकिया का तथा स्वर्ण मुद्रा का चलन शुरू हुआ जो अब तक चल रहा है। इसके साथ प्लास्टिक के डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड चलन में आ गये हैं। आज यूपीआई के माध्यम से व नेट बैंकिंग के माध्यम से पेपरलेस मुद्रा का चलन बढ़ गया है।

2.

दीनार	—	269.77 रुपया
रुबल	—	0.90 पैसा
यूरो	—	90.39 रुपया
डॉलर	—	82.91 रुपया
येन	—	0.56 पैसा
दिरहम	—	22.58 रुपया

खेल-खेल में :

छात्र-छात्रा स्वयं करें।

यह भी समझें :

विनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी दिक्कत आवश्यकताओं का दोहरा संयोग था। जैसे— मेरे पास गेहूँ हैं और मुझे चावल चाहिए पर उसके पास बाजरा है। इस स्थिति में आदान-प्रदान नहीं हो सकता है। इसके अलावा वस्तु के मूल्यांकन में भी बहुत बड़ी दिक्कत थी, जैसे एक किलो गेहूँ के बदले दूध की मात्रा कितनी हो, इसका निर्धारण करने में दिक्कत आती थी । इन सभी कारणों से प्रणाली कमजोर पड़ने लगी। वैसे समाज के लिए वस्तु विनिमय प्रणाली आज के परिवेश में बिल्कुल भी अनुचित है।

जाँच प्रश्न - पत्र: 1

लिखकर बताइए:

1. (क) बादलों की गोद से निकलकर बूँद यह सोचने लगी कि मैं क्यों अपना घर छोड़कर बाहर निकली? हे भगवान! पता नहीं मेरे भाग्य में क्या लिखा है? मैं बचूँगी, धूल में मिलूँगी, किसी अंगारे पर गिरकर जलूँगी या किसी कमल के फूल में जाऊँगी।

(ख) श्रीकृष्ण ने अर्जुन को वीरों का धर्म समझाया।

शब्दों का खेल :

1. विनर्म — विनम्र सवभाव — स्वभाव
राजय — राज्य वयवधान — व्यवधान

2. (क) घरों के बाहर भी दीप जलते हैं।
(ख) दीपावली की शाम जगमग होती है।

जाँच प्रश्न- प्रत्र - 2

लिखकर बताइए :

1. (क) हमारे जीवन की यात्रा अच्छा या बुरा है इसकी चिंता किये बिना असभंव को छोड़कर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने से सरल बन सकती है।

(ख) हिमा का जन्म 9 जनवरी, 2000 को असम के नागौन जिले के एक छोटे से धींग गाँव में हुआ था।

2. (क) मृदुभाषी, विन्रम
(ख) नीचे खाई में

शब्दों का खेल:

1. (क) जल — पानी, नीर
(ख) बादल — मेघ, जलद

2.

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
सिपाही	वीर	चित्र	सुंदर
बादल	काले	कमीज	पुरानी

बूझो पहेली:

(क) ईसा मसीह
(ख) महात्मा बुद्ध